हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 जून, 1982

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुक्रवार, 25 जून, 1982

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(3)1
व्यैक्तिक स्पश्टीकरणः—	
(1) उद्योग मंत्री द्वारा	(3)24
(2) चौधरी देवी लाल द्वारा	(3)26
(3) उद्योग मंत्री द्वारा (पुनराम्भ)	(3)26
(4) कर्नल राव राम सिंह द्वारा	(3)26
(5) डा0 मंगल सैन द्वारा	(3)28
(6) राजस्व मंत्री द्वारा	(3)29
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(3)30
वैयक्तिक स्पश्टीकरणः—	
चौधरी देवी लाल द्वारा	(3)53
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)	(3)54

बैठक का समय बढ़ाना	(3)65
वि ोशाधिकार के प्र न (पुनराम्भ):–	
(124–5–1982 को राज भवन में राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करेन के लिए चौधरी देवी लाल, एम0एल0ए0 के विरूद्ध।	(3)65
बैठका का समय बढ़ाना	(3)37
वि ोशाधिकार के प्र न (पुनराम्भ):–	
(2) चौधरी देवी लाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के मौके पर उनके दुराचरण संबंधी	(3)73
बैठक का समय बढ़ाना	(3)78
वि ोशाधिकार के प्र न (पुनराम्भ)	(3)78
नियम 13 के अधिन प्रस्ताव	(3)79
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
24–6–1982 को सदन में रक्षा एवं पहरा अमले द्वारा कुर्सी पर बैठने संबंधी डा0 मंगल सैन द्वारा उठाये गये औचित्य प्र न संबंधी	(3)79

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 25 जुन, 1982

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चन्डीगढ़ में 9:00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, yesterday I reserved my ruling on two points, one relating to the question of breach of privilege and the other relating to the watch and ward staff. This is under my consideration and I will give my decision before the House adjourns today.

आनरेबल मैम्बर्ज, अब राज्यपाल महोदय के एड्रैस पर डिस्क ान होगी। श्री ई वर सिंह जी राज्यपाल महोदय के एड्रैस पर धन्यवाद की मो ान पे ा करेंगे।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है। मैंने अभी आपकी सेवा में एक काल अटैं ान मो ान दिया है। कल हरियाणा में और चंडीगढ़ में लोगों पर लाठीचार्ज किया गया है। राजेंद्र सिंह नाम के एक पत्रकार को पुलिस द्वारा बुरी तरह से मारते हुए इंडियन एक्सप्रैस के फ्रंट पेज पर फोटो आयी है और सैंकड़ों लोग गिरफ्तार हो रहे है, इस मामले में सरकार

अपना स्पश्टीकरण करें। सारे हरियाणा को पुलिस छावनी बनाया हुआ है। लोगों पर जुल्म कियें गये है जिसकी वजह से लोगों में बड़ा रोश और गुस्सा है। इस मामलें में मेरा काल अटैं ान मो ान था। आप कृप्या उसको एडमिट कर लीजिए और सरकार उसका जवाब दें।

श्री अध्यक्षः वह आपने अभी दिया है। स्टाफ स्टडी कर रहा है। मैं उसके मुतालिक थोड़ी देर के बाद बताउंगा।

श्री ई वर सिंह (पुंडरी): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं––

''कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाये––

''कि इस सत्र में इक्ट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 24 जून, 1982 को सदन में देने की कृपा की है''।

स्पीकर साहब, कल राज्यपाल महोदय ने अपना एड्रैस इस विधान सभा में दिया जिसमें उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों के बारे में बताया। उन्होंने यह कहा कि पिछले बजट सै ान में जो इन्कम और एक्सपैंडीचर के बारे में सरकार की पालिसी बतायी थी, वही कान्टीन्यू रहेगी। उन्होंने इसी तरह से और भी रैफरैन्स दिये है। वैसे तो हमारा यह प्रदे ा खास तौर पर कृशि प्रधान

प्रदे ा है, लेकिन यहां पर इंडस्ट्रीज ने भी काफी डिवैल्पमैंट की है। फरीदाबाद, जगाधरी, यमुनानगर, सोनीपत और बहादुरगढ़ में यानि दिलली के नजदीक होने के नाते हरियाणा को इंडस्ट्रीज में भी काफी डिवैल्पमैंट का हिस्सा मिला है। खास तौर पर हमारे यहां पर जो पंजाबी भाई आये है, वे काफी एडवैंचरस है और उन्होंने यहां की इंडस्ट्रीज को संभाल कर हरियाणा का नाम हिंदुस्तान में ही नहीं बल्कि दुनिया के नक ो पर भी रो ान किया है। यहां के कारखानों में बनने वाला सामान दुनियां के सैंकड़ों दे ाों में बाहर जाता है। यहा पर पानीपत में बनने वाली चादरों और कम्बल या खादी के सामान की विदे ाों में बड़ी भारी मांग है। मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारा हरियाणा हर तरफ ही तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ता जा रहा है। कुछ लोगों की आदत होती है और बहुत से लोग सरकार की केवल एक तरफ की बात को ही देखते है और उनको हमे ाा अपना पक्ष ही अच्छा दिखाई देता है। हरेक आदमी में किटीकल अनेलेसिज की पावर नहीं होती। कुछ लोग उनकी बातों के असर में आ जाते है। वे तो ये समझते है कि भाायद एक ही पार्टी लोकदल किसानों की भलाई के लिए बनी है वे तो ऐसे सोचते है जैसे उनका ही हक है कि वह ही किसानों के बारे में बोलें। यहां पर जितने भी चीफ मिनिस्टर्ज, हरियाणा बनने के बाद रहे है, वे सभी किसान थे। कांग्रेस पार्टी के जितने भी एम0एल0एज0 या मिनिस्टर्ज रहे है अगर उनका भी हिसाब लगाया जाये तो उनके अंदर अधिकतर तादाद किसानों की रही हैं। जो मजदूर या ि ाडयूल्ड कास्टस

है, वे भी किसान है क्योंकि वे भी किसान के खेत में काम करते है। उनका भी खेती के अंदर सांझा और हिस्सा होता है। इस तरह से अगर कोई एक वर्ग यह कहे कि हम ही उनके रिप्रेजैन्टेटिव है, तो यह गलत है और ऐसे लोग छोटे दायरे की बात करते है। कांग्रेस पार्टी का राज जब से यह दे ा 15 अगस्त, 1947 को आजद हुआ है, तब से रहा है। बीच में दो साल तक जनता पार्टी का भी राज रहा है लेकिन उस राज को जनता पार्टी पूरी तरह से थाम नहीं सकी। किसी बाहर के आदमी ने उस राज को नहीं तोड़ा। वह अपने आप ही अपनी कमजोरी की वजह से टूट गया। मेरा कहने का मतलब यह है कि पिछले वर्शों में जो अकिधकतर राज रहा है, वह कांग्रेस पार्टी का ही राज रहा है। उस राज में पब्लिक की भलाई के लिये सभी कार्य किये गये हैं। काफी तरक्की भी हुई है। वि ोशकर हमारे इस सूबे में हुई तरक्की का जब हम दूसरे सूबों से मुकाबला करते है तो हम यह पाते है कि यहां पर रिकार्ड तोड़ तरक्की हुई है। यही नहीं, सारे हिंदुस्तान के सूबों के मुकाबलें में हरियाणा में तरक्की ज्यादा हुई है। इस बारे में वर्ल्ड बैंक की भी यह रिपोर्ट है कि हरियाणा ने जिस स्पीड से काम किया है और वर्ल्ड बैंक का रूपया जिस तेजी से खर्च किया है, उस स्पीड से कोई दूसरा सूबा नहीं कर सकता। आपको पता है, वर्ल्ड बैंक पैसा यूटीलाईजे ान के आधार पर देता है। लोग कहते है कि इजरायल की स्पीड बहुत तेज है लेनिक हरियाणा तो इजरायल से भी आगे निकल गया। यह वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट कहती है। काम करना पड़ता है, बगैर

कुछ किये कोई भी काम पूरा नहीं होता। हमने आजादी मिलने के बाद संविधान बनाया। उसमें हमने सब लोगों को सो ाल, इकोनोमिक एंड पोलीटीकल जस्टिस देने की बात कही हैं सभी लोगों को वोट देने का अधिकार मिला, यह राजनैतिक जस्टिस है। सो ाली सूबे के सस्भी लोगों का दर्जा बराबर हो, यह काम कांग्रेस पार्टी की सरकार ने किया है। इकौनोमिके जो गल्फ है, उसको कम कर के गरीब आदमी को ऊपर उठाने की कोि ा ा की जा रही है और हरेक आदमी का स्टैंडर्ड हमें बढ़ता हुआ नजर आता है। इस स्टेट में कितनी डिवैल्पमैंट हुई है, यह तो आदमी खुद ही देख सकता है। हर गांव को पक्की सड़क से मिलाने का सपना तो हमारे बराबर की स्टेटस यू0पी0, मध्य प्रदे ा और राजस्थान अभी ले रही है, वे अभी तक यह सपना साकार नहीं कर सकीं लेकिन हमारे यहां हरेक गांव को पक्की सड़क जा चुकी है और अब हम डबल सड़कें बनाते जा रहे है।

सड़कों के अलावा बिजली भी प्रदे ा के लिये एक जरूरी चीज हैं। बिजली से इंडस्ट्रीज भी चलती है और ट्यूबवैल्ज भी चलते है। आजकल तो बिजली का इतना प्रयोग होने लग रहा है कि जैसे टेलीविजन है, फ्रिज है, पंखे है, पहले ये केवल भाहरों तक ही होते थे लेकिन अब ये देहातों में भी पहुंच चुके है। मेरा कहने का मतलब यह है कि हर जगह बिजली का इस्तेमाल बड़ी तेजी से बढ़ता जा रहा है। सरकार इसकी प्रोडक ान बढ़ाने की कोि ा ा कर रही है नये नये थर्मल प्लांटस लगाये जा रहे है

और हाईड्रों इलैक्ट्रिक स्कीम्ज बनाई जा रही हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि बजट का अधिकतर हिस्सा इरीगे ान एंड पावर पर खर्च किया जा रहा है। जो ये लोग कहते है कि किसान के लिये कुछ नहीं किया, यह खुद ही देख लें कि जो बजट इरीगे ान एंड पावर पर खर्च हो रहा है, क्या वह किसानों पर नहीं है।? आपको पता है पावर से इंडस्ट्रीज भी चलती है और किसानों के भी काम आती है। इसके अलावा यह बड़ी खु ाी की बात है कि सतलुज यमुना लिंक का काम अब दो साल में पूरा कर लिया जायेगा। पहले केवल कहने कहने की बात थी। प्रैक्टिकल बातें कुछ और होती है और कहने की बातें कुछ और होती है। कहने में और करने में बड़ा फर्क होता हैं हरियाणा की कुल जमीन एक करोड़ एकड़ के करीब है और उस एक करोड़ एकड़ मैं से जो का त के काबिल जमीन है वह 70 लाख एकड़ है, बाकी की जमीन पर भाहर गांव, कारखाने सड़कें, जंगल और पहाड़ इत्यादि सभी कुछ आ जाते है। 70 लाख एकड़ जमीन के लिये जो पहले ही हमारे पास पानी है, चाहे वह ट्यूबवैलों के जरिये अंडर ग्राउंड वाटर है चाहे नहरों को पानी है, वह हमने ज्यादा से ज्यादा इसके लिये इस्तेमाल किया है। कुछ एरियाज तो ट्यूबवैल्ज लगाने की वजह से छलनी हो गए है। मतलब यह है कि जगह जगह ट्यूबवैल्ज लग चुके है और खासतौर पर मेरा एरिया तो ऐसा है जिसके लिये पिछलें दिनों लैंड माग्रेज बैंक ने कर्जा देना ही बंद कर दिया क्योंकि एक सर्वे में यह पाया गया कि दो दो किलोमीटर पर ट्यूबवैल्ज लग चुके है इसलिये कहीं ऐसा

न हो कि अंडर ग्राउंड वाटर खत्म हो जाए। लेकिन कुदरत ने उसके लिए भी इलाज कर रखा है। बारि ा होती है और पानी फिर रीचार्ज हो जाता है। जो ड्रेन्ज है वे भी पानी चार्ज करती रहती है। इस तरह से पानी पहले भी था और जो नया पानी आएगा उससे पानी की मात्रा बढ़ जाएगी और कुछ ऐसे इलाके है जहां पानी की थोड़ी कमी है वहां पर पानी की मात्रा बढ़ जाएगी। भाखड़ा की इरिगे ान की परसैंटेज 64 परसैंट है जब कि वैस्टर्न जमुना कैनाल की 32 परसैंट है। वैस्टर्न जमुना कैनाल का जहां पानी लगता है वह पैडी ग्रोइंग एरिया है। नया पानी आने से वहां पर पानी की तादाद बढ़ जाएगी और जो भाखड़ा का एरिया लगता है उसको भी रिलीफ मिल जाएगा। हम लोग जहां भी जाते है तो लोगों को कहते है कि पानी आएगा कहीं ऐसा न हो कि वह पानी चला जाए। इसलिये उसको पूरी तरह से प्रयोग करना है। हम चाहेंगे कि हर जगह उसका डिस्ट्रीब्यू ान हो ताकि सभी जगह के लोग उस पानी का फायदा उठा सकें। स्पीकर साहब, मेरा कहने का मतलब यह है कि पानी का डिस्ट्रीब्यू ान इतना फेयर और जरूरत के मुताबिक हो कि सभी जगह के लोग उसका फायदा उठा सकें। एस0वाई0एल0 से हरियाणा को पानी मिलना बड़ी कैडिटिबिलिटी की बात है।

श्री अध्यक्षः आपका टाईम हो गया है इसलिये अब आप खत्म करें।

श्री ई वर सिंहः मैं एक दो मिनट में ब्रीफ कर देता हूं। इस ऐड्रैस से हमारी प्रधान मंत्री ने नारा दिया है कि itr is a year of productivity. उनका बीस सूत्री प्रोग्राम है। इस प्रोग्राम में सारी स्कीम्ज डिवैल्पमैंट की है और इसके द्वारा अमीर और गरीब की जो खाई है उसको कम करना है। इस तरह से पैदावार बढ़ाकर दे ा को खु ाहाल बनाया जाएगा। गरीब आदमियों को हाउस साइटस देने का प्रोग्राम है और आगे यह प्लान है कि मकान बनाने में उनकी मदद की जाएगी। भाहरों में जो सल्मज है उनको समाप्त करने की भी स्कीम हैं। स्पीकर साहब, सब से बड़ी जो स्कीम है वह है पीने के पानी की स्कीम। हरियाणा में लगभग पौने सात हजार के करीब गांव है और इनमें से तीन हजार गांवों में अब तक पीने का पानी पहुंच चुका है। हमें उम्मीद है कि अगले तीन चार साल में हरियाणा का कोई गांव ऐसा नहीं बचेगा जिसमें पीने का पानी न पहुंच पायेगा।

स्पीकर साहब, इस सरकार ने गेंहू का भाव बहुत अच्छा दिया है। जनता राज में कहा गया था कि 150 रूपये क्विंटल का भाव दिया जाएगा लेकिन हुआ यह कि पांच रूपये ही बढ़ाया। अब जो भाव सरकार ने दिया है वह काफी अच्छा है और यही नहीं जो गेहूं बारि ा से खराब हो गया था उसको भी उसी भाव में उठा लिया है। पिदले राज में तो यह था कि बोरी भी समय पर नहीं मिली थीं। जो बोरी सस्ते भाव पर मिलनी थीं वे ऊंचे दाम पर खीदनी पड़ी। चौधरी देवीलाल के बारे में जमींदार लोग

एक बात कहते है कि जब ओले पड़े तो किसानों को नकद पैसा दिया गया। वे क्विक रिलीफ में बड़े माहिर है। मैं कहना चाहता हूं कि आज की गवर्नमैंट ने रिलीफ के काम में किसानों को दस करोड़ रूपया अब दिया और पांच करोड़ रूपया और भी रखा है। सभी पैसा किसानों को दिया गया है। चौधरी भाम ोर सिंह से मैं एक प्रार्थना अव य करना चाहूंगा कि बिजली के कनैक ान के लिए दो दो तीन तीन साल पहले सिक्योरिटी जमा कराई जाती है। टैस्ट रिपोर्ट मिलने के दो तीन साल बाद कनैक ान मिलता है और इस तरह से चार पांच हजार रूपया लगाकर फिर कनैक ान मिलता है। मेरा कहना यह है कि कनैक ान मिलने के बाद मोटरी खरीदी जानी चाहिए, पहले नहीं। इस बारे में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि एक जगह पर तो सौ खम्बे खड़े है और वहां से कनैक ान जा रहा है और किसी जगह पर एक ही खम्भा है और उस एक ही खम्भे से लोग कनैक ान ले रहे है। मेरा कहना यह है कि ट्यूबवैल्ज के कनैक ान के तार अलग जाने चाहिएं स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब का इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने स्टेट की पोलिसी बताई और आगे जो कुछ बताया है वह तरक्की ही तरक्की हैं। जय हिंद।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर अनुसूचित जाति): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी गवर्नर साहब के अभिभाशण पर धन्यवाद का प्रस्ताव सदन के समने रखा गया है। मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ी हुई हूं। मुझ से पहले बोलते हुए मेरे

आदरणीय भाई ई वर सिंह जी ने जिक्र किया कि कल अभिभाशण में गवर्नर साहब ने सरकार की पिछली नीतियों और प्रोग्राम पर दृश्टि डालते हुए विस्तार से इस बात का जिक्र किया है कि सरकार किसानों, निर्धनों, अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और समाज के कमजोर वर्गों के लिये, नए प्रोग्राम बनाने के लिए और निरन्तर समाज को समाजवादी दि ाा में आगे बढ़ाने के लिये कृत संकल्प है। अध्यक्ष महोदय, इस बात के लिये मैं उनका धन्यवाद करती हूं। अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में, श्रीमती इंदिरा गांधी ने जो बीस सूत्री प्रोग्राम दे ा को दिया है, उसका भी विस्तार से जिक्र किया गया है। पिछलें दो अढ़ाई सालों में जब दे ा में कांग्रेस की सरकार नहीं थी उस समय दे ा में अराजकता आपसी लड़ाई और समाज में अस्थिरता का वातावरण पैदा हो गया था। उस समय सारा आर्थिक विकास रूक गया था। हमें श्रीमती इंदिरा गांधी का आभार प्रकट करना चाहिए कि उन्होंने इस दे ा को उस संकट से उभारा और बीस सूत्री प्रोग्राम दे ा को देकर कांग्रेस सरकारों को इस प्रोग्राम को लागू करने का आहवान किया हैं। इस प्रोग्राम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिये हरियाणा सरकार कृत–संकल्प है और इस दि ाा में हमारी आज की सरकार निरन्तर आगे बढ़ रही है। इससे मजदूरों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों को बहुत राहत मिलेगी।

पिछले दिनों रावी ब्यास के पानी के बंटवारे के बारे में जो फैसला हुआ है यह हरियाणा के लिए बहुत अच्छी बात है

लेकिन ऐसा सुनने और देखने में आ रहा है कि विरोधी दल के भाई इसका भी विरोध कर रहे है। ऐसा लगता है कि केवल राजनैतिक विरोध के लिये इसका विरोध किया जा रहा है। हमारे विराधी दल के भाइयों को अच्छे काम का तो स्वागत करना ही चाहिए लेकिन विरोधी दल के भाई कांग्रेस पार्टी के अच्दे काम का स्वागत करने की बजाए उसमें रूकावट ही डालते है। यह विरोध कांग्रेस पार्टी का नहीं है बल्कि यह हरियाणा के लोगों का विरोध मानना चाहिए। कांग्रेस पार्टी और हमारी सरकार ऐसा मानती है कि दे ा में इस प्रकार की योजनाएं भाुरू की जाएं जिनसे समाज के कमजोर वर्ग की स्थिति को सुधारा जा सके और मेरा ऐसा विचार है कि ये योजनाएं समयबद्ध होनी चाहिए। मैं यह चाहती हूं कि यह जो रावी ब्यास लिंक नहर का काम है वह दो साल के अंदर पूरा हो जाना चाहिए जिससे कि हरियाणा के लोग ज्यादा से ज्यादा और जल्दी से जल्दी फायदा उठा सकें। अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा बना था उस वक्त यह कहा जाता था कि यह सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पाएगी। यहां बहुत सी विकास योजनाएं चल रही है। सड़कें बन रही है, पीने के पानी की योजनाएं चल रही है और दूसरी योजनाएं चल रही है। जहां ठीक काम नहीं हो रहे हों वहां सब को आलोचना करने का अधिकार है। लेकिन जो कमा ठीक चल रहे है उनको आगे बढ़ाने के लिये हम सब को मिलकर काम करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में राज्यपाल महोदय ने खेतिहर मजदूरों के बारे में भी जिक्र किया है जिन गरीब मजदूरों की मजदूरी के बारे में पहले किसी तरह की कोई गारंटी नहीं थी लेकिन अब हमारी सरकार ने अपन मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी को बढ़ा कर 14 रूपये प्रतिदिन (बिना भोजन) अथवा 10 रूपये प्रतिदिन (भोजन सहित) कर दिया है। यह जो मजदूरी की दरें हमारी सरकार ने बढ़ाई है ये दे ा भर में सम्भवतः सबसे अधिक है, हमें इस बात की खु ाी है। इस तरह से और भी कई ठोस काम हमारी सरकार ने करने का आ वासन दिया है।

इसी प्रकार से हमारी सरकार माननीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी के नए बीस सूत्री प्रोग्राम में अपनी दृढ़ आस्था रखती है। इस बीस सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जातियां और अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सदस्यों को प्लाट्स दिये गये है और इन प्लाटस पर भवन निर्माण हेतु दी जाने वाली साहायता के कार्यक्रम को हमारी सरकार बड़ी तेजी से कार्यरूप देने जा रही है, इसके लिये हम अपनी सरकार के आभारी हैं। ऐसा करने से गरीब लोगों के जीवन में काफी जागरूकता आएगी। इस को देखकर हम यह कह सकते है कि वाकई गरीब लोगों के साथ, उनकी भलाई के लिये हमारी सरकार पूरी तरह से कृत–संकल्प है।

इसी तरह से माननीय पंडित जवाहर लाल नेहरू और दूसरे महान नेताओं ने जो मि ान बनाया था, हम उनकी तरफ भी

बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे है। अध्यक्ष महोदय, हमारी रफतार जरा कम हो सकती है लेकिन कभी भी दे ा के अंदर, प्रांत के अंदर कैसी भी स्थिति रही हो हमारी सरकार ने कभी भी अपने उद्दे य से मुंह नहीं मोड़ा। हर प्रकार के हालात का सामना हमारी सरकार ने किया है और बड़े बड़े रचनात्मक काम किए है। लोगों की भलाई के लिये गरीब लोगों के उज्ज्वल भविश्य के लिये हमारी सरकार सदा ही कृत–संकल्प रही है, और रहेगी। इस क्षेत्र में हमारी सरकार ने जो भी कार्य किये है, वे ऐप्री ीिऐबल है।

अध्यक्ष महोदय, पिछली जो अपोजी ान की सरकारें थीं, वे अपने आपको किसानों का बड़ी ही हमदर्द बतलाती थीं लेकिन मैं आपको बताना चाहती हूं कि उनके राज में किसान के गन्ने और कपास की जो दुर्गति हुई है, उसे कोई गरीब किसान भूल नहीं सकता लेकिन यह सरकार किसानों को उनके गेहूं और दूसरी जिन्सों का उचित भाव दिलाने के लिये पूरी तरह से कृत संकल्प है, इसके लिये सरकार सचमुच बधाई की पात्र है।

अध्यक्ष महोदय, इस वर्श भारी वर्शा और ओलावृश्टि के कारण किसानों की फसलें बिल्कुल तबाह हो गई थीं और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा था। इसके लिये मेरी सरकार ओलावृश्टि के कारण किसानों को हुए भारी नुकसान को पूरा करने के लिये कृत संकल्प है और किसानों के कश्टों का निवारण करने के लिये सरकार कई तरह के प्रोग्राम बना रही है ताकि

लोगों को कुछ राहत मिल सके। काफी पैसा किसानों को अनुदान के रूप में भी दिया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में इंडस्ट्री के क्षेत्र में भी काफी तरक्की हुई है। भले ही दूसरे विकसित प्रांतों के मुकाबले में कम हुई हो लेकिन थोड़े से हरियाणा के इतिहास में हमारे प्रांत ने जो तरक्की की है, वह सराहनीय हैं। यह नहीं कहा जा सकता है कि जो तरक्की हो गई, सो हो गई। सरकार निरन्तर इंडस्ट्री के विकास के लिये सदा ही प्रयत्न ील रही है और रहेगी। इस तरह से इन सारी बातों का और सरकार की नीति का गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में जिकर किया है, इसके लिये मैं उनका धन्यवाद करती हूं और यह वि वास भी करती हूं कि जो नीतियां और प्रोग्राम गवर्नर साहब के एड्रैस में द ार्यी गयी है, उन को इम्पलीमेंट करने में जो ढील पहले रह गई है, हमारी यह सरकार अब उन नीतियों और प्रोग्रामों को कार्यान्वित करने में किसी भी प्रकार की ढील नहीं करेगी और प्रगति के पथ पर सदा ही अग्रसर रहेगी। सदा ही इस बात के लिए हमारी सरकार सतर्क रहेगी कि विकास के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढील न हो। इन भाब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के ऐड्रैस के बारे में जो श्री ई वर सिंह जी ने धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, उसका अनुमोदन करती हूं और आपका भी धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। जय हिंद।

Mr. Speaker: Motion move-

'That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 24th June, 1982."

अब डा0 मंगल सैन बोलेंगे। हर माननीय सदस्य के लिये 10–10 मिनट का समय फिक्स किया गया है, इसलिये आप समय का ध्यान रखें।

डा0 मंगल सैन(रोहतक): ठीक है जी। स्पीकर साहब, आज सदन में .....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: साहेबान, जरा भाांति रखिये।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, आज सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बड़ी चर्चा हो रही है। कल वे यहां पर आए थे और उन्होनें आकर अभिभाशण पढ़ा। जो कुछ उन्होंने कहा वह हमने तो सुना नहीं कि वे क्या कह गये क्योंकि उनकी आवाज बड़ी मध्यम थी और हमें अफसोस है कि हमें उनके यहां आने पर जो राज्यपाल महोदय का सम्मान करना था, वह हम ने नहीं किया और हमने उनके विरूद्ध प्रद र्ान किया, यह हमारी मजबूरी थी। स्पीकर साहब, हमारी लोकतंत्र पर गहरी आस्था है और हम यह कभी भी नही चाहते कि लोकतंत्र पर किसी तरह पक प्रहार किया जाए लेकिन जब राज्यपाल महोदय स्वयं ही किसी

आलोचना का कारण बन जाएं तो फिर हमारी यह मजबूरी थी कि हमें ऐसा करना पड़ा। स्पीकर साहरब, उन्होंने यहां पर चुनाव का भी जिकर कर दिया और यह भी कह दिया कि मुझे नव–गठित विधान सभा के प्रथम सत्र के अवसर पर आपका स्वागत करते हुए अत्यन्त हर्श हो रहा है। चुनावों में मिली सफलता पर मैं आपको बधाई देता हूं। स्पीकर साहब, चुनाव सारे प्रदे ा में 19 मई को हुए। फेयर चुनाव होने चाहियें थे, जोकि नहीं हुए। विधान सभा तो भंसग कर दी मगर मंत्री परिशद को भंग नहीं किया गया और मंत्री परिशद को पूरी तरह से सरकारी तंत्र का दुरूपयोग करने की आज्ञा भी दे दी गयी। स्पीकर साहरब, कल भाई बीरेंद्र सिंह जी यहां पर कुछ आंकड़े बता रहे थे कि कांग्रेस को 38 परसैंट, लोकदल की बीस परसैंट और हमारी पार्टी के मुतालिक अर ाद फरमा रहे थे कि केवल 6 परसैंट वोट मिले हैं। कहना भी चाहिए उनको, नौजवान आदमी है लेकिन उनको इन बातों का भी ज्ञान होना चाहिये कि उनके हाथ में केंद्र की सरकार थी, उनके हाथ में सरकारी म ाीनरी थी, दल बदलुओं की सरकार थी, पैसा उनके पास था केवल दस आदमियों को टिकट नहीं मिला और दस को ही जनता ने हरा दिया। स्पीकर साहब, किस तरह से यह सरकार आई, किस तरह से चुनाव हुए, इसके बारे में अगर जानकारी प्राप्त करनी है तो जाकर डबवाली की जनता से पूछों कि किस तरह से वहां के रिटरनिंग अफसर रात के समय, जहां पर बक्स रखे थे, तोड़ कर घुस गये और उन्होंने अंदर जाकर क्या कुछ नहीं किया। जब लोगों ने उन से पूछा कि भाई क्या कर रहे हो तो वे कहने

लगे कि औरतों और मर्दों की वोटों को अलग अलग गिनती करनी है, वह कर रहा हूं। पर्चिया देख रहा हूं। यह सब कुछ स्पीकर साहब, टेप रिकार्ड किया हुआ है जी, मैं वैसे ही यह बात नहीं कह रहा हूं। रतियां, राई, यमुनानगर, हथीन वगैरह में भी इस तरह की कई वारदातें हुई है। स्पीकर साहब, मैं कहां कहां का जिकर करूं कि जो इस सरकार ने किया है, मुझे बताते हुए लज्जा आती है।

लोकनिर्माण राज्य मंत्री(चौधरी गोवर्धन दास चौहान): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि जो बात डाक्टर साहब कह रहे है, यह बिल्कुल गलत और निराधार है। रिटर्निंग अफसर औरतों और मर्दों की वोट गिनने अंदर नहीं गया था बल्कि अंद प्रिजाइडिंग आफिसर्ज की डायरीज रह गई थी, उनको लेने गया था। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या यह कोई प्वायंट आफ आर्डर है? मैं आपकी प्रोटैक ान चाहूंगा स्पीकर साहब, आप इनको रोकिये कि ये बीच में न बोलें और बाद में अपनी बात कह लें। (ाोर) मैं ईमानदारी से और फेथफुली अपनी सारी बातें दस मिनट में ही खत्म कर दूंगा। स्पीकर साहब, भजन लाल जी ने जगह जगह पर गलत अनाउंसमैंटस करवा दीं। इनकों मैं बताना चाहता हूं कि इनके खिलाफ पैटी ांज होंगी देखना भजनलाल जी, आपके सात–आठ आदमी हट जाएंगे। ये टैलीफोन पर टैलीफोन करवाते रहे, पैसे की वर्शा करवाते रहे कि किसी ने किसी तरीके

से सीटें और ज्यादा आ जाएं। इनकी क्या बताउ स्पीकर साहब,... .....(हंसी)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं आपसे एक बात कहूंगा कि आप जरा गवर्नर साहब के बारे में थोड़ा सा रैसट्रेन रखें।

डा0 मंगल सैनः ठीक है जी, मैं आपकी बात समझ गया। इलैक ान में सारी हाई कमांड ने एड़ी चोटी का अपना जोर लगा लिया। श्रीमती इंदिरा गांधी गांवी हैलीकाप्टर में आती है और चली जाती है। श्री राजीव गांधी, भारत के भावी प्रधान मंत्री, वे भी हैलीकाप्टर में आते है लेकिन चरणसिंह और दूसरे नेताओ को चुनाव प्रचार के लिये हैलीकाप्टर नहीं दिया गया। वाजपेई साहब को हैलीकाप्टर नहीं दिया गया। इंदिरा जी हैलीकाप्टर में आई और जरूर आई है। मेरा कहना यह था कि हर तरह के हथकंडे अपनाये गये, पैसा पानी की तरह बहाया गया और सरकारी म ानिरी का पूरी तरह से दुरूपयोग यिका गया लेकिन फिर भी केवल 36 सीटें ही ले पाए। (मुख्यमंत्री की ओर से विघ्न) भजन लाल जी आपको चंडीगढ़ का जोहड़ ही काफी था आप हरियाणा में कहां घूम रहें है। (ाोर)

सहकारिता मंत्री(चौधरी बीरेंद्र सिंह): स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन जी को इतना नहीं पता कि जब इनके प्रधानमंत्री थे उस समय हम 356 सीटें जीत कर आए थे और इनकी केवल 50 सीटें आई थी। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, जब इनकी प्रधान मंत्री थी तो यहां पर हम 76 जीतकर आए थे और ये केवल तीन सीटें जीत कर आए थे। हरियाणा की जनता ने इन द्वारा दिया गया नारा ही माना था कि एक, दो, तीन, बस। हरियाणा की जनता ने उस समय इनकी नसबंदी कर दी थी। (ाोर) स्पीकर साहब, चुनावों का रिजल्ट आने के बाद मैं और चौधरी देवी लाल तपासे साहब के पास गये। हमें गवर्नर साहब ने सोमवार को बुलाया और कहा कि आप उस दिन फिजीकली प्रैजैंस दिखाएं। हमें तो यह बात कही गई लेकिन भजन लाल जी को केवल इनकी लिस्ट देख कर ही मुख्य मंत्री पद की भापथ दिला दी। हम तपासे साहब से जानना चाहते है कि क्या हम इनफीरियर ढंग के एम0एल0ए0 थे और ये सुपिरियर ढंग के एम0एल0ए0 थे? क्या इनकी मां ने इनकों बिस्कुट खाकर पैदा किया था और हमारी मां ने राबड़ी खाकर पैदा किया था?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): हम आपको सारी बातें बताएंगे।

डा0 मंगल सैनः आप क्या बताएंगे आपकी बातें सुनते सुनते तो 22 साल निकल गये। आपके पास सिवाए झांसे के और कुछ नहीं है। ये कह रहे थे कि कांग्रेस की साठ सीटें आएंगी। इन्होंने सुरजेवाला को हराने की कोि ा ा की। इन्होंने काटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन्होंने सोचा कि अगर कांग्रेस की पचास सीटें आ गई तो मेरा नम्बर नहीं आएगा और 35 सीटें आई

तो व्यापार के लिये तेरा नम्बर आ जाएगा। स्पीकर सहब इनकी 36 सीटें आई और.....लछमन सिंह जी बड़े दिलेर आदमी है, हमें तो परवानु में छोड़ गये और आप उधर चले गये और उनसे यारी दोस्ती लगा ली। कर्नल साहब कल नाराज हो गये थे, मैं तो हंसी में कह रहा था। जो भाब्द आपने तपासे साहब को कहे थे उनको सुन कर मैंने आपकी बात को दिलेरी वाली बात समझा था लेकिन आपको उनके पांवों को हाथ नहीं लगाना चाहिये था। जब एक बार स्टैंड ले लिया था तो मर्दों वाली बात करनी चाहिए थी। (विघ्न) (घंटी) स्पीकर साहब, अभी तो मेरा तवा ही गरम हुआ है और आपने घंटी बजा दी। स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि.....
.....

श्री अध्यक्षः गवर्नर साहब के बारे में जो रिमार्कस कहे गए है, उन्हें एक्सपंज कर दिया जाये।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने गवर्नर साहब के बारे में कोई ऐसी बात नहीं कही जो कास्टीच्यू ानली खिलाफ हो। अगर उनका कंडक्ट कंडैमेबल हो तो उसकी चर्चा जरूर होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो सकता। तो आप मुझे इस बारे में रूल बता दें।

श्री अध्यक्षः इस बारे में तो प्रैसीडैंटस है। डा0 साहब आप काफी कह चुके है और आपका टाईम भी समाप्त हो गया है, अब आप कृपया बैठ जाएं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं अपना विशय बदल देता हूं। स्पीकर साहब, इन्होंने बी0एस0एफ0, राजस्थान की पुलिस और यू0पी0 की पुलिस यानि दुनिया भी की पुलिस बुला ली। ये कह रहे थे कि लोकदल के केवल पांच हजार आदमी आएंगे। अगर पांच हजार आमदी ही आने थे तो उनको रोकने की क्या जरूरत थी। (विघ्न) सभी अखबार कह रहे है कि चंडीगढ़ में कितने आदमी आए। आपमें दम होता तो हरियाणा के किसानों को ट्रैक्अरो ंपर आने देते। आपने भााहबाद में ट्रैक्टर रूकवा कर उनके टायर पंकचर करवाए। स्पीकर साहब कल चंडीगढ़ की सड़कों पर जो जुलम हुआ उसकी कहानी कहीं नहीं जा सकती। राजेंद्र सिंह कटारिया जो 'जो किसान' नाम का पेपर निकालता है वे बेचारा चल नहीं सकता उसको बुरी तरह से पीटा गया। इसी तरह से वीर प्रताप के कौरसपौंडैंट श्री कपिल देव भाास्त्री जी को पीटा गया। इन्होंने किसी को भी स्पेयर नहीं किया, सैकड़ों आदमियों के सिर तोड़ दिये। क्या यह उचित है कि हरियाणा की जनता का सिर तोड़ कर हकूमत की जाए (ाोर) बड़े बड़े आदमी भाग गये आप तो क्या चीज है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः हम पूरे पांच साल रहेंगे। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, अंत में मैं यही कहता हूं कि गवर्नर साहब का जो अभिभाशण हुआ है, जो हमने सुना नहीं और सुनना भी नहीं चाहते थे क्योंकि उनकी करदार बिल्कुल गलत थी मैं उसका विरोध करता हूं।

श्री बीरेंद्र सिंह(नारनौंद)ः स्पीकर साहब, गवर्नर साहब के अभिभाशण का सरकार की तरफ से जो समर्थन करने के लिये प्रस्ताव आया है मैं उसके विरोध के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, बहुत सारी बातें हमारे नेता डा0 मंगल सैन पहले ही कह चुके है परन्तु जो प्रस्ताव आया है उसके बारे में मुझे भी कुछ कहना है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः आपके नेता चौधरी देवी लाल है या डा0 मंगल सैन?

श्री बीरेंद्र सिंहः मेरे नेता चौधरी देवी लाल है और डा0 साहब भी हमारे नेता है। आपके भी कई नेता है। आपको तो दूसरे कामों से फुरसत नहीं मिलती, आप तो तांत्रिक तक भी जा पहुंचे। (ाोर) स्पीकर साहब, हम किस गवर्नर का धन्यवाद करें। क्या उन गवर्नर महोदय का धन्यवाद करें कि जिस प्रजातंत्र की नींव हमारे पूर्वजों ने अपने खून से सींच कर डाली, जिसके लिये हमारे पूर्वजों ने हजारों की तादाद में फांसी का फंदा चूमा, वे जेलों की कोठरियों में रहे, महात्मा गांधी जिसने अपना सारा जीवन इस काम के लिये बर्बाद किया तो उनकी कुर्बानियों से जो

प्रजातंत्र की नींव डली उस पर गर्वनर साहब ने..... .....मेरे ख्याल में कोई आदमी नहीं कर सकता है। (ाोर) स्पीकर साहब, 22 तारीख को हमने अपने दल का नेता चुना। तकरीबन तकरीबन सारे रिजल्ट आ चुके थे। जब डा0 मंगल सैन और चौधरी देवी लाल गवर्नर साहब के राज भवन पहुंचे तो उनको कहा गया कि 24 तारीख को अपने लोगों की सुबह दस बजे प्रेड करवाओ। हम 45 आदमी मौके पर पहुंचे फरद हमारे हाथ में थी लेकिन उससे पहले ही उन्होंने इनकों ओथ दिलवा दी। उन्होंने केवल एक बहाना लिया कि इनके पास 36 आदमी थे जो लारजैस्ट सिंगल ग्रुप था। हमने भ्रुरू से फैसला किया था कि लोकदल और भारतीय जनता पार्टी मिल कर चुनाव लडेंगे। उसके हिसाब से हमारे 41 आदमी थे। बाबू जगजीवन राम जो कांग्रेस (जे) के नेता है उन्होंने चिट्ठी लिख कर भेजी की मेरा ग्रुप भी लोकदल और भारतीय जनता पार्टी के अलायंस को स्पोर्ट करेगा। तो इस तरह से 90 मैम्बरों के सदन में हमारी एबसोल्यूट मैजोरिटी हो चुकी थी। परन्तु हमें अफसोस है कि उस बात को दर किनार करते हुए..... .....। भजन लाल जी तो अपने करतब के लिये हिंदुस्तान में का मीर से लेकर कन्याकुमारी तक म ाहूर है। ये अटेची लेकर सीधे दिल्ली से यहां आए। भगवान जाने उसमें क्या था। आते ही राजभवन में आकर औथ ले ली। स्पीकर साहब, क्या हम उस गवर्नर का धन्यवाद करें..... हम ऐसे गवर्नर का धन्यवाद बिल्कुल भी करने के लिये तैयार नहीं है।

स्पीकर साहब मैं आपके द्वारा कांग्रेस पार्टी के दोस्तों से भी कहूंगा कि जो भाई प्रजातंत्र में यकीन रखते है, जो अपने आपको गांधीवादी मानते है, जो गांधी जी की पालिसियों में यकीन रखते है जो भाई सच्चाई को सच्चाई मानते है और जिन लोगों ने इस दे ाा की आजादी हासिल करने के लिये अपनी कुर्बानियां दी है तथा जिन कांग्रेसी भाईयों की गांधी जी के प्रति आस्था है, वे भाई उधर से उठकर इधर आएं और इस प्रस्ताव को गिराएं। स्पीकर साहब, मैं समझता हूं कि किसी न किसी भाई की आत्मा उसको जरूर झिझोड़गी और वह भाई यह सोचेगा कि यह सब कुछ गलत हुआ है। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, पिछले एक महीने के अंदर हरियाणा की जनता पर जितने जुल्म किए गए, जितना तस्तूद हुआ और जितनी बुरी तरह से जनता को पीटा गया उससे चौधरी भजन लाल जी को इतना गरूर हो चुका है जैसे इनको हरियाणा में आम आदमी की तरह रहना ही नहीं है। चौधरी भजन लाल जी मैं आपकों कहना चाहता हूं कि अगर आप इतने जुल्म ढाते रहे और आपको अपनी पावर का इसी तरह गरूर रहा तो मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिस दिन आप कुर्सी से हटोगे, आपको हरियाणा की जनता माफ नहीं करेगी। इसलिये मैं आपकों आपके अच्छे भविश्य के लिए कहना चाहता हूं कि आप ताकत का ज्यादा गरूर मत कीजिए। निर्दोश मासूम और बेगुनाह लोगों पर लाठियां न चलवाइए उन पर गोलियां न चलवाइये और उनको सलाखों में बंद मत करवाइए। हरियाणा प्रांत सीधे साधे किसानो और मजदूरों

की धरती है यहां पर बहुत भले लोग रहते है जिन्हें पीसफुल सीटीजन कहते है उनको आप वायलैंट होन `पर मजबूर मत कीजिए। स्पीकर साहब गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण दिया है उसमें कई बातों का जिकर आया है। एक जिक एस0वाई0एल0 के बारे में आया है और एक 20–नुकाती प्रोग्राम के बारे में आया है। स्पीकर साहब, 20–नुकाती प्रोग्राम में एक महीना इलैक ान के बाद हरियाणा प्रांत में जितनी घटनाएं चली उनसे साफ सिद्ध होता है कि इस दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के पास, इस रूलिंग पार्टी के पास कोई 20–नुकाती प्रोग्राम नहीं हैं। इनके पास केवल एक ही नुकाती प्रोग्राम है कि प्रजातंत्र का गला घोंट कर अपनी गद्दी को कायम रखा जाए। सिर्फ इस गंदे प्रोग्राम के सिवाए कांग्रेस (आई) पार्टी के पास कोई दूसरा प्रोग्राम नहीं है। स्पीकर साहब, आज इंटरनै ाल छवि बिगड़ी है। सारे दे ा के अंदर हरियाणा प्रांत के गवर्नर साहब की बहुत बदनामी हुई है। चौधरी भजनलाल जी अपनी.....और वह हिस्ट्री का एक पन्ना बन चुका है। उस हिस्ट्री को जब हमारी आने वाली पीढ़ियां पढेगी तो हमें गालियां देगी और आप सबको गालियां देगी तथा कहेगी कि हमने इतने कमजोर लोगों को चुनकर भेजा था जिन्होंने चौधरी भजनलाल जी को अपना मुख्य मंत्री बर्दा त किया था। (ोम भोम की आवाजें) स्पीकर साहब, मेरे रूलिंग पार्टी के भाई एस0वाई0एल0 के पानी का बड़ा भारी करैडिट ले रहे है और उसका इस अभिभाशण में भी जिक किया गया है। इस सरकार में आजकल सुरजेवाला जी आई0पी0एम0 है

वे रिकार्ड उठा कर देखें। उस रिकार्ड से इनकों मालूम होगा कि जिस समय चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे उस वक्त पंजाब प्रांत के भाग में एस0वाई0एल0 की खुदवाई के लिये पांच किलोमीटर जमीन एक्वायर की गई थी और नहर की खुदवाई के लिये दों करोड़ रूपया भी दिया गया था लेकिन यह सरकार उसका करैडिट भी अपने ऊपर लेना चाहती है। स्पीकर साहब, हम कहते है कि यदि यह सरकार एस0वाई0एल0 की इनआगुरे ान के लिये आ रही है आप हमारा कोआप्रे ान लीजिए, उस समय चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि मैं अपोजी ान के एक मैम्बर को इनवाइट करूंगा। स्पीकर साहब, आप इनसे पूछिये कि क्या इन्होंने किसी भी अपोजी ान के मैम्बर को इनवाइट किया था। चौधरी भजनलाल जी तो एक ही बात कहते है कि अपोजी ान काम में बाधा डाल रहे है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से चौधरी भजनलाल जी को कहना चाहता हूं कि यदि आपको एस0वाई0एल0 नहर की खुदाई के लिये हमारी पार्टी का कोआप्रे ान चाहिये तो हम आज भी हर प्रकार का कोआप्रे ान देने के लिये तैयार है। इसके अलावा इस अभिभाशण में रीलीफ के बारे में बात कही गई है। चौधरी ई वर सिंह जी ने कहा कि किसानों को उनकी फसल खराब होने के कारण काफी रीलिफ दिया गया है। स्पीकर साहब, मैं इनको कहना चाहता हूं कि इस अभिभाशण में किसानों को रीलीफ देने की बात कही गई है उसका करैडिट चौधरी देवी लाल जी को जाता है। जिस समय किसानों पर आपति आई, चाहे वह ओले पड़ने की वजह से आई,

चाहे ज्यादा वर्शा होने की वजह से आई, चाहे किसानों के खलियान जल जाने की वजह से आई उस समय चौधरी देवी लाल जी ने किसानों को नकद पैसा दिया था। चौधरी ई वर सिंह जी ने भी यही फरमाया है कि उसी रीलीफ को हम दे रहे है। स्पीकर साहब, जो प्रथा हमने कायम की थी उसको यह सरकार निभा रही है। लेकिन मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि यह सरासर झूठ है जितना पैसा मंजूर किया जाता है उतना किसानों तक नहीं पहुचता है। जो पैसा पहुंचता है वह खास तौर पर आदमपुर कांस्टीच्युएंसी में पहुंचता है जहां पर फसलों को कोई नुक्सान नहीं हुआ है और वहां पर लोगों को मुआवजा दिया गया और जिन कांस्टीच्युएंसीज में विपक्ष के मैम्बर्ज थे, जिनके हलकों में किसानों की फसलों की तबाही हुई है ओलों की वजह से या दूसरी कुदरती आपति की वजह से वहां पैसा बिल्कुल नहीं पहुंचा अगर पहुंचा है तो यदि किसी हल्के के लिये दस हजार रूपया मंजूर हुआ तो उसमें से मु कल से 500 या 700 रूपया पहुंचा है। स्पीकर साहब, गवर्नन साहब ने जो एड्रैस हमारे सामने पे ा किया है इसमें कोई ऐसी बात नहीं है जिसके लिए हम उनको धन्यवाद दें। इन भाब्दों के साथ मैं इस अभिभाशण का विरोध करता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं । धन्यवाद।

श्री रामदास धमीजा(अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं राज्यपाल महोदय का हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने यहां आकर अपना अभिभाशण पढ़ा। राज्यपाल महोदय ने

अपने अभिभाशण के जरिये हमें बताया कि हमारी सरकार ने गरीबों, किसानों और मजदूरों के कल्याण के लिये क्या कुछ काम किया है। स्पीकर साहब, जहां तक 20–सूत्रीय कार्यक्रम का ताल्लुक है इस प्रोग्राम के इम्पलीमैंट होने में पोजी ान चाहे कुछ भी रही है लेकिन यह प्रोग्राम हमारे दे ा के कल्याण के लिये बहुत अच्छा प्रोग्राम है। इस प्रोग्राम को यदि मेरे अपोजी ान के भाई चलने दें तो दे ा बहुत आगे जा सकता है और मेरे विरोधी पक्ष के भाई कहेंगे कि वाकई यह प्रोग्राम है। स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण में एस0वाई0एल0 का भी जिक्र किया गया है। मैं कहना चाहता हूं कि एस0वाई0एल0 नहर की खुदाई का काम भाुरू होना हरियाणा प्रांत के लिये बहुत बेहतरीन बात हैं। हरियाणा प्रांत में जहां जहां पर पीने के पानी की कमी थी उसको कांग्रेस पार्टी की सरकार ने दूर किया है जो पीने के पानी की कमी रहती है उसको पूरा कर रही है। इसके लिये मैं अपने मुख्यमंत्री जी का धन्यवादी हूं। स्पीकर साहब, जो मेरे भाई अपोजी ान में बैठे है इनको जनता ने पांच साल के लिए भारत सरकार में चुन कर भेजा था लेकिन ये मेरे भाई अम्बाला से चलकर पानीपत से वापिस आ गए मेरे कहने का मतलब यह है कि सिर्फ दो अढ़ाई साल ही सरकार चला पाये थे। स्पीकर साहब ऐसा क्यो हुआ इसलिये हुआ क्योंकि इन्होंने जनता पार्टी की सरकार तो एक संतरे के सामान है और कुछ ही दिन में इसकी फाड़फाड़ हो जाएगी इस बारे में कुछ भी करने की आव यकता नहीं है। आप लोग अपोजी ान में बैठ कर इनके काम को देखते

रहें और वही हुआ आप सबको मालूम है। इसके अलावा स्पीकर साहब, हमारे मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी ने पिछले अढ़ाई साल के दौरान हरियाणा प्रांत के लिये और खास करके अम्बाला के लिये जो काम किए है वे आज तक किसी भी सरकार ने नही किए। स्पीकर साहब, मेरे अपोजी ान के भाई जिस गवर्नर महोदय का विरोध करते है उनको इन्होंने ही बनाया था हम एपकसे बहुत भला आदमी कहते है। उन्होंने अपने अभिभाशण में ऐसी कोई भी बात नहीं कही है जिससे दे ा का हित न होता हो। लेकिन अपोजी ान के भाईयों के लिये यह भाोभा नहीं देता कि राज्यपाल महोदय यहां पर अपना अभिभाशण देने के लिये आएं और ये उनका विरोध करे। मैं समझता हूं कि यह बात इनके लिये अच्छी नहीं है। स्पीकर साहब, अपोजी ान के भाईयों को अच्छे काम को अच्छा कहना चाहिये और बुरे काम को बुरा कहना चाहिये। दूसर मुल्कों में भी अपोजी ान है और बहुत हैल्दी अपौजी ान है लेकिन वे इस तरह से नहीं करती जो यह करती है। ये मेरे विरोधी पक्ष के भाई चाहे सरकार ने कितना ही अच्छा काम किया हो फिर भी उसको बुरा कहेंगे। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा अपोजी ान के भाईयों से कहना चाहता हूं कि आप अच्छे काम को अच्छा कहो और बुरे काम को बुरा कहो। क्या आपने इस सरकार को मजबूर नहीं किया? जब आप ने यह एलान किया कि हम ट्रकों और ट्रैक्टरों के अंदर पत्थर लाठियां लायेंगे तो सरकार ने भी इस बात को ध्यान में रखते हुए पग उठाने ही थे। यदि सरकार अपना प्रबंध न करती तो यहां पर न

जाने कितने आदमियों का खून खराबा हो जाता। हजारों आदमी मारे जाते। सरकार ने जो कदम उठाये है, यह सरकार की जिम्मेदारी थी। अंत में जो प्रस्ताव हाउस में आया है, उसका स्वागत और समर्थन करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी देवी लाल(मेहम): स्पीकर साहब, मुझे तो सबसे पहले बोलना चाहिए था लेकिन मैं बोलने से पहले रूलिंग पार्टी का विचार सुनना चाहता था। रूलिंग पार्टी के कुछ सदस्य बोले और उनके विचार सुने। जो प्रस्ताव सरकार की तरफ से आया है उसका मैं विरोध करता हूं। क्योंकि मुझे सबसे बड़ा खदसा तो इस बात का है कि आज डैमोक्रसी को खत्म किया जा रहा हैं। यह बात मेरे बताने की जरूरत नहीं है। इस बात को कर्नल राम सिंह जी बड़ी अच्छी तरह से बता सकते है। राज्यपाल महोदय के आने पर हमें खड़ा होना चाहिये था लेकिन हम खड़े नहीं हुए, हालांकि यह एक ऐसी पोस्ट है जिसके सम्मान में हमें खड़ा होना चाहिए था। स्पीकर साहब, इनकी सरकार बनने केब बाद जब हम राज्यपाल महोदय से मिलने गए तो उनके सम्मान में हम खड़े हो गये थे लेकिन आज श्री फूलचंद जी जो मंत्री बने हुए है उनके सम्मान में खड़े नहीं हुए थे। स्पीकर साहब.....
.....

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपको ऐसी बात हाउस में नहीं करनी चाहिए। (ाोर)

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, बात असल यह है कि .....(ाोर)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः राज्यपाल महोदय के बारे में जो भाब्द कहे गए है वे एक्सपंज होने चाहिए।

Mr. Speaker: There should be no aspersion ona person, who is not in a position to defend himself in the House. These words should be expunged.

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, उन्होंने इनको भापथ दिलाने से पूर्व मुझे दो दिन पहले बुलाया था। जिस समय मैं राज्यपाल महोदय से मिला उस समय मेरे साथ 45 मैम्बर थे और दो मैम्बरों का परिणाम आना बाकी था। इन दोनों के कागजात भाकधर साहब ने मंगा लिये थे। उसी दिन मेरे को करनाल से एक टैलिफोन आप्रेटर ने टैलीफोन किया कि मैंने आपको रोहतक, मेहम, देहल टैलीफोन किया लेकिन आप कहीं पर भी नहीं मिले। लेकिन आप यहां करनाल में ही मिले है। उस टैलीफोन आप्रेटर ने मुझे बताया की नारायणगढ़ के एस0डी0एम0 पर कांग्रेस (आई) के उम्मीदवार को जीताने के लिये दबाव डाला जा रहा है क्योंकि वहां से बी0जे0पी0 का कैंडीडेट आठ वोटों से जीत रहा है उसको हराने के लिये चौधरी भजन लाल ने देहली से टैलीफोन किया है। उसी ने मुझे कहा कि आप वहां पर फौरन जाइए और उनका परिणाम अनाउंस करवाइये। (विरोधी पक्ष की ओर से भोम भोम की आवाजें)

श्री अध्यक्षः मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या एस0डी0एम0 नारायणगढ़, जो बात आप कह रहे है, इसका ब्यान दे सकेंगे?

चौधरी देवी लालः मैं आपकों रिकार्ड दिखा दूंगा। आप रिकार्ड देख सकते है। टैलीफोन आप्रेटर ने मुझे यह भी बताया कि लाल सिंह को काबू कर लिया गया है। यह भी पता लगा कि फूलचंद की चीफ मिनिस्टर से बात हो चुकी है और यह कहा गया कि उनकी पाबंदी हटा दी गयी है और उनके लिये रास्ता साफ हो गया है। इसी प्रकार से लच्छमन सिंह जी की बात है। (ाो)

श्री फूलचंदः स्पीकर साहब, यह मेरा पसर्नल मामला है। इनको मेरी मुखालफित करने का कोई अधिकार नहीं है। (ाोर)

चौधरी देवी लालः इस प्रकार सभी बातें अखबारेां में छपी है। स्पीकर साहब, कर्नल राम सिंह ने भी..... .....हाथ रख कर कहा था कि तूनी हमारी दस पु तों को खत्म कर दिया है। (ाोर) अभी मैंने कुछ देर पहले भी कहा था कि गवर्नर साहब के सामने हम खड़े हो गए थे लेकिन फूलचंद जी खड़े नहीं हुए थे। (ाोर)

कर्नल राव राम सिंहः सर मैं अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप इनकी स्पीच के बाद पर्सनल एक्सप्लेने ान दे लेना।

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, जैसा अभी मैं आपको बता रहा था कि नारायणगढ़ से बी0जे0पी0 का कैंडीडेट आठ वोटों से जी रहा था लेकिन ये उसको जीतने देना नहीं चाहते थे। मैंने इस संबंध में बाजपेई जी को टैलीफोन किया और भाकधर साहब को भी टैलीफोन किया था कि हमारा कैंडीडेट आठ वोटों से जीत रहा है लेकिन एस0डी0एम0 पर नाजायज दबाव डाला जा रहा हैं इसलिये वह परिणाम घोशित नहीं कर रहा है। इस बात को आप उस एस0डी0एम0 से पूछ सकते है। मैंने उस एस0डी0एम0 से बात की तो उसने मुझे सच सच बता दिया। मैंने उस एस0डी0एम0 को दाद दी की आपने सच बोला और कहा कि आपको अपने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए। इसके बाद मैंने डी0सी0 को भी टैलीफोन किया। टैलीफोन पर पता लगाा कि वे वहां से रवाना हो चुके है और कागजात भाकधर साहब ने मंगा लिए है। स्पीकर साहब, जिस समयस मैं गवर्नर से मिला उस समय मेरे साथ 45 मैम्बर थे और दो सीटों का परिणाम आना भोश था। लेकिन उन्होंने मुझे भापथ नहीं दिलाई जबकि हमारे पास पूर्ण बहुमत था। जैसा मैंन बताया है कि मेरे साथ 45 मैम्बर थे और दो का परिणाम आना भोश था। इन दो का परिणा भी हमारे हक मे था। इस प्रकार मेरे साथ 90 सदस्यों में से 47 सदस्य थे। इनकी पार्टी के प्रधान कल यहां सदन में भी हाजिर

थे। उन्होंने इंदिरा गांधी जी को कहा बहन जी आप तो पि चमी बंगाल को रो रही है यदि हरियाणा के अंदर चौधरी देवीलाल की सरकार बन गई तो फिर 30 साल तक इंतजार करना पड़ेगा। (विरोधी पक्ष की ओर से तालियां) इनके पास तो धीरेंद्र ब्रहमचारी का हवाई जहाज था उसमें सुलतान सिंह भी सैर कर रहे थे। उसके अंदर राजे ा पायलैट भी थे। इन्होंने गवर्नर को यह काह कि.....

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, अभी इन्होंने यहां पर दो बातें कहीं है। एक तो यह कही कि.....यह जो बात इन्होंने कही है इससे भद्दी और कोई बात नहीं हो सकती। दसूरी बात इन्होंने यह कही है कि..... .....ये दोनों गलत बातें है। इसलिये ये भाब्द हाउस की कार्यवाही से एक्सपंज होने चाहिए।

श्री अध्यक्षः ये दोनों बातें हाउस की कार्यवाही से एक्सपंज कर दी जायें।

डा0 मंगल सैनः अगर हम अपनी बात यहां पर भी नहीं कह सकते तो फिर कहां कह सकते है?

श्री अध्यक्षः आप यहां पर प्रधान मंत्री के संबंध में कुछ न कहें।

चौधरी देवी लालः जिस ने इनको गलत तरीके से ओथ दिलवाई है हम उसका किस मुह से धन्यवाद करै। जब मेरे साथ 47 मैम्बर थे और मुझ बहुमत प्राप्त था तो फिर इनको औथ कैसे दिलवाई गई। जो साथी मेरे साथ थे अब उन में से कुछेक भजन लाल जी के साथ चले गए है। इनमें लाल सिंह भी है। (विघ्न) तो इस ढंग से जिस गवर्नर ने औथ दिलवाई है उसको मुबारिकबाद हमे कैसे दें? कैसे उसका धन्यवाद करें?

जहां तक इस बात का सवाल है कि इंडस्ट्रिज में बड़ी तरक्की हुई है, मैं इस बात से इंकार नहीं करता कि इंडस्ट्रीज में तरक्की नहीं हुई है। 40–40 लाख रूपये में बिजली बेच कर इंडस्ट्रीज वालों को दी गई है। तरक्की क्यों न हो? चौधरी भजन लाल के कहने के मुताबिक मेरे समय में तो 744 मैगावाट बिजली पैदा हुई थी लेकिन इनके समय मे 1475 मैगावाट बिजली तैयार हुई है। मैं मानता हूं कि इनके समये में बिजली जयादा त्योर हुई है लेकिन मेरे वक्त में पानीपत का पावर हाउस तैयार नहीं हुआ था। भाखड़ा में भी अब एक नया जैनरेटर लगाया गया है लेकिन मैं पूछता हूं कि बिजली ज्यादा तैयार होने के बावजूद भी गई कहां? मैं ई वर सिंह जी से पूछता हूं कि आज बिजली कितनी मिलती है? मरे समय में 22 घंटे बिजली मिलती थी। अब बिजली तो ज्यादा तैया हुई, इंडस्ट्रीज तरक्की तो कर गई लेकिन जितनी भी बिजली है जितना भी पैसा है जितनी भी सबसिडी है वह सारी बड़े बड़े इंडस्ट्रयलिस्ट को दी जाती है। 1 अरब 27 करोड़ 28

लाख रूपया बिरला को दिया गया, 1 करोड़ 29 लाख रूपया टाटा को दिया गया, 26 करोड़ 11 लाख रूपये इंदिरा को दिए गए, 55 करोड़ 22 लाख रूपये यहां रहने वाले एस्कार्ट वाले सिंगला साहब को दिए गए। यह जो इतना कर्जा दिया गया था इसको पिछलें दो महीने के अंदर माफ किया गया है। (विघ्न) यह बात पार्लियामैंट के अंदर पूछी गई थी और वहां यह जवाब आया है लगभग दस अरब रूपये का उनका कर्जा माफ किया गया है। मैंने इसमें क्या गुनाह किया यदि कह दिया कि तीस लाखा घरों के जिम्में, किसानों के जिम्में जो कर्जा है उसे मेरी पार्टी अगर ताकत में आई तो माफ करेगी? (विघ्न) जहां तक इंडस्ट्रीज की डिवैल्पमैंट का संबंध है उसे मैं मानता हूं लेकिन बिजली के बारे में आज फिर वहीं बात सुनने को मिल रही है कि भजन लाल बि नोई, बिजली तैने कहां लुकोई। कहां गई वह बिजली? मैं स्पीकर साहब, आपसे ही पूछता हूं क्योंकि आप पेहोवा के रहने वाले है। फूलचंद जी ही मुझे बता दें कि क्या बिजली किसानों को मिलती है?

राजस्व मंत्री(श्री फूलचंद): मिलती है।

चौधरी देवी लाल: कितने घंटे?

श्री फूल चंद: जितनी जरूरत है।

चौधरी देवी लाल: सरदार लछमन सिंह जी आप ही बता दें।

उद्योग मंत्री(श्री लछमन सिंह): 24 घंटे। (विघ्न)

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, रावी ब्यास के पानी का जहां तक संबंध है उसके बारे में पिछले दिनों पंजाब केसरी और दूसरे अखबारों में सरदार दरबारा सिंह की स्टेटमैंट आया करती थी। वे उसमें अपने केस को सही साबित करते थे और उसमे लिखा होता था कि राजस्थान का सारे का सारा पानी पंजाब को मिलेगा हालांकि उसका आधा हिस्सा हमें मिलना चाहिए। चूंकि वह स्टेटमैंट आपकी निगाह में है इसलिये मैं उसको यहां दोहराना मुनासिब नहीं समझता क्योंकि बोलने के लिये मिनट थोड़े ही मिले है।

स्पीकर साहब, पीने के पानी का जहां तक संबंध है, वर्ल्ड बैंक की स्कीम मेरे वक्त में भ्रारू हुई थी। वाटर वर्कस बनाने की स्कीम हमारी थी। जो 34–34 लाख का प्रोजैक्ट था और अभी अंडर कंस्ट्रक ान है वह केवल आठ लाख का रह गया है। इसके कई उदाहरण है। एक प्रोजैक्ट इनकी अपनी कास्टीच्युएंसी में है, भट्टू में है, ऐलनाबाद में है और बीसियों जगह है। अगर मैं कहूंगा कि बाकी के पैसे ये खा गए तो आप एक्सपंज करा देंगे लेकिन डाउट जरूर है। जितने डिवैल्पमैंट के काम मेरे वक्त में भ्रारू हुए थे वे आज सब ठप्प पड़े है। मेरे कुछ दोस्त यहां बैठे है। वे तेजा–खेड़ा गए थे। इन्होंने वहां देखा कि वृंदावन गार्डन का नजारा वहां बना हुआ है। सरकारी अफसर कई बारे ऐसे काम करते है कि चीफ मिनिस्टर किसी तरह से

खु ा हो जाए लेकिन मैंने उन्हें हिदायत दी थी कि इस तरह के वाटर वर्कस वे पांच पांच सात सात गांव के दरम्यान और जगह भी बनाएं पानी भी लोगों को खुलकर दिया था लेकिन आज हालात क्या है? आज जहां कहीं भी मैं जाता हूं पानी के लिए घड़ों की लाईन लगी हुई देखता हूं और मखौल में वहां लाईन लगी हुई औरतों से पूछा करता हूं कि तुम्हारे में सबसे ज्यादा लड़ने वाली लुगाई कौन सी है? कहने का मतलब यह कि आज हरियाणा में पीने के पानी की बड़ी भारी किल्लत है। आज बिजली केवल एक दो घंटे चलती है, ट्यूबवैल चलने का कहीं नाम नहीं, पीने के पानी का पैसा ये सारे का सारा खा गये। इन्होंने आज एक रिवाज सा डाल दिया कि खाओं और खाने दो लूटो और लूटने दो। (विघ्न) स्पीकर साहब, हिमाचल के बारे में जिस दिन खबर यह थी कि बी0जे0पी0 के बारह मैम्बर्ज जीत गए और कांग्रेस के सात जीते है, उस दिन सरदार लछमन सिंह मेरे साथ थे। दूसरे दिन भी जब खबर यह रही कि बी0जे0पी0 के पंद्रह और कांग्रेस के ग्यारह जीते है ये मेरे साथ रहे। लेकिन 23 मई, 1982 को जब भजन लाल जी को तपासे साहब ने औथ दिला दी और हिमाचल में कांग्रेस के 18 जीत गये और बी0जे0पी0 के 16 रह गए उस दिन वे हमें छोड़कर उधर चले गये। (विघ्न) कारण यह है कि इनका हिमाचल में इनका कत्थे का व्यापार है।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, अगर ये हिमाचल में मेरा कत्थे का व्यापार साबित कर दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः आप अभी बैठिए, मैं आपको बाद में टाईम दूंगा।

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, ये कहते है कि इनके राज में किसान को अनाज का भाव अच्छा मिला है। गेहूं के भाव में आप जानते है केवल 13 रूपये क्विंटल की वृद्धि हुई है जबकि खाद के भाव में साढ़े सैंतीस रूपये फी कट्टे के हिसाब से वृद्धि हुई यानी 95 रूपये क्विंटल का भाव बढ़ा है। स्पीकर साहब, खाद पूंजीपति के कारखाने में तैयार होती है लेकिन गेहूं राजेंद्र सिंह और हमारे खेतों पैदा होती है। इसलिये गेहूं का भाव केवल 13 रूपये क्विंटल और खाद का भाव 95 रूपये क्विंटल बढ़ गया। यह इनके राज की हालत है।

स्पीकर साहब, यहां कांग्रेस राज और जनता राज का भी जिक्र आया। कहा गया कि जनता गवर्नमैंट की गाड़ी अढ़ाई साल में पटड़ी से उतर गई। अब क्या आप अपनी गवर्नमैंट को पटड़ी पर ले जा रहे हो? इसका हाल तो आपने कल सुन लियाा अढ़ाई सौ आदमी बिला किसी कसूर के जख्मी कर दिए। प्रो0 गुगन सिंह की, जो रोहतक के एक स्कूल में प्रिंसीपल हुआ करते थे, रीढ़ की हड्डी तोड़ दी। अढ़ाई सौ आदमी जेल भेज दिए। (विघ्न) कल बी0बी0सी0 का नुमायंदा मुझे कुदरती मिल गया। मैं पीपली के पास से गुजर रहा था तो उसने मुझे पहचान लिया और रोक लिया। मैंने पूछा कि कहां जा रहे हो? उन्होंने कहा कि चंडीगढ़। मैंने उन्हें कार में बैठा लिया और आपके पिहोवा ले

गया। वहां पुलिस ने बलबीर सिंह को पकड़ रखा था। जसमेर सिंह को पकड़ा हुआ था और कोई 40 ट्रैक्टर वहां खड़े हुए थे। उनमें ईंटे लदी हुई थी। उनमें आदमी कहां बैठ सकते थे? अपने समय में मैंने कहा था कि ट्रैक्टर एक किस्म से किसानो ंका गड्ढ़ा है और इस पर कोई पाबंदी नहीं । हमने तो टोकन टैक्स भी माफ कर दिया था। (विघ्न)

स्पीकर साहब, वर्ल्ड बैंक के पैसे के बारे में एक बात मैं और यहां बता देना चाहता हूं। वर्ल्ड बैंक से 32 करोड़ रूपया मिला था और इन्होंने उसेग खर्च करने के लिये देवेंद्र भार्मा को फुल–फलैज्ड स्टेट मिनिस्टर बना दिया। इस 32 करोड़ रूपये में से आठ करोड़ रूपया ये दोनों मिल कर खा गये। स्पीकर साहब इन लफजों को न कटवाना क्योंकि इन्होंने मेरे पर केस चलाना है। जहां इस तरह की करप् ान हो तो फिर कैसे तरक्की हो सकती है? (ोम भोम की आवजें)

स्पीकर साहब, आपको पता है कि ये लोग किस तरह से डिफैक्ट करके गये है। चौधरी रहीम खां ने मेरे पास एक आदमी भेजा। उसने मुझे कहा कि अगर चौधरी साहब मुझे अपने यहां लेने के लिये तैयार है तो मैं जाउंगा लेकिन मुझे मिनिस्टर बना दें और जो मेरा इलैक् ान में खर्चा हुआ है वह भी दे दें। इसी तरह से और भाई भी है जो पांच पांच लाख में गये है और री लछमन सिंह जी राम लाल जी के मुख्य मंत्री बनने की वजह से गये है क्योंकि हिमाचल में कांग्रेस की मिनिस्टरी बन गई थी।

(ाोंर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, वर्ल्ड बैंक की तरफ 32 करोड़ रूपया वृक्ष लगाने के लिये दिया गया। एक रूपया फी दरखत के हिसाब से दिया था। इसी प्रकार वाटर सप्लाई की स्कीम भी वर्ल्ड बैंक की है। जिस सरकार में ऐसी बातें हो फिर हम गवर्नर साहब के ऐड्रैस की कैसे ताइद कर सकते है? हरियाणा के गवर्नर साहब को मालूम है कि किस तरह से पुलिस ने लाठियों से लोगों को मारा है। लोग चंडीगढ़ से मन बना कर गये है कि जिस तरह से हमें लाठियों से मारा है, जब ये मिनिस्टर गांव में जायेंगे उस समय हम इन्हें मुरबे देंगे। इसलिये इस प्रस्ताव का समर्थन करने में मैं असमर्थ हूं। मैं इस ऐड्रैस का विरोध करता हूं और आपने जो थोड़ा सा टाईम दिया उसके लिये आपका भाुक्रिया अदा करता हूं।

डा0 ओम प्रका ा भार्मा(जगाधरी): स्पीकर साहब, गवर्नर साहब को भाुक्रिया अदा करने का प्रस्ताव सदन के सामने पे ा है। आने मुझे चंद मिनट इस प्रसताव पर बोलने के लिये दिये है। पहले तो मैं आपका भाुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि आपने मुझे समय दिया है। स्पीकर साहब कल जब गवर्नर साहब अपना एड्रैस सदन में पढ़ रहे थे उस समय जो.....देखने को मिली वह बहुत ही गलत है। ऐसा सलूक गवर्नन साहब के साथ अपोजी ान के भाइयों को नहीं करना चाहिए था। यहां पर जिस.....और .....का मुजाहिरा किया गया उसकी जितनी भी मुजम्मती की जाये उतनी ही कम है। अगर सदन में

इसी तरह से बेबुनियादी और.....बातें करने का सिलसिला रहा तो बहुत ही गलत बात होगी। इस सदन में जिन लोगों को चुन कर भेजा गया है वे ही सेवा नहीं कर सकेंगे तो और कौन करेगा। लोगों ने आपको सेवा करने के लिये भेजा न कि इस तरह की बाते करने के लिये। (ाोर) हमें इस प्रांत की सेवा करनी चाहिये। (ाोर)

मास्टर ि ाव प्रसादः स्पीकर साहब, यह भाब्द एक्सपंज करना चाहिए। यह भाब्द अन–पार्लियामैंटरी है।

श्री अध्यक्षः बेहूदा भाब्द एक्सपंज कर दिया जाए।

डा0 ओम प्रका ा भार्माः स्पीकर साहब मेरे विपक्ष के भाइयों को ऐसी गलत बातें कहने की पुरानी आदत है। यह कोई नयी बात नहीं है। अब जो भी बात मैं कहूंगा उसमें वे रूकावट अव य डालेंगे। अभी इन्होंने यहां पर सन् 1972 का जिक किया। मैंने इन्हें सन् 1972 में किस तरह से हराया था उस बात को ये भूलेंगे नहीं।

स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने सदन में जो अभिभाशण दिया है और हरियाणा की तरक्की के विशय में जो कुछ कहा है उसमें कोई ऐसी बात नहीं जिसे बायसे ार्मंदगी कहा जाये। आज दे ा में जितनी तरक्की हुई है या दे ा के बेहतर हालात हुए है इसका सारा श्रेय कांग्रेस (आई) पार्टी को जाता है और उस पार्टी की वाहिद लीडर श्रीमति इंदिरा गांधी को जाता है। कुछ अर्से के

लिये वे हटी लेकिन फिर बरसरेइकतदार आयी। चौधरी देवी लाल भी बहुत पुरान लीडर है। उनका बड़ा मान और सम्मान है। सारी जिन्दगी स्ट्रगल में गुजरी है। बडत्रे ही अनथक वर्कर है। जिस चीज को ले कर चलते है चाहे वह भली हो या बुरी हो लेकिन उसके लिये स्ट्रगल जरूर करते है। चौधरी देवी लाल को मैं सन् 1967 से देख रहा हूं उन्होंन जयादा डिस्ट्रक्टिव कार्य किया है और इसी लिये वे गवर्नर साहब की तकरीर की मजहमत कर रहे है।

स्पीकर साहब, लोकदल के भाई मेरे पीछे लगे हुए है। डाक्टर ओम प्रका ा ने एक बार गलती की है लेकिन वह अब फिर नहीं कर सकता। सन् 1957 में जनसंघ पार्टी से मैम्बर बन गया था लेकिन सन् 1972 में मैंने आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और जनसंघी उम्मीदवार को दस हजार वोटों से हराया। सन् 1977 में जिस जनसंघी उम्मीदवार ने मुझे छ हजार वोटों से हराया था उसी उम्मीदवार को इस बार चार हजार वोटों से हराया। अपोजी ान के भाईयों की गाड़ी तीन पहिये की है। लोकदल, जनसंघ यानी भारतीय जनता पार्टी और तीसरी पार्टी बाबू जगजीवन राम जी की (जे) है जिसका केवल एक मैम्बर है। अब आप अंदाजा लगाइयें कि तीन पहिये की गाड़ी कैसे चल सकती है? इनकी गाड़ी बहुत ही कमजोर है। अगर कोई भाई हमारी गाड़ी में सवार होता है तो वह मजबूत गाड़ी में बैठता है। इस गाड़ी की मंजिल पायदार है। हमारी गाड़ी मंजिल तक पहुंचा

सकती है लेकिन इनकी गाड़ी इस काबिल नही है। चंडीगढ़ में जहां ये कह रहे थे कि चार पांच लाख आदमियों को लायेंगे वहां केवल दो अढ़ाई हजार आदमी ही पहुंचे है। अगर इनकी बात भी मान लें तो ज्यादा से ज्यादा चार पांच हजार आये होंगे। सिरसा जिले का जिक आया। वहां से केवल एक सदस्य विपक्ष का आया है। कुछ भाई यहां चंडीगढ़ में लोकदल वालों के साथ आ गये। उनको न खाना मिला न ठहरने के लिये जगह मिली। वे लोग चौधरी भजनलाल जी से मिलं कि चौधरी साहब हमें लोकदल के भाई उठा कर लाये थे कि तुम्हारा राज बन रहा है। यहां पर हम पहुंचे तो पता चला कि कुछ भी नहीं है। उन बेचारों को खाना नहीं मिला और न ही उनके पास वापिस जाने का किराया था लेकिन चौधरी भजनलाल जी तो बड़े ही नर्म दिल के है उन्होंने उन्हें खाना भी खिलाया और बस में बैठा कर वापिस गांव में भिजवाया। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब वैसे मैं विपक्ष के भाईयो का अहतराम करता हूं। अपोजी ान जरूर होनी चाहिये। अगर अपोजी ान नहीं होगी तो इस जम्हूरियत में ताकत के मदमस्त हाथी को कंट्रोल कौन करेगा। उसको कंट्रोल करने के लिये विपक्ष मजबूत रहे क्योंकि इस सदन को विपक्ष की जरूरत है। अगर विपक्षी भाई तखरीबी बातों को छोड़कर तामीरी रवैये को अपनायें तो ठीक रहेगा। नुक्ताचीनी करें लेकिन सेहतमंदाना नुक्ताचीनी करें। हैल्दी क्रिटीसिजम करें। अगर विपक्षी भाई हैल्दी क्रिटीसिजम करते है तो इससे हरियाणा का ही भला नहीं होगा बल्कि हमारे दे ा का भी भला होगा। इसमें हमारा भी

भला है, इनका भी भला है और सब का भला है। इन भाब्दों के साथ, मैं गवर्नर साहब को उनके ऐड्रैस पढ़ने पर हार्दिक दिल से भाुक्रिया अदा करता हूं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(1) उद्योग मंत्री द्वारा

उद्योग मंत्री(सरदार लछमन सिंह): आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान, सर। स्पीकर साहब, एक बात तो डाक्टर साहब ने यह कही कि हमें परवाणु ले गये। मैंने डाक्टर साहब की भाक्ल कल देखी है, जब से असैम्बली का इलैक ान भाुरू हुआ। न ये परवाणु गये और न मैं इनको मिला। उससे पहले मैंने इनको नहीं देखा। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, ये गलत बोल रहे है। क्या पहले टैलीफोन पर बात नहीं हुई थी?

सरदार लछमन सिंह: स्पीकर साहब, अभी तो यक कह रहे थे कि परवाणु ले गये, अब आप ही देख लीजिये डाक्टर साहब कितना सच बोलते है। (व्यवधान व भाोर) अभी चौधरी देवी लाल जी ने एक बात कही। मैं एक बात तो यह बताना चाहता हूं कि 1975 के बाद से मैं कोई बिजलैस नहीं करता। (व्यवधान व भाोर) अगर चौधरी देवी लाल यह साबित कर दें तो सजा भुगतने के लिये तैयार हूं कि मैं बिजलैस करता हू। (व्यवधान व भाोर) सैंकड़ों आदमी बिजलैस करते होंगे कितनों के पीछे पड़ोगे। वैस

तो ओपन आक ान होती है कोई भी काम कर सकता है। चौधरी देवी लाल जी हरियाणा के चीफ मिनिस्टर बनाना चाहते है। बने, बड़ी खु ाी से बनें। केवल दस दिन पहले की बात है। मेरे हल्के कालका में गये। वहां पर पब्लिक जलसा किया। मैं उस व्यक्ति की क्वालीफिके ान बताना चाहता हूं जो हरियाणा का भविश्य में चीफ मिनिस्टर बनना चाहता है कि वह क्या कहता है। सरकार बनाने के लिये वोट तो मेरी लेनी है लेकिन वहां के वोटर्ज से क्या कहता है। वहां पर बोलते हुए यह कहता है कि कालका के लोगों सुन लो। (व्यवधान व भाोर) उस हल्के में जाकर बोलता है जहां पर इनकी पार्टी का कैंडीडेट खड़ा था और उसको 58,000 में से केवल 2019 वोट पड़ी है। जमानत की बात तो छोड़िए। 2000 वोटें तो सड़क पर चलते को पड़ जायेगी। एक आदमी को छोड़कर बाकी सब की जमानत जब्त हो गयी।

डा0 मंगल सैनः कांग्रेस का भी बता दो।

सरदार लछमन सिंहः इसमें भाक की क्या बात है, वह भी हार गया। क्या आपको पता नहीं है। मैं यह भी बता दूं कि जब मैं इलैक ान लड़ा हूं तो मैने सारे प्लेटफार्मों पर यह कहा है कि असली कांग्रेसी मैं हूं। इंदिरा गांधी एक टावरिंग परसनैलिटी है। मैं उनकी तारीफ करता हूं। मैंने तो हरेक प्लेटफार्म पर और हरेक इलैक ान मीटिंग में यह कहा है। मैंने उनको कोई गलत बात नहीं कहीं लोगों से मैंने यह भी कहा कि देखिये, यह मेरी मर्जी है कि मैं जहां चाहूंगा जाउंगा। यह मेरे को किसी की

पाबंदी नहीं है कि किसी खास पार्टी में ही जाउं। चौधरी देवीलाल कालका में पब्लिक प्लेटफार्म पर क्या फरमाते है जाकर, जरा यह भी सुन लो। यह कहते है कि ज्यों ही मैं चीफ मिनिस्टर बना, सरदार लछमन सिंह को हथकड़ी लगाकर कालका बाजारों में फेरूंगा। यह तो इनका अखलाक है। (व्यवधान व भाोर)

(2) चौधरी देवी लाल द्वारा––

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, मैं इस पर पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। लोगों ने यह पूछा कि वापिस तो नहीं लोगे, मैंने कहा नहीं। लोग कहने लगे कि वह तो राज के बगैर रह नहीं सकता। आपके पास आ जायेगा। (व्यवधान व भाोर) मैंने यह कहा कि हथकड़ी लगाकर बाजार में फिराउंगा। (व्यवधान व भाोर) लोग तो यह चाहते थे कि इनकों फांसी पर चढ़ा दिया जाये। (व्यवधान व भाोर)

(3) उद्योग मंत्री द्वारा – (पुनराम्भ)

सरदार लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मैंने जिंदगी में दो गलतियां की है। एक तो यह कि इनको सन् 1967 में एक कार और 5,000 रूपये दिये। दूसरी गलती 1978 में की। चौधरी देवी लाल उस वक्त जा रहे थे, लेकिन जाती–जाती इनकी चीफ मिनिस्टरी बचा ली। (व्यवधान व भाोर) यह जा रहे थे इनकी चीफ मिनिस्टरी को बचा लिया वरना यह उसी समय साफ हो गये थे। मेरा इतना अहसान तो क्या मानेंगे कि मैंने इनकी चीफ मिनिस्टरी

को बचा लिया। मैंने इनसे यह कहा कि जब 75 थे तब नहीं चला सके, अब 45 की कैसे चलाओगे। उस समय ऊपर चौधरी चरण सिंह का राज था अब यहां पर श्रीमती इंदिरा गांधी का राज है। आपके बस की दो दिन की भी बात नहीं है। रात को 11 बजे सो जाओंगे ओर 4 बजे उठोगे। आपको राज कौन करने देगा। मेरी बात का जवाब तो यह नहीं दे सकते। (व्यवधान व भाोर) चौधरी साहब, मैं आपको एक सलाह दूंगा। अब आप आराम से बैठ जायें, यह सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी। जो पांच आदमी इधर आना चाहते है पहले उनकों तो आप रोक लें। आप कितनी देर तक उनको बांध कर रखोगे। जो आना चाहते है उनको आने दो। मैं तो सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं।

(4) कर्नल राव राम सिंह द्वारा–

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान पर दो मिनट लेना चाहता हूं। मैं समझता हूं कि मैं बड़ा खु ाकिस्मत हूं कि चौधरी देवी लाल डाक्टर मंगल सैन और चौधरी बीरेंद्र सिंह की मेरे ऊपर दया दृश्टि पड़ती है। डिफैक ान की बात बार–बार हो रही है। मैं कांग्रेस (जे) के टिकट पर इलैक्ट हुआ था। मेरे को उस वक्त चौधरी चरण सिंह ने डिप्टी चीफ मिनिस्टरि ाप आफर की। उस वक्त 5 एम0पीज0 मौजूद थे। मैंने कहा कि चौधरी साहब, आप मेरे को तो डिप्टी चीफ मिनिस्टररि ाप आफर कर रहे हो, आप मेरे दोस्त डा0 मंगल सैन जी को ही डिप्टी चीफ मिनिस्टररि ाप दे दीजिए। खामखाह

वे नाराज हो जायेगें और आपकी एलायंस में भंग पड़ जाएगा। इसलिये आप डाक्टर मंगल सैन को ही डिप्टी चीफ मिनिस्टरि ाप बना दीजिए। उन्होंने दो अढ़ाई साल तक हरियाणा के इंडस्ट्रीज मिनिस्टर के रूप में सेवा की है या मुरम्मत करी है, यह सारी दुनिया जानती है इसलिये आप इनको ही डिप्टी चीफ मिनिस्टर बना दें ताकि और पांच साल तक वैसे ही सेवा या मुरम्मत करते रहें। आप इसको डिफैक ान समझो या कुछ और समझों, मैं डिप्टी चीफ मिनिस्टरि ाप को ठोकर मार कर इधर आया हूं। अगर मैं लोक दल या जनसंघ में मिलूं तब तो यह डिफैक ान कतई नहीं मानी जाती है लेकिन अगर मैं कहीं और जाता हूं तो यह डिफैक ान मानी जाती है। कांग्रेस (जे) पार्टी अलग–अलग हो जाती है और मैं लोकदल में मिलूं तो यह डिफैक ान नहीं माना जाता लेकिन अगर मैं कांग्रेस (आई) में मिलूं तो वह घोर डिफैक ान माना जाता है, यह पोलिटिक्स मेरी समझ में नहीं आती। मैं तो वैसे भी फौजी आदमी हूं। पोलिटिक्स तो वैसे ही मेरी समझ में नहीं आती। सन् 1978 की बात है उस वक्त मैं पूरी रात ज्वार के खेत में चौधरी देवी लाल की सरकार को बचाने के लिये खड़ा रहा। फूसा राम मेरे साथ थे भाायद वे यहां पर बैठे हुए होंगे। कैप्टन मांगे राम को लाने के लिये मैं पूरी रात ज्वार के खेत में खड़ा रहा। उसके तुरन्त बाद मेरे को एक रिपोर्ट मिली कि इनके बड़े सुपुत्र रिवाड़ी में पहुंच चुके है। वह बोले कि इस कर्नल की किसी तरह से जड़ें काटो। कोई भी आदमी मेरे को बताओ जो कर्नल की जड़े काट सके। मैंने इनसे आकर दरखास्त

की। मैंने कहा चौधरी देवी लाल क्या मेरी लायलिटी में कुछ फर्क है या मेरी एफी ीयैंसी में या एडमिनिस्ट्रेटिव एबिलिटी में कुछ फर्क है। इनका जवाब था कि वह तो नालायक है मैं क्या करूं मेरे बस का रोग नहीं। उसके बाद चौधरी चरण सिहं से मैं मिला। मैंने कहा जहां पर भी रहूंगा इज्जत से रहूंगा मुझे कोई स्पीकरी नहीं चाहिये और कोई मिनिस्ट्री नही ंचाहिये। चौधरी चरण सिंह ने जो भाब्द चौधरी देवी लाल ने अपने सुपुत्र के लिये कहे थे, वही भाब्द इन्होंने इस्तेमाल करे वह कहते है कि मैं क्या करूं? उस वख्त भी मैंने कहा, अच्छा मैं हाथ जोड़ता हूं। अब आप इसको डिफैक ान मानें या कुछ और मानें। उसके बाद क्या हुआ, चौधरी भजनलाल के हल्कें में एक कत्ल हुआ। इनका ही एक आदम कत्ल के केस में गिरफ्तार हो गया। यह मेरे पास आये। हम दोनों चौधरी देवी लाल के पास गये । इनके बड़े सुपुत्र ने वायरलैंस से मैसेज पुलिस को भेजा कि फलां आदमी को अरैस्ट कर लो। उसके बाद मैं चौधरी देवी लाल जी की तारीफ करता हूं। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी देवी लालः क्या यह पसर्नल एक्सप्लेने ान है।

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, मैं चौधरी देवी लाल की तारीफ करता हूं। इन्होंने उस वक्त टैलीफोन किया और यह कहा कि जो भजनलाल का आदमी है, उसको फौरन छोड़ दिया जाये। उसी टैलीफोन पर दूसरी साईड पर इनके सुपुत्र बैठे हुए थे। उन्होंने यह कहा, मेरे सामने की बात है, मुख्य मंत्री मैं

हूं, चौधरी देवी लाल नहीं। खबरदार अगर भजन लाल के आदमी को छोड़ा। (ोम भोम की आवाजें) मेरे ऊपर यह इल्जाम लगाते है कि मैं डिफैक्ट कर गया हूं। सन् 1977 के अंदर जो रिवाड़ी में इलैक ान हुआ, उस वक्त डाक्अर साहब को भी पता है कि जनता पार्टी के चंदे की टिकटें इ ू की गयी थी। मैं तो नयानया राजनीति में आया था। फौजी को किसी तरह से फूल बना लों। जो चंदे की टिकटें इ ू की गयी थी, वह सारा चंद रिवाड़ी से लेकर रोहतक भेजा गया। जब मैंने पूछा कि वह टिकटें कहां है तो कहने लगे वह टिकटें तो गुम गुमा गयी। मुझे यह पता लगा कि यह सारा चंदा रिवाड़ी से इक्ट्ठा करके रोहतक भेजा गया। इसलिये मैं बड़ा खु ा हूं कि आप मुझे ऐसे कामों के लिए डिफैक्टर का ओहदा दे रहे हो। मैं यह कहूंगा कि मैं तो वही काम करूंगा तो मेरी इलैक्टोरेट कहेगी। गवर्नर साहब वाली बात कहने के लिए मैं एक–दो मिनट और चाहूंगा। गवर्नर साहब के पास मैं गया। मैं गलत बात नहीं कहता। उस बारे में भी मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर क्या बात हुई थी?..... .....मेरे दिल में उस वक्त एक रोश था। मैंने..... .....को कहा कि आपकी पुलिस ने तो मेरे बीवी बच्चों को मरवा दिया होता। स्पीकर साहब उस वक्त मेरे मन में इस बात का रोश था। इस रोश के कारण मैंने वहां बात की थी (ोर एवं व्यवधान)

(4) डा0 मंगल सैन द्वारा–

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े गौर से कर्नल साहब की बात सुन रहा था। मेरा विचार था कि ये साफ बतायेंगे कि कांग्रेस (जे) से कांग्रेस (आई) में भाामिल होना डिफैक ान है या नहीं है। इन्होंने जो कुछ कहा इससे ये हाउस को कंविंस नहीं करा सके उल्टे इन्होंने इल्जाम लगाया कि डा0 मंगल सैन अढ़ाई साल इंडिस्ट्रीज मिनिस्टर रहे और क्या–क्या करते रहे। मैं कहना चाहता हूं कि आप पांच साल स्पीकर रहे और क्या क्या करते रहे अगर यह बताने लगूं तो आपको जवाब देना मु कल हो जाएगा।

कर्नल राव राम सिंहः मैं उसका जवाब दे दूंगा। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि आप यह बताएं कि जनता पार्टी से बी0जे0पी0 में जाना डिफैक ासन है या नहीं है?

डा0 मंगल सैनः वह डिफैक ान नहीं है। मैं बी0जे0पी0 की टिकट पर चुनकर आया और बी0जे0पी में ही रहूंगा। अगर आपमें कुछ भी अखलाक है तो आप रिजाइन करके कांगेस (आई) के टिकट पर फिर इलैक ान लड़े स्पीकर साहब, इन्होंने एक बात कही की रिवाड़ी का सारा फंड रोहतक भेज दिया गया। मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि यह बात सरासर गलत, बेबुनियाद और मैलेसियस ऐलीगे ान है। वहां से कोई चंदा नहीं आया।

(5) राजस्व मंत्री द्वारा–

राजस्व मंत्री(श्री फूलचंद मुलाना): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी सदन में चौधरी देवी लाल ने मुझ पर कुछ आक्षेप किए। आज से कुछ दिन पहले चौधरी देवी लाल मेरे हल्के के एक गांव बराड़ा में गए थे। यह गांव मेरे हल्के का सबसे बड़ा गांव माना जाता है। वहां पर इन्होंने मेरे बारे में कुछ बातें कहीं। उन बातों को साफ करने के लिये मैं अपने हल्कें के एक सौ चाजिस गांवों में घूमा था। वहां पर किसी ने भी चौधरी देवीलाल का नाम नहीं लिया। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में लोकदल के तीन उम्मीदवार खड़े थे। एक औफि ायल था ओर दो नौन औफि ायल थे। सब की जमानत जब्त हुई है। जो इनका औफि ायल कैंडीडेट था उसको केवल उन्नीस सौ वोट पड़े थे। लोग तो मुझे कहते थे कि लोग तो आपके साथ आ गए और दल वहां पर रह गया। लोगों ने मुझे ही कांग्रेस का उम्मीदवार माना था । जलसों में एक ही नारा था हमारा नेता फूलचंद और दे ा की नेत इंदिरा गांधी। मैं तो जलसों में यह कहता था कि पहचान कर लो कि असली कांग्रेसी कौन है और नकली कौन है। मुझ पर तो आक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

चौधरी देवी लालः यह भी तो बता दें कि गवर्नर साहब के पास कैसे गए थे?

श्री फूलचंद मुलानाः आपके साथ गया था। आपने कहा था कि प्रताप के जमाती हो। ला में उसके साथ पढ़ते थे। मैं तो जरा महौल देखने गया था। माहोल देखकर आ गया। क्या कुछ

वहां पाया अगर मैं कुछ कहूं तो यह ठीक नहीं रहेगा। आप किस तरह से इक्ट्ठे जो जाते है मैं उस बात में वि वास नहीं करता। हिंदुस्तान में हजारों किस्म की जातियां रहती है और आपके दल के बारे में हजारों बातें सुनने में आती है। आप हरिजनों को वोट नहीं डालने देते। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी बीरेंद्र सिंहः 17 मैम्बर्ज में से ग्यारह इधर बैठे है। आप कहते है कि हरिजनों को वोट नहीं डालने देते।

श्री फूल चंद मुलानाः जिन ग्यारह हल्कों का आप जिक कर रहे है उनमें आप यह देखें कि हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के कितने वोट डले है। अध्यक्ष महोदय मेरे जैसे आदमी पर कोई आक्षेप लगाता ठीक नहीं है। मैं 1972 में कांग्रेस में था और कांग्रेस की टिकट पर जीत कर आया था। 1977 में जनता पार्टी से हारा था लेकिन उसके बाद भी मैं कांग्रेसी रहा। मैं कहना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन पर भेंट करने के लिये करोड़ों रूपया इकट्ठा किया गया किसान रैली के नाम पर, नोटों की बोरियां इक्ट्ठी की गई। क्या उस सब का हिसाब आप दे सकते है?

श्री बीरेंद्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इस पर औबजैक्ट करता हूं। यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेने ान नहीं है।

श्री फूलचंद मुलानाः इन्होंने मेरे पर जो आक्षेप लगाए हैं वे बिल्कुल गलत है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

मास्टर ि िव प्रसाद(अम्बाला भाहर): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव आया है मैं उसके विरोध में कुछ कहने के लिये खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय ने जब अपना अभिभाशण पढ़नें के लिये सदन में प्रवे ा किया उस समय उनको आत`हुए देखकर उनको बैठते हुए देखकर और बोलते हुए देखकर यह महसूस हो रहा था कि भाायद उनसे कोई गलत काम हो गया है और उसका बोझ उनके मन पर है। ऐसा मालूम होता था कि उनकी आत्मा उनको कोस रही है कि तुमने कोई गलत काम किया है। स्पीकर साहब हमारे बराबर में हिमाचल प्रदे ा है। वहां पर भी राज्यपाल महोदय विराजमान हैं । उन्होंने पहले अपोजी ान के नेता भाांता कुमार को सरकार बनाने के लिये बुलाया। उनको पांच बजे तक का समय दिया। रूलिंग ग्रुप के जो नेता है वे राज्यपाल से मिले लेकिन राज्यपाल ने कहा कि मैंने पांच बजे तक का समय भाांता कुमार को दे रखा है। भाांता कुमार ने कोि ा ा करने के बाद यह महसूस किया कि हम अपनी मैजोरिटी नहीं दिखा सकते तो उन्होंने गवर्नर को कहा कि हम अपनी मैजोरिटी नहीं दिखा सकते लिहाजा नौ या साढ़े नो बजे दूसरे ग्रुप के लीडर को हल्फ दिलाया। केरल में भी एक गवर्नर है। वहां पर अपोजी ान पार्टीज ने मिलकर एक ग्रुप बनाया। वहां पर कम्युनिस्ट पार्टी की जो मैजोरिटी में थी, उसको गवर्नर ने हनी बुलाया क्योंकि अपोजी ान पार्टीज ने एक

मुहाज बनाया था, एक पार्टी बनाई थी उसको सरकार बनाने के लिये बुलाया। हरियाणा में बी0जे0पी0 और लोकदल ने मिलकर चुनाव लड़ा। डाक्टर मंगल सैन और चौधरी देवी लाल अलग–अलग जाकर मिले और उनको कहा कि हमारी मैजोरिटी है, में सरकार बनाने के लिये बुलाया जाए। अध्यक्ष महोदय, हिंदुस्तान के इतिहास में आज तक ऐसा कहीं देखने में नहीं आया, जैसा हरियाणा में हुआ है। 24 तारीख को अपोजी ान के नेता को सरकार बनाने के लिये बुलाया और उसको टाईम दिया कि इतने समय तक अपनी मैजोरिटी दिखाएं लेकिन इसी बीच अकलियत ग्रुप के नेता को औथ दिला दी गई। इससे बुरी बात क्या हो सकती है। पता नहीं इसके पीछे क्या राज था। हम इसकी गहराई में नहीं जाना चाहते। अध्यक्ष महोदय, हम उस हिंदुस्तान में रहते है जो इसलिये गुलाम नहीं हुआ कि यहां पर सड़कों की कोई कमी थी। इसलिये गुलाम नहीं हुआ कि यहां पर रूपये पैसे की कमी थी। ये सब चीजें देश में थी। हमारा दे ा अवनति की तरफ इसलिये गया, इसलिये गुलाम हुआ कि दु मन ने हमला किया और अपने ही लोग दु मन से मिल गए। हालांकि हमारी जीत उस वक्त नि चत थी लेकिन दु मन से मिलकर अपने दे ा को गुलाम बना दिया। आज भी वही स्थिति हैं । लोग अपना नुमाइंदा चुनकर भेजते है और कांग्रेस के खिलाफ वोट देकर कांग्रेस के खिलाफ फतवा देते है लेकिन वे जनता के नुमाइंदे है। स्पीकर साहब, इससे बड़ी अनैतिकता और कया हो सकती है। इन बातों ने नैतिकता का गला घोंट दिया है। इस

तरह की बातों से दे ा का क्या बनेगा, इस प्रांत का क्या बनेगा। इस बात की ओर हमें ध्यान देना चाहिए अगर राज्यपाल महोदय, अपने अभिभाशण में यह कहते कि दे ा के अंदर प्रांत के अंदर भ्रश्टाचार बढ़ रहा है तो अच्छा रहता। स्पीकर साहब, अगर गवर्नर साहब गवर्नर एड्रैस में यह कहते कि यहां पर अनैतिकता है और नैतिकता का अभाव दिखाई दे रहा है जिस की तरफ हमारी सरकार अव य ध्यान देगी तो बहुत अच्छा होता। इस तरह की बातें राज्यपाल महोदय को अपने अभिभाशण में देनी चाहिये थी और साथ में यह भी कहना चाहिये था कि हमारी सरकार इस तरह की अनैतिकतिा को दूर करने के लिए यत्न करेगी लेकिन इस तरह की बातों का कोई जिकर नहीं किया गया। न ही 20 सूत्रीय प्रोग्राम के तहत किसी प्रकार का कोई जिकर किया गया है। स्पीकर साहब, गवर्नर महोदय को यह चाहिये था कि अकसीरियत वाले नेता को हल्फ दिलाते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। अगर.....फिर हमारे दे ा का भविश्य.....ऐसी हालत में कैसे बनेगा?.....
...

स्पीकर साहब, आप जानते है कि जब जनता सरकार थी, आप सब लोग उस में भागिमल थे लगभग अढ़ाई साल तक यह सरकार चली थी। उस वक्त हमारा इतना स्वच्छ प्र ाासन था और डबवाली कांड बलविंदर कौर कांड जैसा कोई कांड उस समय

नहीं हुआ था लेकिन जब भजन लाल दल–बदलुओं के साथ कांग्रेस में आए है और सरकार बनायी है तब से डबवाली कांड और बलविंद्र कौर कांड भुरू हो गये और दिन व दिन कानून व्यवस्था बिगड़नी भुरू हो गई। आज अत्याचार बढ़ रहे है, चोरियां, डकैतियां और बेईमानी बढ़ रही है। स्पीकर साहब, यह जतो चुनाव हुए है आप इनकी बात को ले लीजिए कि किस तरह से सरकारी म ीनरी का दुरूपयोग किया गया। गलत ढंग से सरकारी अफसरों का इस्तेमाल किया गया ताकि किसी न किसी तरीके से कांग्रेस को चुनाव में जिताया जाए। सरकारी अफसर सरकी म ीनरी समेत कांग्रेस को चुनाव में जिताया जाए। सरकारी अफसर सरकारी म ीनरी समेत कांग्रेस पार्टी को जिताने में लगे रहे। यमुनानगर में आपको पता है कि किस तरीके से भागदौड़ मची रही। सिढ़ौरा के अंदर भी यही हाल रहा। अगर चौधरी सूरजमल जी वहां पर न जाते तो भाायद वह सीट भी हमारे से छिन गयी होती और अम्बाला भाहर की सीट के लिये भी कांग्रेस पार्टी ने सरकारी म ीनरी व अफसरों का खूब इस्तेमाल किया क्योंकि वहां से कांग्रेस का जनरल सेक्रेटरी चुनाव के लिये खड़ा हुआ था। सरकारी दफ्तर बिल्कुल खाली पड़े थे और सभी लोग कांग्रेस पार्टी के कैंडीडेट को जिताने के लिये प्रचार वगैरह में संलग्न थे लेकिन ई वर ने इन का साथ नहीं दिया। रात साढ़े नौ बजे कांउटिंग हो चुकी थी लेनि फिर भी री–चैकिंग का बहाना बनाकर इन्होंने साढ़े 12 बजा दिये। भजन लाल जी ने हर हल्के में अपने हथकंडे अपनाये और पानी की तरह पैसा बहाया।

नैतिकता का जिस तरीके से जनाजा निकाल गया उसका राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में कुछ जिकर नहीं किया कि किस प्रकार सरकार ने अनैतिकता फैलाई और नैतिकता का सत्याना ा किया। राज्पाल महोदय को इस तरह की बातें भी अपने अभिभाशण में देनी चाहिये थी क्योंकि अगर राजनैतिक लोगों में अनैतिकता होगी नैतिकता का अभाव होगा तो फिर बाकी हरियाणा के लोगों को क्या बनेगा? जब तक हम स्वयं नैतिकता को नहीं अपनाएंगे तब तक दूसरे लोग कैस नैतिकता की भारण में आएंगे? भवन का निर्माण तो सदा ही नीचे से होता है और अगर उसको सुंदर बनाना हो तो फिर ऊपर से किया जाता है। अगर हम बड़े लोग ही घटिया काम करेंगे तो फिर छोटे साधारण लोग अच्छे असूलों का अनुसरण कैसे कर पाएंगे?त्र कैसे दूसरे लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठेगा? अगर ऊपर से ही बेईमानी होगी तो फिर नीचे वाले क्यों न करेंगे?.....तो ऐसे कारनामों से आम लोगों का जीवन स्तर कैसे ऊपर उठ सकता है? साधारण लोगों का फिर कैसे भला हो सकेगा? अगर ऐसी ही स्थिति चलती रहेगी तो हमारे राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और बड़े बड़े अफसर कैसी अच्छी बातों को अपना सकते है जिन से प्रांत का और दे ा का भला हो। अगर इन सारी बातों को सरकार की बेईमानी का अनैतिकता का और दूसरी बातों का जिकर राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में कर दिया होता तो मैं सब से पहला व्यक्ति होता जो इस अभिभाशण का समर्थन करता। अब मैं कैसे इस अभिभाशण पर राज्यपाल महोदय को

धन्यवाद दूं क्योंकि इस अभिभाशण में तो है ही कुछ नहीं, बिल्कुल खोखला है। राज्यपाल महोदय ने यह भी जिकर किया कि बहुत सारी सड़कें बन गई लेकिन यह तो सारा काम हमारी जनता सरकार का किया हुआ है। जब से भजनलाल दल–बदलुओं की सरकार इस प्रांत में आई है तब से इस राज्य में बेईमानी भ्रश्टाचार और जमाखोरी को बढ़ावा मिला है इस के मुकाबले में हमारी जनता सरकार के भाासन काल में बिल्कुल स्वच्छ प्र ाासन लोगों को मिला था आज हेराफेरी के केसिज में, बेईमानी के केसिज में, रि वतखोरी के केसिज में बड़े अफसरों को नहीं पकड़ा जाता बल्कि चपरासियों को ही पकड़ा जाता है। बड़े दुकानदारों पर एक ाान लिया ही नहीं जाता और छोटे दुकानदारों को तंग किया जाता है। जो बड़ी बड़ी मुर्गिया है, उनको पकड़ने में संकोच किया जाता है क्योंकि वे लोग इलैक ान के दिनों में इन को पैसा देते है और नाजायज काम लेते है इसलिये बड़े–बड़े अफसरों के खिलाफ रि वतखोरी के केसिज में एक ान नहीं लिया जाता क्योंकि इलैक ान के दिनों में उन से काम लिया जाता है। स्पीकर साहब, इन हालात में अच्छे वातावरण का होना कैसे सम्भव हो सकता है? बिल्कुल सम्भव नहीं हो सकता। वातावरण और बिगड़ेगा।

स्पीकर साहब, एक दो बातें और कहना चाहता हूं कि इलैक ान होने के बाद किस तरीके से एम0एल0एज0 को उस तरफ खींचने की कोि ा ा की गयी। कहीं डी0सीज के द्वारा जोर

डलवाया गया कि भाई आप की जमीन सरप्लस है, अगर कांग्रेस में आर जाओगे तो सब कुछ ठीक रहेगा नहीं तो जमीन हड़प कर ली जाएगी। कहीं 307 का केस बनाया जा रहा है कि भाई आपके खिलाफ यह केस है, इधर आ जाओ, नहीं तो नुक्सान उठाना पड़ेगा। इस तरह की तलवारें सदस्यों के सिरों पर लटकायी गयीं और आगे भी ऐसा किया जा रहा है। इस तरह के हथकंडे सरकारी म ाीनरी के द्वारा अपनाए गए। जो बातें राज्यपाल महादेय के अभिभाशण में आनी चाहिये थीं, वह नहीं आई और इन सारी बातों को अनदेखी कर दिया गया लेकिन इनकी आत्मा इनको झनझोड़ रही है कि हमने गलत काम किया है। इन सारी बातों को देखते हुए मैं इस धन्यवाद प्रस्ताव का जोकि ई वर सिंह जी ने राज्यपाल महोदय को धन्यवाद देने के लिये पे ा किया है, कड़े भाब्दों में विरोध करता हूं और इस के साथ ही साथ आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री भले राम (बड़ौदा एस0 सी0): स्पीकर साहब, गवर्नर साहब का पद जो होता है वह बड़ा ही प्रतिश्ठा वाला पद होता है और गवर्नर केंद्र सरकार द्वारा भेजा हुआ केंद्र का एक नुमाइंदा होता है। उस का काम यह होता है कि वहां की सरकार की सारी की सारी कारगुजारी है, उसकी रिपोर्ट केंद्र को दें और जो गलतियां है, उनको भी द ार्ाये कि सरकार यह यह गलत काम कर रही है लेकिन देखने की बात यह है कि बजाये इसके कि .....

.....। इससे बुरी बात किसी प्रदे ा के लिये और क्या हो सकती है।? स्पीकर साहब, जिस ढंग से यहां हरियाणा में इलैक ान हुए आपको उसकी पूरी जानकारी है। आपको पता ही है कि सरकार ने लोगों में गलत तरीके से प्रचार किया। समाज में जहर फैलाने की पूरी कोि ा ा की और बड़े बड़े हथकंडे अपनाए। हरिजनों के बूथ वोटिंग के लिये अलग से बनवाये गये और जब गिनती होने लगी तो गिनती का काम सारा का सारा इक्ट्ठा करवाया गया। यह रिकार्ड की बात है आपको पता चल जाएगा। अगर अलग से गिनती करवाते तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हरिजनों के 90 प्रति ात वोट कांग्रेस के खिलाफ पड़े हुए पाए जाते। फिर भी मैं कहता हूं कि हरिजनों ने डट कर कांग्रेस के खिलाफ वोट दी है। इसलिये मैं यहां यह बताना चाहता हूं कि आने वाला टाईम बताएगा कि हरिजन किन लोगों के साथ है। मैं आपकों अपने ही हल्के की बता बताता हूं मेरे हल्कें में इलैक ान के दौरान राजीव गांधी आए, श्रीमती इंदिरा गांधी आयी और भी बहुत से कांग्रेसी नेता आए लेकिन फिर भी कांग्रेस का कहीं पता नहीं चला। यहां पर यह कहा जाता है कि श्री सुरेंद्र सिंह को 24–25 हजार वोट मिले हैं, बड़ी भारी अचीवमैंटस है लेकिन सारे हरियाणा में सब से ज्यादा अगर वोट किसी को पड़ें है तो वह भले राम को पड़े। मुझे 36 हजार के लगभग वोट पड़े है। (तालियां) लेकिन फिर भी जिस ढंग से चौधरी भजन लाल और दूसरे कांग्रेसियों ने अपोजी ान के एम0एल0एज0 को तोड़ने की कोि ा ा की है वह

बड़ा ही भार्मनाम तरीका था। एक एम0एल0ए0 को तो किडनैप करने की भी कोि ा ा की गयी। आज अखबार में एक खबर आई है कि 6 हरिजन एम0एल0ए0 कांग्रेस में आने वाले है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि भजनलाल की जो तिजोरियां है वे भरी की भरी रह जाएंगी। दिलू राम जोगी राम और राम सिंह वगैरह जो हरिजन एम.एल.एज. है वे डिफैक्ट करने वाले नहीं है। हरिजन एम.एल.एज. की एक बात मैं यहां पर कहना चाहूंगा कि हम लोगों के सिर कट सकते है लेकिन हरिजन एम0एल0एज0 कभी बिक नहीं सकते । (अपोजी ान की ओर से तालियां) स्पीकर साहब, ये समझते है कि अखबारों में खबर आई है वह बिल्कुल सही है। जो मुख्य मंत्री जी का दावा हरिजन एम0एल0एज0 को तोड़ने का है वह गलत है। बे ाक हम झोपड़ियों में पैदा हुए लेकिन हम बिकाऊ माल नहीं हो सकते। स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में जिक्र किया कि स्टेट में हरिजनों की भलाई के लिये बहुत काम हुए है। बहिन करतारी ने भी कहा कि हरिजनों को प्लाट और मकान दिये जा रहे है। पहले ये खुद कहा करती थीं कि हरिजनों को जो प्लाट दिये जा रहे है वे जोहड़ों में कट रहे है, क्या उनको डुबो कर मारोगें। गवर्नर साहब ने कहा कि सरकार की नीतियों से किसानों का बहुल भला होगा। इनको भार्म आनी चाहिए कि किसान अपने ट्रैक्टर लेकर पीसफु ल रैली में आना चाहते थे लेकिन उनके ट्रैक्टरों के टायर फाड़ दिये गये तथा और नुकसान भी पहुंचाया गया। आपक कहते है कि हम खेतीबाड़ी को बहुत

बढ़ावा देंगे लेकिन आप सोनीपत और रोहतक के इलाकों में जाकर देख लें कि वहां आज पानी की क्या हालत हैं वैसे तो सुरजेवाला जी खुद किसान है और मुझे आ ाा है कि वे कोई ऐसी वैसी बात नहीं करेंगे लेकिन हमैं क्षतरा है कि उन इलाकों में भाायद कम पानी दिया जाए। अगर आप एग्रीकल्चर को बढ़ावा देना चाहते है और पैदावार बढ़ाना चाहते है तो मैं प्रार्थना करूंगा कि ज्यादा से ज्यादा नहरों का इंतजाम करके पानी दिया जाना चाहिए। दूसरी बात यह है कि महेंद्रगढ़ के इलाके में हमारी कुछ स्कीमें चल रही है ठीक है ये बहुत अच्छी स्कीमें है लेकिन आज वे फेल है। इसका कारण यह है कि वहां पर बिजली बहुत कम मिलती हैं। बिजली कम होने की वजह से पानी लिफट नहीं होता और एक जगह इक्ट्ठा हो जाता है। इसका कारण वहां के जैनरेटर्ज की कैपेसिटी कम होना है क्योंकि उस बारे में कई जगहों से ि ाकायतें आई है। इसलिये वहां पर जो भी कमी हो उसको दूर किया जाना चाहिए।

अगली बात थर्मल प्लांटस की है। थर्मल प्लांटस से हम बिजली पैदा करते है लेकिन आजकल तो कोयला आ रहा है वह बहुत घटिया किस्म का आ रहा है। इसके अलावा तेल इस्तेमाल करने का भी कोई माप दंड नहीं है, अंदाजे से काम चलता है। आजकल तो टैक्नोलोजी काफी एडवांस है इसलिये तेल के लिये कोई मीटर सिस्टम होना चाहिए। स्पीकर साहब, आज थर्मल प्लांटस में बहुत धांधलेबाजी हो रही है इसलिये इनकी

वि ोशकर चैकिंग होनी चाहिए। मैं ज्यादा न कहता हुआ सिर्फ यह कहना चाहूंगा कि गवर्नर साहब ने बड़ी भारी गलती की है और यह एड्रैस पास नहीं होना चाहिए। इन भाब्दों के साथ मैं इस अभिभाशण का विरोध करता हूं।

श्री सागर राम (भिवानी): स्पीकर साहब, इस सदन में गवर्नर महोदय को धन्यवाद देने का जो प्रस्ताव रखा गया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, मैं 15 साल के बाद दोबारा इस हाउस में आया हूं। मैं बड़ी उम्मीद लेकर आया था कि जो आदमी एम0एल0एज बन कर यहां बाते है वे 24 घंटे लोगों की तरक्की का ख्याल अपनी जुबान पर रखते होंगे। (विघ्न) स्पीकर साहब, मुझे यह देख कर दुख हुआ कि यहां बैठ कर बजाए इसके कि हम हरियाणा की तरक्की की बात सोचें और हम एक दूसरे की नुक्ता चीनी में अपना और हाउस का समय गंवाते हैं। मेरा अपने सभी साथियों से अनुरोध है कि अगर हम इस नोंक झोंक और एक दूसरे के ऊपर व्यक्तिगत लांछनबाजी लगाने और पीछे की बातें दोहराने की आदत छोड़ दें और रचनात्मक तरीके की बातें करें तो बहुत अच्छा होगा, इससे हरियाणा की तरक्की होगी। गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में कई बातों का जिक्र किया है और इस बात में कोई भाक नहीं कि हरियाणा बहुत आगे बढ़ रहा है। आज अगर दे ा के दूसरे प्रांतों से हरियाणा का मुकाबला किया जाए तो चौधरी देवी लाल भी इस बात से इंकार नहीं करंगे कि आज हरियाणा उन प्रांतों में से एक

है जिन्होंने छलांगें मारकर तरक्की की है। केवल दो तीन स्टेट्स ऐसी है जिनमें हरियाणा की गिनती आती है। यह दूसरी बात है कि कुछ क्षेत्र ऐसे हों जिनमें तरक्की कम हुई हो और कुछ क्षेत्रों में ज्यादा हुई हो। जिन क्षेत्रों में कम तरक्की हुई है मैं उनका भी जिक्र करूंगा ताकि सरकार की तवज्जोह उधर भी दिला सकूं, लेकिन यह कहना कि हरियाणा आगे नहीं बढ़ा और चौधरी भजनलाल ने कोई काम नहीं किया, कांग्रेस पार्टी ने काम नहीं किया, मैं समझता हूं यह एक गैर जिम्मेदाराना बात है। इस प्रदे ा में दो अढ़ाई साल चौधरी देवीलाल की हकूतम रही और इधर जो भाई बैठे है उनमे से कुछ उसमें मंत्री भी रहे। दरअसल उस वक्त जो इनको चसका पड़ गया वह इनको ज्यादा तकलीफ दे रहा है। स्पीकर साहब, आप पिछली डिबेटस उठा कर देख लीजिए, यही लोग कहा करते थे कि हरियाणा ने बहुत तरक्की की है, हर क्षेत्र में चाह वह इंडस्ट्रीज का है, खेती बाड़ी का है या बिजली का हैं। स्पीकर साहब, आप देखें कि इस मुल्क को आजाद हुए आज 35 साल हो चुके है। इस दौरान इनकी हकूमत तो केवल दो अढ़ाई साल रही बाकी साढ़े 32 साल कांग्रेस की हकूमत रही। इस अर्से में जो तरक्की के काम हुए वे सारे कांग्रेस राज में ही हुए जोकि भुलाए नहीं जा सकते। आज हमारे विरोधी भाई कुछ भी कहें लेकिन मैं एक बात कहता हूं कि गवर्नर साहब धन्यवाद के पात्र है। गवर्नर साहब ने चौधरी भजनलाल की कांग्रेस (आई) की सरकार को ओथ दिला कर कोई गलत काम नहीं किया बल्कि एक अकलमंदी का काम किया है क्योंकि

हरियाणा की तरक्की के लिये एक स्थाई सरकार की जरूरत है। स्पीकर साहब आपने भी देखा कि सन् 1977 में दे ा की जनता ने तजुरबे के तौर पर तरह तरह की पार्टियों की सरकार बनवाई। वह सरकार सैंटर में भी बनी और हरियाणा में भी बनी। आपको मालूम है कि वे सरकारें कितने दिन तक चलीं। दो साल के बाद किसी का मुंह पि चम की तरफ हो गया और किसी का मुंह दक्षिण की तरफ हो गया। सभी कुर्सी के लिये आपस में लड़ने लग गये। मैं तो कहता हूं कि गवर्नर साहब ने बहुत अच्छा काम किया कि चौधरी देवी लाल को कस्म नहीं दिलवाई। अगर वे ऐसा कर भी देते तो मैं नि चित तौर पर कह सकता हूं कि 6 महीने से ज्यादा वह सरकार नहीं चल सकती थी। इसलिये अगर गवर्नर साहब ने इतनी अक्लमंदी दिखाई और कांग्रेस की सरकार बनाने की इजाजत दी तो उस में कोई गलत काम नहीं किया क्योंकि कांग्रेस सिंगल लारजैस्ट पार्टी है।

स्पीकर साहब, हमारी मु कल यह है कि मेरे विरोधी पक्ष के भाई अपने घर को तो काबू नहीं कर सकते दूसरों का क्या करेंगे? बहरहाल बहुत से इंडिपैंडैंट एम0एल0एज0 चुने गए थे। ये मेरे विरोधी पक्ष के भाई क्यों नहीं उनको अपनी पार्टी में बुलाने के लिये जा सकते, उसमें क्या दिक्कत है? वे हमारी पार्टी में क्यों भाामिल हो गए यदि विरोधी पक्ष के भाईयों में ताकत होती तो उनको अपनी पार्टी में भाामिल कर लेते लेकिन जिनमें ताकत होती है वे अपनी पार्टी में भाामिल कर लेते है। स्पीकर साहब, चौधरी

देवी लाल जी ने राज्यपाल महादेय को बहुत बुरा भला कहा। मैं अब भी एक बात रचनात्मक तरीके से कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी ने आज भी हमारी तरफ इ ाारा करके यह थरैट किया कि आप सै ान के बाद गांवों में आना फिर आपको मालूम होगा। स्पीकर साहब, मैं समझता हूं कि चौधरी देवीलाल जी जैसे आदमी को ऐसा कहना भाोभा नहीं देता। सारे अखबार इस बात के गवाह है कि चौधरी देवी लाल जी ने सिवाए थरैट करने के पिछले महीने में कोई भी अच्छा काम नहीं किया। ला एंड आर्डर को मैनटेन करने की जिम्मेदारी जितनी हमारी है उतनी ही इन लोगों की है। यदि चौधरी देवी लाल जी और इन की पार्टी ला एंड आर्डर की सिचुए ान को खराब करना चाहेगी तो क्या सरकार अपने हाथ पर हाथ रख कर बैठी रहेगी और चौधरी देवीलाल जी को थरैट का कोई नाटिस नहीं लेगी? यह सब कुछ इनकी थरैट के कारण हुआ था। चौधरी देवी लाल जी काबिल ही नहीं बल्कि बहुत बड़े लीडर है, मैं इनकी इज्जत करता हूं। लेकिन चौधरी देवीलाल जी सबसे बड़े डिफैक्टर है और कांग्रेस पार्टी से बदल कर उधर गए है। मैं फिर भी उनसे अर्ज करना चाहता हूं कि वे रचनात्मक रवैया अपनाएं। इस प्रकार के थरैटस से हरियाणा में कोई भी सरकार नहीं बन सकती।

स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में लेबर के बारे में कोई जिक नहीं किया गया है लेकिन हमें आज इस बात का गौरव

है कि हरियाणा के अंदर मिनिमम वेजिज 340 रूपए है जोकि किसी भी स्टेट में नहीं है। बंगाल स्टेट में भी नहीं है जाहं पर सी0पी0एम0 की सरकार है। फिर भी मैं सरकार से दरख्वास्त करना चाहता हूं कि इसमें भी सुधार करने की जरूरत है। मैं अपनी सरकार की तवज्जोह इस ओर दिलाना चाहूंगा कि आज भी बहुत से कारखाने और फैक्ट्रीज ऐसी है जिनमें मिनिमम वेजिज वास्तव में नहीं दिया जाता है, ऐसे ही रजिस्टर तैयार कर लिये जाते है। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस ओर ध्यान दिया जाए। इसके अलावा स्पीकर साहब जिन किसानों की फसलें ओलों की वजह से और बिना वक्त के बारि ा होने की वजह से खराब हुई उनको मुआवजा दिया गया लेकिन भिवानी जिलें की बदकिस्मती कहें, चाहे अफसरों की कोई वजह हो और चाहे कोई पोलिटिकल रिजंज हों वहां पर किसानों को उनके नुक्सान का ठीक कम्पनसे ान नहीं दिया गया। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार इस बारे में जांच कराए और वहां के किसानों को ठीक मुआवजा दिलाया जाए। इन भाब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के अभिभाशण का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, हाउस के सामने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव है मैं उसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, मैं पहली बार 1962 से 1967 तक एम0एल0ए0

रहा और 1972 से 1977 तक भी एम0एल0ए0 रहा हूं। उस दौरान में मैंने कभी भी नहीं देखा कि गवर्नर साहब का एड्रैस इनकम्पलीट हाउस में पे ा किया गया हो। इस अभिभाशण के साथ पिछले बजट अभिभाशण की कापी भी साथ जोड़ी जानी चाहिये थी जिसमें पिछली सरकार ने काम किए थे लेकिन इस अभिभाशण में न दसका कोई हवाला दिया गया है और न ही कोई कापी जोड़ी गई है। स्पीकर साहब, यदि इसके साथ वह कापी जोड़ कर अभिभाशण पे ा कर दिया जाता तो सभी एम0एल0एज0 को पता लगता कि पिछली सरकार की क्या नीति थी, क्या करना चाहती थी और आगे क्या काम करने की मं ाा है लेकिन इन्होंने इसके साथ उसकी कापी नहीं पे ा की। स्पीकर साहब, जहां तक मैं समझ पाया हूं वह यह है कि गवर्नर साहब के अभिभाशण में पीछे जाने वाले साल की और आगे आने वाले साल की कार्यवाही के बारे में विवरण होता है। इसके अलावा यह भी होता है कि सरकार की क्या नीति है और किस तरह से ला एंड आर्डर को मेनटेन करना है। इस प्रकार की सारी बातें इस अभिभाशण में आनी चाहिएं थीं। स्पीकर साहब, मेरे काबिल दोस्त चौधरी ई वर सिंह जी ने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर धन्यवाद का प्रस्ताव बड़ी दबी जुबान से पे ा किया है। मैं इनकों किसी ऐसे मं ो से नहीं कह रहा कि वे मेरे साथ 1972 से 1977 तक असैम्बली में रहे है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी नेक रामः स्पकीर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाईए, कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (ाोर)

चौधरी अमर सिंहः स्पीकर साहब, मैं चौधरी नेकी राम जी का 1962 से 1967 तक का हवाला डिसकलोज नहीं करना चाहता। जहां तक ला एंड आर्डर की सिचुए ान है उसके बारे में मेरे से पहले बोलने वाले आनरेबल मैम्बर साहेबान ने बताई है। स्पीकर साहब एक महीने से एक ही प्रोग्राम चला हुआ है कि मैम्बरों को किस प्रकार तोड़ा जाए और किस तरह से दबाव डाला जा सकता है, किस तरह से इधर से उधर होर्सट्रेडिंग की जा सकती है।

स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में जो 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यकम का जिक किया है इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा में केवल दो सूत्रीय कार्यकम चला हुआ है। एक तो यह है कि पैसा दो ओर काम कराओ दूसरा यह है कि देहली में पैसा मारों और कुर्सी बचाओं। स्पीकर साहब 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यकम को देखने से और पढ़ने से दे ा का कल्याण नहीं हो सकता। इस प्रोग्राम को इम्पलीमैंट करने से दे ा का कल्याण हो सकता है लेकिन इसकी इम्पलीमैंटे ान का इनके पास कोई प्रोग्राम नहीं है। स्पीकर साहब, यदि 20 सूत्रीय

आर्थिक कार्यक्रम की इम्पलीमैंटे ान हो जाए तो हरियाणा की एक करोड़ सात लाख की आबादी है जिसमें 42 लाख हरिजन है और पिछड़े वर्ग के भाई भी रहते है उनकी काफी भलाई हो सकती है। हाउस में 17 हरिजन मैम्बर है और इन सबकों कांग्रेस पार्टी ने टिकट दिए थे। इन 17 मैम्बर्ज में 12 हरिजन मैम्बर्ज अपोजी ान में है और केवल पांच हरिजन मैम्बर कांग्रेस पार्टी (आई) में है। यह इनके बीस सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम की देन है। ये मेरे भाई कहते है कि हरजिनों को मकान बनाने के लिये प्लाट दे दिए, हरिजनों को उनके मकानों के लिये साइट प्लाट काट दिए। इस बारे में हर रोज मुख्य मंत्री जी ब्यान दिया करते है। इसके अलावा यह भी ब्यान दिया करते है कि हमने हरिजनों के घरों में बिजली लगा दी। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आज भी हरियाणा के अंदर सैंकड़ों गांव ऐसे है जिनमें हरिजनों की किसी भी गली में बिजली नहीं है और बत्ती का कोई नामोनि ाान नहीं हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब हरिजन बस्तियों में बिजली देने के नाम पर इन्होंने उल्टे लोगों में बिटरनैस पैदाप कर दी। इन्होंने गांवों में लोगों से एक एक रूपया चार्ज करना भुरू कर दिया है और ये कहते है कि इस पैसे से हम हरिजन बस्तियों में दी गई बिजली का खर्चा मीट करेंगे। इसके अलावा इन्होंने यह भी नारा लगा दिया कि हम हरिजन भाईयों को सरप्लस जमीन देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब जब गांवों में कंसोलीडे ान हुई थी उस वक्त इन्होंने सरप्लस जमीन का एक कुर्रा बना दिया। इस प्रकार से

स्कैटर्ड कुर्रे एक बनाए गए थे। अगर सही मायनों में सरप्लस जमीन हरिजनों को अलाट करने की इनकी मं ाा होती तो इस तरह से जमीन के टुकड़ों को स्कैटर नहीं करते बल्कि कंसोलीडे ान में उनको एक जगह इक्ट्!ठा करके देते जिससे हरिजन भाईयों को राहत मिल सकती थी। लेकिन इनकी सरप्लस जमीन हरिजन में बांटने की मं ाा साफ नहीं थी सिवाय उनको आपस में लड़ानें के और आज भी ये ऐसी बात करके उनको आपस में लड़ाने की बात कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब हरियाणा देहात का प्रांत है। इस प्रांत में भाहर बहुत थोड़े है। देहात में लोग आपस में मिल कर रहते है लेकिन जो सरकारी आदमी गांवों में जाते है । हमारे 11 हरिजन एम0एल0एज आज लोकदल में है जो इस तरफ बैठे है। एक हरिजन एम0एल0ए0 श्री मूलचंद .....स्वतंत्र रूप से चुन कर आया था वह अब मंत्री बन गया है। इस प्रकार हमारे 12 हरिजन एम0एल0एज0 थे। इन हरिजन मैंबरों को तोड़ने के लिये रोजाना मुख्य मंत्री जी नाजायज दबाव डाल रहे है। अहीर, जाट तथा गुजर पर तो ये दबाव डाल नहीं सकते लेकिन जो गरीब आदमी झौपड़ी में रहता है उस पर नाजायज दबाव डाला जा रहा है क्योंकि उनकी सुनने वाला कोई नहीं होता। जिस प्रकार एक कंवारी लड़की गुंडों से अपनी इज्जत बचाती है उसी प्रकार से हम भी अपनी इज्जत बचा रहे है। हमने अपनी आत्मा बेची नहीं हैं। (ाोर) सुरजेवाला जी बैठे बैठे कुछ कह रहे है। इनको तो मैं क्या कहूं। ये बहुत बड़े पुराने पार्लियामैंटेरियन रहे है। इनको बीच में बोलना नहीं चाहिए। ये

आजकल भजन लाल के दायं और बायं बाजू बने हुए है। आप को हरिजन भी वोट देते है। यह नहीं है कि आप बिना हरिजनों की वोट से यहां पर जीत कर आए है। हरिजनों की वोट के बिना तो आप जीत भी नहीं सकते। डिप्टी स्पीकर साहब हमारे एक साथी एम0एल0ए0 दिलूराम बाजीगर है वे यहां पर बैठे हुए है। उनके साथ जो व्यवहार किया गया है और जिस वातावरण का उन्हें सामना करना पड़ा है वह ब्यान से बाहर की बात है। यहां पर मनफूल सिंह बाल्मीकी विधायक भी बैठे है और राम सिंह भी बैठे हुए है। इन दोनों को मुख्य मंत्री जी ने किस तरह से किडनैप कराने की कोि ा ा की वह भी ब्यान से बाहर की बात है। आप इस बात को अच्छी तरह से जानते है। लेकिन यह सरकार गरीबी का नाजायज फायदा उठाने की कोि ा ा कर रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे एक भोर याद आ गया–

वादे मुखलिफ से ना घबरा ए उकाब,

ये तो चलती है तुझे ऊंचा उठाने के लिए।

डिप्टी स्पीकर साहब जितनी चिकनी मिटटी होगी वह उतनी ही चोटी पर लगेगी। यह सरकार अनैतिकता की नीति से अपना राज चला रही है। अनैतिकता से आज राज तो चला सकते है लेकिन लोगों के दिलों को नहीं जीत सकते। ताकत में मुख्य मंत्री मदमस्त हाथी पर सवार है और वह किसी चीज को नहीं देखता वही आप कर रहे है। आपको कुछ सोचना चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहब मेरा एक रि तेदार है, उसको इन्होंने नौकरी से निकाल दिया है। इस संबंध में मुझे फिर कहना पड़ रहा हैं कि–

मत सता गरीब को गरीब रो देगा,

अगर सुनी महात्मा गांधी के मालिक ने तुझे धरती से खो देगा।

मैं कह रहा था कि मेरे एक रि तेदार को इन्होंने नौकरी से निकाल दिया। इन्होंने उसको कम्पलसरी रिटायरमैंट दे दी। उसको 55 साल से 2 महीने 9 दिन पहले ही रिटायर कर दिया। जब कोर्ट में गए तो वह वापिस आया और अढ़ाई साल की तनख्वाह घर बैठे ली तथा 6 महीने की और नौकरी करके और परमो ान लेकर रिटायर हुआ। हमारे एक साथी विधायक मनफूल सिंह जी है वे बाल्मीकी जाति से ताल्लुक रखते है। इनके भाई का नाम भाायद कंवरभान है उसको इस सरकार ने डिसचार्ज कर दिया। (विरोधी पक्ष की ओर से भोम भोम की आवाजें) उस को यह कहा गया कि जब तक तुम अपने भाई को जो लोकदल में है, कांग्रेस में नहीं लावोगे तब तक तुम्हें नौकरी में बहाल नहीं करेंगे। (ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कोई गलत नहीं बोल रहा। जिस हल्कें से मैं जीत कर आया हूं उस हल्के में मेरे मुकाबले में एक बहुत बड़ा मंत्री था। वह मंखी मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल का बायां और दायां बाजू था। उसको मैंने हराया है। मेरे विरूद्ध

सरकार ने चुनाव के दिनों में सारी सरकारी म ाीनरी को रात दिन एक कर रखा था लेकिन फिर भी इनको सफलता नहीं मिली। उस हल्के के अंदर इन्होंने लाखों रूपए बांटे है। (ाोर) वहां पर कहा जाता था कि यदि आप कांग्रेस को वोट नहीं देंगे तो आपको कम्पनसे ान का कोई पैसा नहीं मिलेगा। इन्होंने इस बात को खूब अच्छी तरह से उछाला। लोगों ने तंग हो कर कहा कि हमें तो पैसे चाहिएं आपको वोट दे देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपको क्या क्या बताऊं। मेरे से कुछ कहा ही नहीं जा रहा। हमारी एक हरिजन बिहन करतारी देवी सदस्य है जो यहां पर बैइी हुई है। वैसे तो ये बड़ी स्पश्टवादी है किन्तु पता नहीं आज इन्हें क्या हो गया? एक दो बातें कह कर ही बैठ गई। एक बात तो इन्होंने यह कहीं कि मजदूरों की दिहाड़ी दस रूपये और चौदह रूपये कर दी है। दस रूपये दिहाड़ी विद भोजन और चौदह रूपये दिहाड़ी विदाउट भोजन। मैं इनसे कहता हूं कि आप तो समाजवादी है और समाज सेवा का काम करती है (विघ्न) क्या कहीं पर यह लागू है? इसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर साहब जो सीरी का काम करते है उनको अपनी उचित मजदूरी नहीं मिलती जो रूपया सीरी को देना होता है उसमें से भी मालिक हेरा फेरी कर जाते है। गवर्नर साहब ने जो किया है वह सब को मालूम है और जो कुछ भी उन्होंने किया है वह गलत किया है..... ..... आज न जाने किसा किस तरीके से ये अपनी सरकार चला रहे है? आज की सरकार लोगों पर अनेक प्रकार के जुल्म ढ़ा रही है। जो हालात सरकार पैदा

कर रही है उससे वातावरण गम्भी होता जा रहा है। जिस प्रकार से ये अपनी गाड़ी चला रहे है इस तरह चलने वाली नहीं है। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं।

Mr. Deputy Speaker: Chaudhri Amar Singh Ji, you have already taken four minutes more, kindly wind up your speech. (Interruptions)

श्री अमर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जल्दी ही खत्म कर रहा हूं। चंडीगढ़ में कल जो कुछ देखने में आया वह भी अपन आप में एक मिसाल हैं। जिस प्रकार से जलियां वाला बाग के अंदर जनरल डायर ने लोगों को भूना था उसी तरह यह सरकार करना चाहती है। इन्होंने यहां पर ऐसा वातावरण पैदा किया है कि मानों कोई बम्बारी होने जा रही है। आज जम्हूरियत का नामोनि ाान नहीं रहा। Democratic type of Government is the Government of the people, for the people and by the people. लेकिन यह बात यहां पर नहीं है। जो गवर्नर ऐड्रैस सरकार की तरफ से आया है उसका मैं विरोध करता हूं। लेकिन मैं एक बात की तरफ आप का ध्यान दिलाना चाहता हूं यह सरकार अनैतिकता की तरफ बढ़ रही है। इस सरकार ने नैतिकता को छोड़ दिया है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि कब तक ये अनैतिकता से राज करते रहेंगे? यह सरकार दिन प्रतिदिन भ्रश्टाचार को बढ़ावा दे रही है। आज सारे हरियाणा में ला एंड आर्डर की स्थिति खराब है। आज हरियाणा के अंदर ला एंड आर्डर का नामोनि ाान नहीं है। अंत में डिप्टी स्पीकर साहब,

आपका धन्यवाद करते हुए तथा राज्यपाल महोदय के प्रस्ताव का विरोध करते हुए अपना स्थान ग्रहण्ध करता हूं।

श्री भाम ोर सिंह (सिंचाई एवं बिजली मंत्री): उपाध्यक्ष महोददय, गवर्नर साहब के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव पे ा किया है उसका मैं समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। मुझ से पहले बोलने वाले मेरे अपोजी ान के भाइयों ने काफी लम्बी चौड़ी बातें कहीं है और प्रजातंत्र की दुहाई दी है। इन्हें इस बात का पता नहीं कि प्रजातंत्र क्या चीज होती है? मेरे विचार में ध्क्का ाही, धींगामस्ती और जोर जब्रदस्ती अगर किसी चीज का नाम है तो वह लोकदल है या यों कहिए कि लोकदल का दूसरा नाम ही धक्का ाही, धींगामस्ती और जोर जब्रदस्ती है। डिप्टी स्पीकर साहब हरियाणा में लोकदल जो इतनी बड़ी डींग है मारता वह केवल 31 सीटस लेकर आया है। अगर आप पूरा नतीजा निकाल कर देंखे तो बहुत से गांवों में आपको बे ुमार ऐसे बूथस मिलेंगे जहां इन्होंने उन्हें कैप्चर करके 90 से 95 प्रति ात वोटस जब्रदस्ती, गुंडागर्दी और धींगामस्ती से डलवाए। (ोर)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं लोकदल और प्रजातंत्र के बारे में एक उदाहरण देना चाहता हूं। एक गांव में एक सूदखोर रहता था। पहले वह बड़ा गरीब आदमी हुआ करता था लेकिन सूद के पैसे से वह लखपति हो गया। जब उसके पास बहुत पैसा हो गया तो उसकी जमीर यह कहने लगी कि इसमें से कुछ दान पुण्य

करना चाहिए। वह अपने एक साथी से कहने लगाा कि मैं दान पुण्य करना चाहता हूं। क्योंकि दान पुण्य करने के लिए मेरा बड़ा जी करता है। उसने उसे कहा कि आप पूरा पूरा तोल दिया करों यही आपका दान पुण्य है। यही बात मैं लोकदल वालों को कहना चाहता हूं। ये लोकतंत्र की बड़ी दुहाई देते है और कहते है कि फलां ने पार्टी बदल दी, यह कर दिया और वह कर दिया लेकिन मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि अगर आप लोकतंत्र के इतने ही हिमायती है तो गरीब आदमियों और हरिजनों को कृपा करके वोट डालने दिया करें और पोलिंग बूथस के ऊपर धींगा मस्ती और जब्रदस्ती न किया करें। मुझे आज यह कहते हुए बड़ा दुख होता है कि प्रजातंत्र का आज सही मायने में अगर कोई दु मन है तो वह लोकदल है अन्य कोई पार्टी नहीं है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात और इन्होंने सरकार बनाने के बारे में कही है। इनकी सरकार न बनने के मुझे इनके साथ पूरी पूरी हमदर्दी हैं। चौधरी देवी लाल तो मुख्य मंत्री का स्वप्न ले रहे थे और इनमें से बहुत से भाई जिनके पेट में आज बड़ा दर्द है अपने आप ही वजीर बने बैठे हुए थे। असली बात यह है कि इन्हें कुर्सी छिन जाने का बड़ा भारी दुख है। मैं तो कहता हूं कि भजन लाल जी को चीफ मिनिस्टर बना कर गवर्नर साहब ने बहुत बड़ा पैट्रोटिज्म, दे ाभक्ति का सबूत दिया है। (विघ्न) अकाली दल और लोकदल बड़े छोटे भाई है, अकाली दल बड़ा भाई है और लोकदल छोटा भाई है। उपाध्यक्ष महोदय, जैसे

आपको पता है अकाली दल के कई स्पलिटर ग्रुपस भी है उनकी एकस्ट्रा टैरीटोरियल लोयलटीज है और वे विदे ाी ताकतों से मिलें हुए है जिसकी वजह से दे ा की अखंडता और प्रभुता को बड़ा भारी खतरा पैदा हुआ है। (विघ्न) लोकदल का सीधा सम्पर्क अकाली दल से है। (विघ्न)

श्री वीरेंद्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। लोकदल के बारे में ये इस तरह की बात नहीं कह सकते क्योंकि इसके खिलाफ इस तरह का कोई एलिगे ान न तो आज तक कभी प्रैस में लगा है और न ही गवर्नमैंट आफ इंडिया की तरफ से कभी ऐसी बात कही गई है। सुरजेवाला जी को अकाली दल के बारे में भी इस तरह की बात यहां नहीं कहनी चाहिए क्योंकि उनका कोई प्रतिनिधि अपनी सफाई देने के लिये यहां नहीं है। (विघ्न)

श्री भाम ोर सिंहः अकाली दल के मैम्बर भी यहां पर मौजूद हैं (ाोर)

श्री वीरेंद्र सिंहः अगर इस तरह की बात ये पंजाब में कहेंगे तो इनको अपनी बहादुरी का पता चला जाएगा।

श्री भाम ोर सिंहः पंजाब में भी कहूंगा आप चिंता न करें। उपाध्यक्ष महोदय यह एक सच्ची बात है। ये लोकदल वाले अकालियों से बहुत डरते है क्योंकि इन्होनें अकालियों की रोटी खा रखी है। इसलिये उनके आगे ये आंख उठा कर देख नहीं

सकते चौधरी देवी लाल दो सवा दो साल मुख्यमंत्री रहे और चौधरी बीरेंद्र सिंह उनके साथ मंत्री रहे लकिन रावी ब्यास के पानी को हरियाणा में लाने के लिए पंजाब के एरिया में नहर खुदवाने के लिये एक कस्सी नहीं लगवा सके क्योंकि जैसा मैंने पहले कहा ये अकाली दल के सामने आंख उठा कर देख नहीं सकते। आज भी एक तरफ तो अकाली दल नहर की खुदाई के काम को रोक रहा है और मोर्चा लगा रखा है तथा दूसरी तरफ इनके आंदोलन को, जो कल टायें टायें ठस हो गया तीड कर रहा था। आप देखें कि ये उनके साथ मिल कर हरियाणा का कितना ज्यादा नुकसान कर रहे है। यह तो भाुक है कि लोकदल का राज नहीं आया वरना सारी उमर एस0वाई0एल0 के बनने का सवाल ही पैदा नहीं हो सकता था क्योंकि इन्होंने तो अपने आपको अकाली दल के पास गहने रखा हुआ है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो कर्नल साहब ने पहले ही एक उदाहरण देकर यह बात कह दी फिर भी मैं उस पर थोड़ा सा चर्चा करना चाहूंगा। यह बात सही है कि सरकार बनाने के लिए किसी भी एक पार्टी को बहुतम हासिल नहीं था। कांग्रेस की 36 सीटस थीं और लोकदल की 31 थीं। 15–16 आजाद मैम्बर्ज चुन कर आए थे। कांग्रेस (जे) के सदस्यों को भी मैं फार आल प्रैक्टिकल परपजिज आजाद मैम्बर ही मानता हूं। (विघ्न) उनकों साथ लिये बगैर कोई सरकार बन नहीं सकती थी। (विघ्न) अगर ये आजाद मैम्बर्ज लोकदल के साथ मिल जाते तब तो दूध के

नहाए होने थे और यदि कांग्रेस के साथ आ गए तो डिफैक्टर हो गए। पता नहीं इनकी डिफैक्टर की क्या परिभाशा है? मैं इनको डिफैक्टर की सही परिभाशा बताना चाहता हूं। (विघ्न) आज तो चौधरी देवी लाल जी लोकदल में है लेकिन इससे पहले इन्होंने कोई 20–25 बार दल बदल रखा है। अगर हिंदुस्तान में बीस पार्टियां है तो इन्होंनें 25 बदली है 5 तो बिना नाम की बदली है। 35–40 रोज पहले भी इन्होंने चंद्र ोखर और भारद पवार आदि से मिल कर चंडीगढ़ में एक नई पार्टी बनाई थी। उसका झंडा भी न्यारा बना लिया ाि उसका कार्यक्रम भी न्यारा बन गया था, उसने इलैक् ान भी न्यारा लड़ना था लेकिन तीन दिन के अंदर–अंदर ही उनको मंझाधार में छोड़कर ये चौधरी चरणसिंह के साथ आ मिलें। उपाध्यक्ष महोदय आपकों याद होगा कि 1967 में चौधरी देवी लाल की स्पोर्ट से कुछ इंडिपैंडैंटस मैम्बर्ज को भी मिलाकर युनाइटिड फ्रंट सरकार बनी थी लेकिन तीन महीने के अंदर अंदर ही ये राव बीरेंद्र सिं से लड़कर फिर कांग्रेस में चले गए थे। 1968 में इलैक् ान के वक्त जब टिकट देने का टाईम आया तो उस वक्त जो कांग्रेस प्रैजीडेंट थे उन्होंने रिकार्ड देखकर कहा कि चौधरी देवीलाल तो रैड लाईनर है। ये और इनके साथी भी वहां बैठे थे। उन्होंने कहा कि ये तो हनुमान है। लेकिन मैं कहता हूं कि ये तो नीचे से ऊपर तक लाल ही लाल है। रैड लाईनर तो वह होता है जो एक बार पार्टी छोड़ता है लेकिन इन्होंने तो कम से कम बीस बार पार्टीज बदल रखी है (विघ्न) तो मैं कहना चाहता हूं कि छाज तो बोले छाननी क्यो बोले जिसमें

100 छेद है। ये दूसरों को डिफैक्टर्ज बताते है। 1967 में तो ये 13 आदमियों की माइन्योरिटी गवर्नमैंट बनाने के लिये तैयार थे और मेरे जैसे साथियों के दस्तखत करवाते फिरते थे और ये कहते थे कि मैं फलां फलां को मिनिस्टर बना दूंगा। उन लोगों की सरकार को तो ये दूध की नहाई हुई समझते थे लेकिन आज मैजोरिटी सरकार को डिफैक्टर्ज की या माईन्योरिटी की सरकार बताते है।

उपाध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन ने एक बात कही कि चौधरी देवी लाल इतने पापुलर है कि हरियाणा में कहीं से भी इलैक ान लड़ सकते है। जो आदमी दो सवा दो साल मुख्त्रय मंत्री रह कर अपने जिसे से या पड़ोसी जिले से इलैक ान नहीं लड़ सकता उसकी क्या पापुलैरिटी है? लोक सभा का इलैक ान इन्होंने सोनीपत से लड़ा जो इनके यहां से 150 कोस दूर है। असैम्बली का इलैक ान मैहम से लड़ा जो इनके यहां से 125 कोस दूर है। इनका लड़का रोड़ी हल्के से जगदी ा नेहरा से 12000 वोटों से हारा है। यह इनकी पापुलैरिटी का सबूत है। चौधरी देवी लाल ने चालीस साल की सियास्त में आज तक बिजली का एक लट्टू भी अगर कहीं हरियाणा में लगाया हो तो कोई मुझे बता दें। ये अपने आपकों किसानों का हितैशी कहते है लेकिन जब इनकी सरकार थी और चौधरी बीरेंद्र सिंह उसमें मंत्री थे तब कपास के भाव में, गन्ने के भाव में, गुड़ के भाव में और गेहूं के भाव में जिस तरह किसानौं को इन्होंने कम भव दिलवाए है, वह

सब जानते है। (विघ्न) आज ये कहते फिरते है कि हम खालों का खर्च माफ करेंगे। यह बात ये दो साल तक नहीं कर सके जब इनका राज था। हमारी सरकार ने, चौधरी भजनलाल की सरकार ने पचास परसैंट खर्चा तो सबका माफ किया है और अढ़ाई एकड़ तक की जोत वालों का सारे का सारा खर्चा माफ किया है। एक और बात ये कहते हे कि ये बैंकों का सारे का सारा कर्जा माफ कर देंगे। यह भी लोगों को धोखा देने वाली बात है। बैंकों से लिए गए कर्जें को सरकार कैसे माफ कर सकती है? थोड़ा बहुत हिसाब हमें भी आता है। ये बड़ी बेतुकी और मुंहजुबानी बाते है। जब इनका राज था तो इन्होंने इस किस्म का या हरियाणा की तरक्की के लिये कोई काम नहीं किया लेकिन आज ये इस तरह की बाते करतें है।

एक बात उपाध्यक्ष महोदय, मैं और कहना चाहता हूं। जैसे मैंने पहले कहा लोकदल अकाली दल का एक हिस्सा है। जहां तक नहर को खोदने का सवाल है, इनकी पोजी ान ठीक उसी तरह की है जिस तरह गांव में अगर कोढ़ किसी का खाल गिरा दे और दूसरा लठ लेकर कहे कि खोदने वाले का सिर फोडूंगा। प्रका ा सिंह बादल और अकाली पार्टी तो एक तरफ हमारी नहर गिरवा रहे है जो इंदिरा गांधी ने खुदवानी भाुरू की थी और कहते है कि यदि हरियाणा वाले इसे खुदवाने आएंगे तो हम उनका सिर फोड़ेंगे लेकिन दूसरी तरफ लोकदल वालों के साथ भाईचारा दिखाते है और लोकदल वाले भी उन्हें अपना भाई

कहते है। अपने आप को किसानों का हमदर्द कहने वाले इन लोगों का यह हाल है। उपाध्यक्ष महोदय चौधरी देवी लाल ने एक और बात कही कि जब इनका राज था तो ये 22 घंटे बिजली दिया करते थे। अगर ये 26 घंटे भी कह देते तो कोई अचम्भा नहीं था। लेकिन सच बात तो यह है कि जब इन का राज था उस समय तो इतने फल्ड आये थे कि किसी ने बिजनली मांगी ही नहीं। ट्यूबवैल्ज में भी पानी भर गया था। बिजली लेने और देने का सवाल ही पैदा नहीं होता था। इनके टाईम पर बिजली की मैकिसमम प्रोडक ान 90 लाख यूनिट थी लेकिन आज के दिन 13 लाख यूनिट है। फरवरी से लेकर आज तक बिजली पर कोई कटौती नहीं की गई है। किसानों को बराबर बिजली दी जा रही है। किसानों को रात को भी और दिन को भी बिजली देंगे जितने पैंडिंग कुनैक ान है सभी को बिजली देंगे। इस समय 15 हजार कुनैक ान पैंडिंग है उन्हें जल्द से जल्द बिजली देंगे। इन भाब्दों के साथ मैं दरखास्त करता हूं कि गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव है उसे पास किया जायें।

श्री राम बिलास भार्मा (महेंद्रगढ़): उपाध्यक्ष महोदय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद का प्रस्ताव एक बहुत पुराने माननीय सदस्य ने सदन में रखा हैं सब से पहले तो मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की प्रति विधायकों को मिली है, इसके ऊपर के कवर पर एक मोहर लगी हुई है यानी एक चिन्ह है उसके नीचे लिखा हुआ है

'सत्यमेव जयते'। लेकिन इस अभिभाशण को पढ़ने से और हरियाणा प्रदे ा में जो कुद हो रहा है उन हालात को देखते हुए 'सत्यमेव ज्यते' की अपेक्षा 'सता–मेव जयते' के भाब्द लिख देते क्योंकि हरियाणा में आज के दिन सता की बड़ी जबरदस्त भूख है। यह बात मैं मानता हूं कि सता, राजनैतिक दलों का सेवा करने का एक माध्यम हैं। मेरे से पहले बोलने वाले कांग्रेस के विधायक मित्र ने यह बात कही कि संविधान की रक्षा होनी चाहिए। यह संविधान उन महान आत्माओं ने बनाया है जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। आज हिंदुस्तान के नेता या जिंदा कौम इस बात पर विचार कर सकती है कि संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी केवल विपक्ष में बैठे हुए साथियों की ही नहीं है बल्कि जिनके हाथ में सता है, उनकी भी जिम्मेदारी है। चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री चुने गये हमें इस पर कोई आपति नहीं है लेकिन .... आज हमारा बदन जल रह है। हमने कुर्बानी की हैं। सन् 1975 में एक खतरनाक स्वप्न हिंदुस्तान ने दिल्ली से देखा। हम उसके खिलाफ बिहासर तक जेलों में गये। हमने अपने परिवार को बरबाद किया। हम लोग भाहीद भगत सिंह के अनुयायी है जिन्होंने हिंदुस्तान को आजादी दी। (तालियां)..... । उन्होंने डाक्टर अम्बेदकर की आत्मा को दफना कर, महात्मा गांधी की टोपी को मिट्टी में मिलाकर 22 तारीख को अपोजी ान के मिलने के बाद 23 तारीख को भापथ दिला दी। पहले हमें मौका मिलना चाहिए था लेकिन अगर उन पर कोई दबाव था तो 22 तारीख को

चौधरी देवी लाल और डाक्टर मंगल सैन को निमंत्रण देने की क्या आव यक्ता थी? पहले ही चौधरी भजनलाल जी को भापथ दिला देते। उपाध्यक्ष महोदय आज इस अभिभाशण पर हम किस तरह से वि वास करें। 22 तारीख को वायदा करने के बाद भी राज्यपाल अपने वायदे को निभा नहीं सका तो हमें क्या गारंटी हे कि आज जो हमें वि वास दिला रहा है वह इस अभिभाशण पर बरकरार रहेगा।

उपाध्यक्ष महोदय इसी अभिभाशण के पैरा नम्बर चार, पंक्ति नम्बर चार में विकास कार्यक्रम की चर्चा की गई है। अगर इस की जगह विना ा कार्यक्रम लिख देते तो हम इस अभिभाशण का अनुमोदन करते। उपाध्यक्ष महोदय यह संडे का इंडियन एक्सप्रैस है। इसमे आप राजेंद्र सिंह कटारिया की हालत देखिए। युवा मोर्चा का जनरल सैक्रेटरी है, टांग ने होने के कारण लकड़ी के सहारे चलने वाला व्यक्ति है। इन्होंने इस अपंग व्यक्ति की क्या हालत की है? यह विकास कार्यक्रम है। इसको उठा कर ले जा रहे हैं। (ोम भोम की आवाजें)। इसी तरह से मनफूल सिंह बाल्मीकि बिरादरी का है। उसकी भी हालत देखिए। यह कांग्रेस गरीबाके की सरकार ने मनफूल सिंह के छोटे भाई जिसकी तीन साल की नौकरी थी उसे बरखास्त कर दिया। आप यह भी देखिए कि उसके भाई का क्या जुर्म था? उसका जुर्म यह था कि उसके बड़े भाई ने हिम्मत के साथ नैति राजनीति का साथ दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहता हूं

कि यह अभिभाशण कागजों पर छपा हुआ है जिस व्यक्ति ने वाणी से वचन देने के बाद नहीं निभाया क्या वह इन कागजों पर किय गये वायदों को निभायेगा? जो कल बदल सकता है वह आज भी बदल सकता है। कुछ सदस्य सता में आकर यह बात भूल जाते है कि इस दे ाा का मालिक कौन है? इस दे ा की मालिक जनता है। राजनैतिक परम्परा हमारे पुरखों की देन है। जितने भी सदस्य हम सदन में बैठे हुए है और जनता की नुमाइंदगी करते है यह सब फांसी पर चढ़े हुए लोगों की देन हैं जिन्होंने डंडे खाये है उनकी देन है। यह बहुत ही खतरनाक परम्परा भाुरू कर दी है, इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। दे ा की हिफाजत करने वाली संगीने ही दे ा की तरफ मोड़ दी जाये तो फिर सीमाओं की सुरक्षा कौन करेगा। उपाध्यक्ष महोदय इस अभिभाशण में एस0वाई0एल0 नहर की भी बात की गई है। सरदार लछमन सिंह जी हमारे जेल के पुराने साथी है। जेल में वे कांग्रेस के बारे में क्या क्या कहा करते थे अगर मैं उन बातों को लिखिने लगूं तो एक पूरी रामयण लिखी जा सकती है। उन्होंने जा आज कहा वह सही नहीं कहा। चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला ने एस0वाई0एल0 का चर्चा करते समय कुछ बातें कहीं। वैसे तो उन्होंने बहुत सी बातें कहीं लेकिन कई बातें गलत भी कहीं। उन्होंने लोकदल को विदे ाी पार्टी कहा। सता के न ो में इस तरह की बातें होती है। भाम ोर सिंह जी जैसा इस सदन का पुराना व्यक्ति इस तरह की बाते कहे कि श्री बीरेंद्र सिंह बगैर रिकार्ड के बातें कर रहे है तो कहना अच्छा नहीं लगता।

श्री भाम ोर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेंद्र सिंह जी ने भी यह बात नहीं सुनी और न ही आपने ही सुनी कि बगैर रिकार्ड देखें बातें कर रहे है। मैंने अकाली पार्टी भी नहीं कहा है। बल्कि स्पलिंटर ग्रुपस कहा था। आप यह बात गलत कह रहे है कि मैंने लोकदल को विदे ाी पार्टी कहा है।

श्री राम विलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय अच्छी बात है उन्होंने अपनी बात सदन में विद्रडा कर ली। आपने लोकदल को अकाली दल का छोटा भाई बताया था। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय मैं कह रहा था कि एस0वाई0एल0 के विशय में चौधरी भजनलाल ने भी बहुत सारे वायदे किये हैं कि एस0वाई0एल0 में बारह महीने में पानी आ जायेगा और हरियाणा के जो दूर–दराज के जिलें है वहां पानी चला जायेगा। जिस इलाके की मैं नुमाइंदगी करता हूं जहां से मैं कांग्रेस के कैंडीडेट को दस हजारा वोटों से हरा कर आया हूं, वहां की सब से ज्यादा प्यासी धरती है। सब से ज्यादा प्यास उस खेती को है। हम वायदों की इंतजार ही करते रहे परंतु आज तक वहां पानी नहीं पहुंचा। यह वायदा इस सरकार का हैं । हमें खद ाा है कि यह भी राजनैतिक वायदा हैं इस तरह से हरियाणा में किसानों को बिजली की बड़ी भारी जरूरत है। सरकार पूंजीपतियों के पैसे से गरीबों की अस्तम लूट रही है। भई अमर सिंह जी ने ठीक कहा है मैं उन्हें बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि गरीब आदमी की आर्थिक स्थिति कमजोर है और खासतौर पर हरिजन भाइयों की। इसी बात पर चौधरी भजन

लाल ने कहा कि गाहेबगाहे 6 विधायक कांग्रेस में आने वाले है। ऐसा कहने से हमारे हरिजन विधायकों की बेइज्जती है। इनको मालूम होना चाहिये कि गरीब आदमी में स्वाभिमान होता है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): कांग्रेस में आने वाले ब्रहाम्ण भी हो सकते है।

श्री राम विलास भार्मा: चौधरी भजनलाल जी आप सता में है। आज आपको हो ा नहीं है। ब्राहाम्णों की भी बेइज्जती कर सकते है और हरिजनों की भी कर सकते है। परन्तु एक बात आप को बताना चाहता हूं कि गरीब आदमी स्वाभिमानी होता है गैरतमंद होता है और मौका पड़ने पर मैं वि वास करता हूं कि गैरतपसंद लोग इस बात में उनकी इमदाद करेंगे और गरीबों की इज्जत नहीं लुटने देंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, आपकी सेवा में मैं बिजली के बारे में एक बात और कहना चाहता हूं। मुझे एक मिनट का समय और दे दैं। जो सरकार कारखानेदारों से पैसे लेकर अनैतिक ढंग से हरियाणा के गरीब साथियों को खरीदने के लिये काम करती है वह हटनी चाहिये। पिछली सरकार ने एक बार अपनी रिपोर्ट में यह कहा था कि 45 प्रति ात बिजली चोरी होती है। बिजली चोरी नहीं होती बल्कि पूंजीपतियों से पैसा लेकर दी जाती है ऐसे ढंग से अनैतिक कार्य किये जाते है। खेत में काम करने वाले

लोग या हरिजन तो खड्डी या लूम के लिये बिजली की इंतजार करते रहे लेकिन आप इन कारखाने वालों से पेसा लेकर खरीदाफरोख्त में लगाओं यह कहां तक उचित है? इन्होंने पिछले एक महीने में अनैतिकता और बेईमानी से हरियाणा की इज्जत को बरबाद किया सारी बिजली को पूंजीपतियों के पास गिरवी रख दिया। हमें इस कागज के टुकड़े पर कतई वि वास नहीं है, हरियाणा की जनता की भावनाओं का अपमान हो रहा है। इसलिये मैं इस अभिभाशण का पुरजोर भाब्दों में विरोध करता हूं।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री रहीम खां): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय मैं गवर्नर साहब के एड्रैस के बारे में कुछकहूं चौधरी देवी लाल ने जो मेरे ऊपर जाति अटैक किया था, उसका जवाब देना चाहता हसूं। चौधरी देवीलाल का नाम मैं बचपन से ही सुनता आ रहा हूं। यह कैरों साहब के वक्त से एम0एल0ए0 बनते चले आ रहे है। उस वक्त से हम इनको जानते है जब पंजाब और हरियाणा इक्ट्ठे हुआ करते थे। हम इनके उस वक्त के वाकिफ है जब इन्होंने खुर ाीद अहमद से मिलकर एक अलग पार्टी बनायी थी और कांग्रेस पार्टी से निकल गये थे। इसलिये स्पीकर साहब, डिफै ान तो सबसे पहले इन्होंने खुद की थी। इस वक्त चौधरी खुर ाीद अहमद इस हाउस में नहीं है जो मेरी बात को स्पोर्ट कर सकें। उसके बाद सन् 1967 में पहली बार मैं हरियाणा विधान सभा में एम0एल0ए0 इलैक्ट होकर आया था। उस वक्त चौधरी देवी लाल ने राव बीरेंद्र से मिलकर कांग्रेस पार्टी

के कुछ एम0एल0एज0 और कुछ आजद उम्मीदवारों को साथ मिलाकर हकूमत बनायी थी। चंद महीनों के बाद ही जब इनका स्वार्थ पूरा नहीं हुआ तो ये पंडित भगवत दयाल भार्मा के साथ मिल गये। मैं आज यह बात सदन को बताना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल ने मुझे तोड़नें के लिये सिरसा के एक सेठ के मुनीम श्री घिसा राम को भेजा और मुझे दस लाख रूपये की औफर की। इनको यह कहते कुछ सोचना चाहिये कि मैंने भजनलाल जी से पांच लाख रूपया लिया है जबकि मैंने इनकी दस लाख रूपये की औफर को ठुकरा दिया था। सन् 1977 में मेरा भाई जनता पार्टी के टिकट पर इलैक ान लड़कर इस हाउस में आया था चौधरी भजन लाल जी के साथ चला गया। उसके बाद चौधरी देवी लाल ने मुझे उसको तला ा करने के लिये भेजा। मैं राजस्थान तक गया लेकिन क्या उस वक्त मेरा खर्चा भी इन्होंने दिया था? इन्होंने नहीं दिया। आज यह कैस यह बात कहते है कि मैंने पांच लाख रूपया मांगा है। मैंने इस दफा कांग्रेस (आई) और लोकदल के टिकट के लिये एप्लाई किया था। चौधरी चरण सिंह ने मुझे खुद बुलाया और यह कहा कि आप लोगों को चार कांस्टीच्युएंसीज में टिकट दिया जायेगा। यह उन दिनों की बात है जब चौधरी देवी लाल जी दूसरी पार्टियों के साथ कन्वैं ान कर रहे थे। उसके बाद चौधरी देवी लाल और चौधरी सरूप सिंह को टिकट देने के लिये अख्तियार मिल गया। चौधरी देवी लाल ने तैयब हुसैन को दे दी। किसी एक उम्मीदवार का एप्लीके ान फार्म किसी दूसरी पार्टी को दे दें यह तो इनका

करैक्टर है। चौधरी देवी लाल ने तैयब हुसैन के कहने से दील मोहम्मद को टिकट दे दी और मेरी टिकट काट दी। आप ही सोचें यह तो इनका करैक्टर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि न मैं कभी इनके पास गया, न इनसे कभी पैसा मांगा और न ही कोई पैसा लूंगा। मैंने आज तक किसी से भी पैसा नहीं लिया। राव बीरेंद्र सिंह, पंडित भगवत दयाल, बंसीलाल या कोई भी कहे कि मैंने उनसे कभी पैसा मंगा हो या लिया हो सब गलत बात है। हां, औरों ने पैसा लिया होगा लेकिन न मैंने चौधरी भजनलाल से पैसा मांगा है, न लिया है और न ही लूंगा और न ही कोई स्पोर्ट करने के लिये भार्त रखी है। (व्यवधान व भाोर)

श्री रो ान लाल आर्य (छछरौली): उपाध्यक्ष महोदय, आज यहां पर गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बहस चल रही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) मैं इस अभिभाशण पर बोलने और इसका विरोध करने के लिय खड़ा हुआ हूं। यह जो अभिभाशण छापा गया है, इसकी भाुरू की पंक्तियों में इस तरह से लिखा गया है कि जिस तरह से गोबर के ऊपर चांदी का वर्क लगा दिया गया हो और उसको बहुत अच्छा और सुंदर दिखाने की कोि ा ा की गयी हो। (व्यवधान व भाोर) अध्यक्ष महोदय यह तो देहता की मिसाल है। इन्होंने जो भाुरू में यह लिखा है कि मुझे नवगठित विधान सभा के प्रथम सत्र के अवसर पर आपका स्वागत करते हुए अत्यन्त हर्श हो रहा है इससे बड़ी गलत बात कोई नहीं हो सकती। यदि यह स्वागत करने और हर्श की बात होती तो मैं

आपके माध्यम से गवर्नर साहब से यह पूछना चाहूंगा कि वे 33 दिन तक स्वागत करने के लिये क्या रामायण का पाठ करते रहे या हर्श मनाने के लिये कोई प्रबंध करते रहे। हमने सोचा कि 33 दिन के बाद आदरणीय गवर्नर साहब कोई उद्घोश करेंगे लेकिन यह जो अढ़ाई पेजों में 9 पैरों में लिखा है इसके अंदर कोई ऐसी बात हमें दिखाई नहीं देती जिसका हम समर्थन कर सकें। इसलिये हमें यह चाहियें कि हम सब मिलकर इसका विरोध करें। इसमें इन्होंने यह लिखा है कि जो योजनाएं पहले भ्रारू की गयी थीं, उनको ही जारी रखा जायेगा। आपको पता है कि बहुत से सदस्य उन योजनाओ से परिचित ही नहीं है, उन्हें पता ही नहीं कि वे क्या योजनाएं है। इस तरह से यह अधकचरा सा अभिभाशण रख दिया गया है।

तीन पैरा में इन्होंने यह लिखा है कि किसानों, निर्धनों अनूसूचित जातियों, पिछड़ें वर्गों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कल्याण के कार्यकमों पर वि ोश बल दिया जायेगा। अगर इन भाब्दों की बजाये यह लिख देते कि घूसखोरों और ब्लैकमार्किटयों के कल्याण के लिये कार्य किये जायेंगे, तो अच्छा था। जब यह सरकार बनी तो श्री भजनलाल जी का एक ब्यान अखबारों में और रेडियों पर भी आया था कि हरियाणा की जनता ने दिवाली मनायी है। मैं कहता हूं कि जनता ने दिवाली नहीं मनायी, उन्होंने तो भ्रोक मनाया है क्योंकि जिस गैर प्रजातांत्रिक ढंग से यह सरकार कायम की गयी, यह गलत है। मैं

किसी का नाम नहीं लूंगा। खु ाी केवल स्मगलर्ज ने मंगायी है या पूंजीपतियों ने मनायी है। अगर देखा जाये तो आज कोई भी आदमी चाहे वह गरीब किसान है मजदूर है या कोई दूसरा आदमी है वह इस सरकार से खु ा नहीं है। यदि यह सरकार प्रजातांत्रिक तरीके से बनती तब तो ठीक था चाहे वह किसी भी पार्टी की सरकार होती, लेकिन यह जो सरकार बनाने का तरीका अपनाया गया है, जिस हेराफेरी से यह बनायी गयी है यह गलत है। कर्नल साहब के बारे में भी मैं एक बात कहना चाहूंगा। जब ये कांग्रेस (जे0) पार्टी में थे तो एक दो दिन मुझे इनके साथ रहने का मौका लि। जब ये गवर्नर साहब के सामने बहादुरी दिखा रहे थे तो मेरा सीना गर्व से फल गया। जिस तरह से इन्होंने इधर से उधर जम्प किया, इनका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। इसके लिये इनको वीरचक्र दिया जाना चाहिये।

चौथी बात इसमें यह लिखी है कि हमारी नेता के स्वप्न साकार हों। अध्यक्ष महोदय, इसमें जो बीस सूत्र की बात कही गई है यह तो एक किस्म का लिफाफा है..... (विघ्न)

कर्नल राव राम सिंहः अभी इन्होंने कहा है कि मुझे वीरचक्र दिया जाना चाहिए। मेरा कहना है कि अगर मुझे वीर च्रक मिल गया तो चौधरी देवी लाल को क्या मिलेगा?

श्री रो ान लाल आर्यः अध्यक्ष महोदय, इनके नेता का तो एक ही स्वप्न ह कि दे ा में उनके परिवार का भाासन रहे। इसके लिए चाहे लोगों के गले काटे जाए चाहे उनके साथ कितने भी जुल्म किए जाए। तीन पहियों की गाड़ी में बैइकर ये लोग कहते फिरते थे कि कांग्रेस की गाड़ी है, इसमें बैठ जाओं, लेकिन कोई भी गैरतमंद आदमी उस गाड़ी में बैठने को तैयार नहीं था। इस गाड़ी में गरीबों का खून लगा है। इनका जो मंत्रिमंडल था उसमें अढ़ाई या पौने तीन जाट मंत्री थे। सात–आठ आदमी जो और मंत्री बने है ये केवल किसान बने है और इनको लेकदल की भाक्ति से घबरा कर बनाया गया है। जितने आदमियों को भी मंत्री बनाया गया हे वे इसलिए बनाए गए है कि कही ये टूट न जाएं। जिस समय लोगों को मंत्री बनाया जा रहा था उस वक्त पता ही नहीं था कि किस समय किसको मंत्री बना दिया गया। उस समय तो एक कहावत हो गई थी कि अगर कोई आदमी दिल्ली से हरियाणा में आता था तो उसको कहा जाता था कि ध्यान रखना कहीं भजन लाल तुमकों मंत्री न बना दें। इन सब बातों से हरियायाा की इमेज बहुत खराब हुई है। आज सरदार लछमन सिंह बहुत खु ा है। 19 महीने ये मेरे साथ जेल में रहे। मेरा इनके साथ बहुत सम्पर्क रहा है। मै समझता था कि सरदार लछमन सिंह बहुत अमीर आदमी है इनका मन जरूर ठीक होगा। लेनि जब इन्होंने सुना कि चौधरी भजनलाल मुख्य मंत्री बना दिए गए है तो इनको करंट सा लग गया। इनकी हालत खराब हो गई। हमने सोचा था कि इतना मजबूत आदमी है भाायद कुछ

मुकाबला कर पाएगा लेकिन सब से पहले हौसला छोड़ दिया और हमें छोड़ कर भाग गया। स्पीकर साहब, छटे प्वायंट में पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिये काम करने की बात कही गई है। यह इनकी केवल कागजी कार्यवाही है। पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए एक निगम बनाई। स्पीकर साहब, उसमें इतना घपला है कि कुछ कहा नहीं जा सकता। एक आदमी मेरे पास कुरूक्षेत्र से आया, वह कहने लगा कि मैंने लोन के लिए ऐप्लाई किया था लेकिन इन्होंने मेरी इतनी परेड करवा दी है कि मैं परे ाान हो गया हूं। मुझे कोई ऐसा तरीका बताएं कि यह लोन केन्सिल हो जाएं। अध्यक्ष महोदय लोन लेने के लिए रि वत देनी पड़ती है, चक्कर लगाने पड़ते है और इसका नतीजा यह होता है कि लोग परे ाान हो जाते है। आगे इसमें गेहूं की कीमत दिलवाने के बारे में कहा गया है। स्पकीर साहब, ऐग्रकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार ने 162.00 रूपए फी क्विंटल का अनुमान लगाया था। यह रेट किसान का जो खर्चा आता है उस पर लगाया गया था लेकिन इस सरकार ने वह रेट नहीं दिया। इससे साबित होता है कि यह सरकार बिल्कुल फेल हो चुकी है। इस सरकार को अस्तीफा दे देना चाहिए और इस सरकार को लोगों का फिर से वि वास प्राप्त करना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि अगर कोई चैलेंज आजमाई की बात है तो एक–एक मैम्बर बोले, सब इक्ट्ठे न बोलें। मेरा ख्याल है कि किसी भी मैम्बर का दिल अस्तीफा देने को नहीं कर रहा।

श्री रो ान लाल आर्यः अस्तीफा देने की बात कही जा रही हैं। मेरा कहना यह है.....(विघ्न)

डा0 ओम प्रका ा भार्माः मैं इनका अस्तीफा देने का चैलेंज स्वीकार करता हूं। मैं जगाधरी से दे देता हूं और ये छछरौली से अस्तीफा दे दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रो ान लाल आर्यः हम सब अस्तीफा दे देते है और आप सब लोग भी अस्तीफा दे दें। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का विरोध करता हूं और सभी सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि इसको पास न किया जाए।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

चौधरी देवी लाल द्वारा

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। स्पीकर साहब, बहुत भाोर मचाया जा रहा है हाउस में भी और हाउस से बाहर भी कि डिफैक्टर्ज का सबसे बड़ा गुरू देवी लाल है। मैं आपकों याद दिलाना चाहता हूं कि 1936 में सब से पहले मेरे बड़े भाई चौधरी साहिब राम कांग्रेस की टिकट पर चुने गए थे। उस समय लोग कांग्रेस का नाम लेने से डरते थे और उसके बाद उनको डायरैक्ट पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी की पोस्टर आफर की गई थी और मुझे डी0एस0पी0 की पोस्टर आफर की गई थी। सिकंदर हयात तिवाना और चौधरी छोटूराम ने ये पोस्टस हमें औफर की थीं लेकिन हमने इनको ठुकरा दिया।

इसके बाद पार्टी ान हुआ। मैंने भीम सैन सच्चर के खिलाफ रिवोल्ट किया, हमने गोपीचंद भार्गव के खिलाफ रिवोल्ट किया। ये दोनो पार्टी ान के बाद चीफ मिनिस्टर थे। उस वक्त आपमें से कोई ही मैम्बर होगा। भीम सैन सच्चर को हमारी मुखालफत के बावजूद लीडर चुना गया। हमने सरदार प्रताप सिंह को लीडर चुना था दिल्ली में बैठकर। जब हम कुरूक्षेत्र आ गए तो रेडियों पर खबर मिली कि मौलाना आजाद की इंटरफीयरैंस से भीम सैन सच्चर को लीडर बना दिया गया है। मैंने सच्चर को कहा कि क्या हमने तुम्हारे सारे खानदान का ठेका ले रखा है। मुकंद लाल पुरी को राज्य सभा का मैम्बर बनाया है और उनके छोटे भाई को पंजाब कौंसिल का मैम्बर बनाया है। मैंने तथा खान अब्दुल गफ्फार ने भीम सैन सच्चर के खिलाफ रिवोल्ट किया और चालीस मैम्बर्ज के दस्तखत कराए। जब हम पंडित जवाहर लाल नेहरू के पास गए तो उन्होंने कहा कि चाहे मुण्े एक–एक मैम्बर के पास जाना पड़े, लेकिन लीडर भम सैन सच्चर ही रहेगा। उस वक्त जब सच्चर के खिलाफ नो–कौंफीडैंस मो ान लेकर आए तो उस वक्त प्रबोध चंद्र चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी थे। उन्होंने पूछाा कि कितने मैम्बर आपके साथ है। मैंने कहा कि चालीस मैम्बर हमारे साथ है। उस वक्त पंडित मोहन लाल मैम्बर नहीं थे लकिन वे हमारे साथ थे। पार्लियामैंटरी बोर्ड को जब नो–कोंफीडैस मो ान का मैमोरैंडम दिया गया तो उन्होंने कहा कि सच्चर ही लीडर रहेगा। हमने कहा कि हमने चालीस एम0एल0एज0 है कोई रिक ो वाले नहीं है। रात को ग्यारह गजे फ्रैंडज कालोनी में

हमने भीमसैन सच्चर को टेलीफोन किया। उस वक्त मेरे साथ प्रोफेसर भोरसिंह, दरबारा सिंह भाहबाजपुरी और दूसरे कई मैम्बर थे। उसके बाद स्पीकर साहब, हम रैस्ट हाउस में गये और भीम सैन सच्चर ने कहा कि कैसे आए? हम ने कहा कि आपके खिलाफ नो–कांफीडैंस मो ान का मैम्मोरेंडम दे रहे है। उन्होंने काह कि क्या प्रताप सिं हसे पूछ लिया है हमने कहा कि नहीं, हमने प्रबोध चंद्र से पूछ लिया है। उनसे कहा कि हम रिक ाा वाले नहीं है हम तो एम0एल0एज0 है। उस वक्त उस को अस्तीफा देना पड़ा। स्पीकर साहब, आपको भी पता होगा हमने प्रताप सिंह कैरों से राव बीरेंद्र सिंह को डिसमिस किरवाया था। जब मैंने दोबारा रिवोल्ट किया तो उस वक्त पंडित भगवत दयाल को भी हटा दिया और राव बीरेंद्र सिंह जी को स्पीकर बनवाया और फिर राव बीरेंद्र सिंह के खिलाफ रिवोल्ट किया। जब..... ..... फिर उसके बाद बंसी लाल और अब चौधरी भजन लाल के खिलाफ रिवोल्ट किा है। डिफैक ान तो स्पीकर साहब, उसको कहते है जो कि किसी गेम के लिये रूलिंग पार्टी में आ जाये और अपना फायदा लें

कर्नल राव राम सिंहः चौधरी साहब, आगे से डिफैक ान की जगह रिवोल्ट किया जाएगा। डिक ानरी में डिफेक ान के लफज को चेंज कर के रिवोल्ट का लफज इस्तेमाल किया जाएगा?

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, इससे साफ जाहिर होता है कि हम ने सदा ही कुर्सी को ठुकराया है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महादेय, दो दिन से इस सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा करने से पहले कुछ और बातों की चर्चा करना चाहूंगा। जिसका सारे सदन को खेद होना चाहिये। जिस समय राज्यपाल महोदय सदन में आए तो किस तरह का वातावरण अपोजी ान वालों ने पैदा किया, इसकी मिसाल हिस्टरी में आपको कहीं भी देखने को नहीं मिलेगी। स्पीकर साहब, आप जानते है कि राज्यपाल महोदय का ओहदा कोई छोटा ओहदा नहीं होता, इस बात को हाउस ही नहीं, बल्कि सारा दे ा जानता है कि किन मर्यादाओं, सिद्धांतों, असूलों या किसी संविधान के नीचे हम सब टीके हुए है। स्पीकर साहब, आप जानते है कि अगर हम किसी संबिधान को न मानें, न समझें किसी भी मर्यादा में न रहें, किसी भी गरिमा को न समझें तो यह दे ा फिर गुलाम हो जाएगा, ठीक तरीके से ऊपर नहीं उठ सकता तरक्की नहीं कर सकता। जिस तरह का वातावरण हमारे अपोजी ान के महानुभावों ने यहां पर बनाया उसको देखकर सारे प्रांत की जनता को भी भार्म महसूस हो रही होगी कि कितनी दुखदायी और भद्दे किस्म का प्रद र्ान सदन में किया था।

स्पीकर साहब, आप जानते है कि अपोजी ान वाले लगभग एक महीने से इसी बात का खूब प्रचार कर रहे है कि राज्यपाल महोदय ने श्री भजनलाल को गलत तरीकें से ओथ

दिलवायी हैं । स्पीकर साहब आप वकील है आप तो जानते है और दूसरे अपोजी ान के सारे भाई भी इस बात को खूब जानते है और महसूस भी करते होंगे कि इस तरह की एक नहीं, बल्कि सैंकड़ों मिसालें है कि दे ा में कई एक पार्टीज जब इलैक ान लड़कर आती है तो जिस पार्टी का बहुमत होता है गवर्नर महोदय उसी पार्टी के नेता को ओथ दिलवाते है और पूछते है कि अगर आप सरकार बना सकते हो तो बनाओ। अध्यक्ष महोदय आप जानते है कि हम 36 एम0एल0एज0 हमारी पार्टी के चुनकर आए थे, 6 इंडीपैंडैंट एम0एल0ए0 हमारे साथ भाामिल हो गए, क्योंकि वह कांग्रेस विचारधारा के थे। किसी वजह से उनको पार्टी की टिकट नहीं मिली और वे कांग्रेस के मुकाबले में खड़े होकर जीत कर आ गये और अब उन्होंने हमारा समर्थन किया तो इसमें बुराई की क्या बात है। (डा0 मंगल सैन की ओर से विघ्न)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, बीच में इंट्रप्ट न करें।

चौधरी भजन लालः डाक्टर साहब, जब आप बोल रहे थे तो मैं बीच में नहीं बोला आप भी न बोलें। बाद में जो चाहें कह लेना। स्पीकर साहब, इसीलिये 6 आदमियों ने कांग्रेस पार्टी को जवायन करने का फैसला किया। जब हमारी पार्टी की मीटिंग थी, उस वक्त वहां पर 42 आदमी मौजूद थे, उन्होंने सर्वसम्मति से मुझे नेता चुना था और फिर सारी की सारी लिस्ट लेकर मैं राज्यपाल महोदय के पास आया और उनको वह लिस्ट दी। उसके बाद राज्यपाल महोदय का यह कर्तव्य बनता है कि सिद्धांतों

के मुताबिक, संविधान के मुताबिक जो सब से बड़ी पार्टी है उस पार्टी को बुलाया जाए। जभी उन्होनं मुझे बुलाया और मैंने ओथ ली लेकिन एक बात को चौधरी देवीलाल जी भूल गये और उनके दूसरे साथी भी भूल गये जब चौधरी चरण सिंह जी इस दे ा के प्रधानमंत्री बने थे। उस समय आपको याद होगा स्पीकर साहब, राश्ट्रपति जी ने सब से पहले श्री वाई0बी0चौहान को बुलाया क्योंकि उस समय सब से बड़ी पार्टी वह ही थी। उन्होंने कहा कि अगर आप सरकार बना सकते हो तो मैं दो दिन का समय देता हूं, आप सरकार बनाएं। अगर नहीं बना सकते तो आप बताए। दो दिनों के बाद श्री चौहान साहब ने कह दिया कि मैं सरकार बनाने में असमर्थ हूं इसलिये आप किसी दूसरे भाई को बुलाएं। तब राश्ट्रपति महोदय के पास बाबू जगजीवन राम जी और दूसरे नेता, जिसमें सभी पार्टी के नेतागण भााामिल थे, (ाोर) राश्ट्रपति जी के पास गये और उन्हें कहा कि बहुमत हमारे साथ है आप हमें इंवाईट करें। राश्ट्रपति ने कहा कि आप हमें लिस्ट दे दीजिये, मैं विचार करूंगा़। लेकिन इन लोगों को मौका दिये बगैर चौधरी चरण सिंह को ओथ दिलवा दी, उस वक्त इन्होंने चौधरी देवी लाल और दूसरे लीडरों ने यह नहीं का कि ..... और आज ये कहते है कि .....। उस समय यह क्यों नहीं कहा कि.....। (ाोर एवं व्यवधान)

Shri Verender Singh: Mr. Speaker, I strongly object to it. I will request you to please expunge these words. (Interruptions)

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। देखिये स्टेट और सैंटर का किसी बात के लिये मुकाबिला ही क्या है? चौधरी चरण सिंह जी हमारी पार्टी के और दे ा के महामहिम आदरणीय नेता है। हमने आज तक इंदिरा गांधी जी के बारे में कुछ नहीं कहा है। यह जो बातें अभी चौधरी चरण सिंह जी के बारे में कहीं गयी है, यह मुख्य मंत्री जी को कहना भाोभा नहीं देती। इसलिये इन अलफाज को एक्सपंज किया जाएं।

श्री अध्यक्षः चौधरी चरण सिंह जी के बारे में जो मुंह काला करने वाली बात कही है इसको एक्सपंज किया जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात इसलिये बताई कि इसकी एक उदाहरण नहीं बल्कि सैंकड़ों ऐसी उदाहरण मिलेगी। मैं चौधरी चरण सिंह की इज्जत करता हूं वे बुजुर्ग आदमी है और एक नेता भी है। मैं नहीं चाहता कि उनके बारे भद्दे बातें या भाब्द कहे जाएं लेकिन इन्होंने जिस तरह का वातावरण पैदा किया कि विधायकों का घेराव किया जाए और उनके मुंह काले किये जाएं, यह बहुत निन्दनीय बात है। अगर उस समय ये चौधरी चरण सिंह के बारे में ऐसी बातें कहते तो मैं मानता। चौधरी देवी लाल जी बड़े अच्छे आदमी है और मैं इनकी इज्जत करता हूं लेकिन आज ये कहते है कि 45 आदमी इनके साथ थे। मैं कहता हूं कि 36 से 37 वां आदमी इनके साथ नहीं था। इन्होंने तो खुद कहा कि हम गवर्नर साहब के पास देखने गये थे कि उनका कैसा रवैया है और कैसा वातावरण हैं। (विघ्न)

चौधरी देवी लालः उस वक्त हमारे 45 आदमी मौजूद थे। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः गवर्नर साहब ने उस समय कहा था कि मेरे को अलग–अलग आदमी की भाक्ल दिखाई जाए लेकिन किसी ने भाकल नहीं दिखाई। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि अगर कोइ आनरेबल मैम्बर या चीफ मिनिस्टर हाउस में फैक्चुअल बात को गलत कहता हो तो क्या वह कह सकता है? हमें गवर्नर ने बिल्कुल नहीं कहा कि अलग–अलग होकर मुआयना करवाओ और आईडैंटिटी कार्ड दिखाओ। यह बिल्कुल गलत बात कह रहे है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जिस तरह का वातावरण पैदा किया उसकी सारा दे ा निंदा करता है। आप सारे दे ा के लोगों की बात सुनें और अखबार पढ़ें फिर आपको मालूम होगा कि लोग कैसा महसूस कर रहे है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गवर्नर हाउस में सब जयादा चौधरी फूल चंद जी, जो मंत्री है, और उसके बाद कर्नल राव राम सिंह जी बोले..... .....(ाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय ये तो गवर्नर साहब का हाल पूछने गये थे। ये तो पहले भी हमारे आदमी थे और अब भी हमारे हैं। इन्होंने जो कुछ कहा था वह हमें मालूम है। जो कुछ जिसने कहा था वह सारा अखबारों में आया हुआ है। (ाोर)

कर्नल राव राम सिंहः मैंने यह कहा था कि.....

.....

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी सेवा में प्रार्थना कर रहा था कि उसके बाद जिस तरह का वातावरण स्टेट में पैदा किया गया, क्या उससे भद्दी बात भी कोई हो सकती है? जो व्यक्ति मुख्य मंत्री रह चुका हो और आज भी मुख्य मंत्री का उम्मीदवार हो वह स्टेट में ऐसा वातावरण पैदा करने की कोि ा ा करे और लोगों को भड़काए कि आप लोग चंडीगढ़ ट्रैक्टरों में ईंटें, रोड़ी, पत्थर, लाठी, जेली आदि लेकर चलो, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है? (ाोर)

चौधरी देवी लालः उस बात की तो अगल दिन कंट्राडिक ान हो गई थी। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं आनरेबल मैम्बर्ज से दर्खास्त करूंगा कि जिस आराम और संजीदगी से अब से पहले प्रोसीडिंग्ज चल रही थीं उसी तरह से अब भी कंडक्ट करवाएं। मैं यह बात सब को कह रहा हूं केवल अपोजी ान को नहीं कह रहा। मैं सभी मैम्बर

साहिबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि लीडर आफ दि हाउस बोल रहे है कृपया उनकी इंट्रप्ट न करें।

कर्नल राव राम सिंहः स्पीकर साहब, जब ये बोल रहे थे तो हमने कभी भी इंटरफियर नहीं किया लेनि ये इंटरफियर कर रहे है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय स्टेट में जिस तरह से वातावरण को बिगाड़ने की कोि ा ा की गई यह भाोभा की बात नहीं है। लोगों के घर–घर जाकर, गांव–गांव जाकर और गली–गली जाकर इस तरह का प्रचार देवी लाल जी करें, यह इनको भाोभा नहीं देता। लोगों को यह कहना कि ट्रैक्टरों में ईंटें भर कर चलो और लाठियां लेकर चलों, यह कितनी गलत बात है। (ाोर)

चौधरी देवी लालः यह गलत बात है, मैंने ऐसा नहीं कहा।

चौधरी भजन लालः ये बाते अखबारेां में छपी है।

चौधरी देवी लालः हमारे भाान्तिमय लोग यहां पर आए। मैंने उनसे खुद लाठियां गिरवाई। आपकी पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज किया। (ाोर) मैं जींद में गया था वहां पर लोगों ने लाठियां उठाई तो मैंने कहा कि मैं आपके साथ नहीं चलूंगा पहले आप लाठियां गिराओ। मैंने वहीं पर उनकी लाठियां गिरवा दी।

वहां पर लोगों पर फायरिंग की गई, ट्रैक्टर के टायर फाड़ गये और ट्रैक्टरों के इंजनों में रेत डाला गया। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी देवी लाल की इज्जत करता हूं। ये मेरे से उम्र में भी बहुत बड़े है इसलिये मैं इनका आदर करता हूं। लेकिन अगर ये गलत बात कहें तो उसको कैसे मान लें। ये कहते थे चंडीगढ़ में पांच लाख आदमी आएंगे। आपने देखा होगा कि याह पर पांच हजार आदमी भी नहीं थे। इनकी रैली में चौधरी चरण सिंह, बाबू जगजीवन राम प्रौ सी0पी0एम0 के लोग थे, अकाली दल के लोग भी थे जिन्होंने भाशण दिये। जो पांच हजार आदमी आए उनमें भी आधे लोग हमारे थे जोकि सुनने के लिये गये थे कि ये लोग क्या कह रहे है। (ाोर) ये मेरे ऊपर इल्जाम लगाते है कि हरियाणा में पुलिस ने बहुत ज्यादती की। अध्यक्ष महोदय, अगर एक आदमी कानून अपने हाथ में लेने की कोि ा ा करे तो क्या सरकार आंचों बंद करके देखती रहे? अखबार कहते है कि चंडीगढ़ में पहले लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। यह खबर सारे अखबरों में आई है। (ाोर) लोग घेरा तोड़कर आगे बढ़े है। अध्यक्ष महोदय ये मेरे विरोधी पक्ष के भाई पंजाब की अकाली पार्टी का साथ देते है। पंजाब की अकाली पार्टी का जो रवैया है उस बारे में आप सब लोग अच्छी तरह से जानते है। पंजाब के अकाली एस0वाई0एल0 नहर रोको आंदोलन चला रहे हों और ये मेरे भाई उनका साथ दें, यह कहां तक उचिख्त है? उस नहर के

साथ हरियाणा के किसानों को ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति का, चाहे वो हरिजन भाई है, चाहे पिछड़ी जाति का भाई है, चाहे भाहर में बसने वाला भाई है, चाहे देहात में बसने वाला भाई है हर आदमी का हित जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, पंजाब के अकाली यह कहें कि हम नहर को खुदने नहीं देंगे उसके बावजूद भी चौधरी देवीलाल जी और इनकी पार्टी के आदमी उनका साथ दें यह बात उचित नहीं है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, इन्होंने डैमोक्रेसी का कत्लेआम कर दिया है और अब ये पंजाब के अकालियों का नाम ले कर इस किस्म की नफरत पैदा करना चाहते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये मेरे विरोधी पक्ष के भाई पंजाब के अकालियों का साथ दे कर, नहर के पानी को रोकने की बात करें, क्या यह लोग हरियाणा प्रांत के लोगों का भला सोच सकते है? यह बहुत गहराई से विचार करने की बात है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, आने भी सुना होगा कि गांवों में ये लोग क्या कहते है? ये लोग गांवों में कहते है कि..... .....इनका जीना मु कल कर देंगे, इनके बच्चों को स्कूलों और कालेजों में नही जाने देंगे। ये लोग देहातों में इस तरह का वातावरण पैदा कर रहे है। अध्यक्ष महादेय, अगर डिफैक ान के नाम पर किसी को सबसे बड़ा पुरस्कार मिले तो वह चौधरी देवी लाल को मिलेगा। आज इन्होंने

खुद बयान दिया है कि मैंने रिवोल्ट किया था। यह तो वही बात हुई जैसे एक सेठ को घाटा हो जाता है और वह गांव या भााहर छोड़कर दूसरे प्रांत में चला जाता है तो लोग उसे कहेंगे कि सेठ दि ााावर गया है। अगर कोई गरीब आदमी भूखा मरने लग जाता है और वह किसी दूसरे गांव में चला जाता है तो उसे हमारी भाशा में कहते है कि बो मऊ गयो। इस भाशा को चौधरी देवी लाल जी समझते है। इसका मतलब यह है कि वह भूख के कारण किसी दूसरे गांव में मजदूरी करने के लिए गया है। अध्यक्ष महोदय अगर कोई सेठ भूख के कारण दूसरे प्रांत में चला जाता है तो कहते है कि वह दि ााावर गया है और गरीब आदमी अगर किसी दूसरे गांव में चला जाता है तो उसे कहते है कि बो मऊ गयो। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय इसी प्रकार अगर चौधरी देवी लाल जी डिफैक ान करते है तो कहते है कि मैंने रिवोल्ट किया था और अगर कोई दूसरा आदमी सही रास्ता पकड़ ले तो उसको ये डिफैक्टर कहते है। यह बड़े दुख की बात है और गहराई से सोचने की बात है। इसके अलावा इन्होंने यह भी कहा कि विधायकों को पैसा देकर खरीदा है। इस बारे में मेरा कहना है कि जो साथी विधायक हमारी पार्टी में भाामिल हुए है वे कांग्रेस विचारधारा के लोग है, वे कांग्रेस पार्टी में अपनी पूरी आस्था रखते है और श्रीमती इंदिरा गांधी जी में पूरा वि वास रखते है। मैं यह भी दावे के साथ कह सकता हूं कि आपकी पार्टी में अब भी बहुत से विधायक ऐसे है जो कांग्रेस विचारधारा के है और वे आपकी पार्टी में बिल्कुल नहीं रहेंगे, आप चाहे जितनी मर्जी ताकत

लगा लें। मैं यह भी कहता हूं कि आपकी पार्टी में जो विधायक कांग्रेस विचारधारा के है वे हमारी पार्टी में भाामिल होंगे और वे विधायक आपकों यह सिद्ध करके भी दिखाएंगे। अध्यक्ष महोदय मेरे विराधी पक्ष के भाईयों के लीडर का न कोई प्रोग्राम है और न ही इनकी पार्टी की कोई नीति है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी देवी लालः आपकी पार्टी में 7 विधायक तो ऐसे है जो हमारी वजह से चुनाव जीत कर आए है। ये हमारी पार्टी के आदमी है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, ये दुहाई देते है कि हमारे साथी बहुत वोटों से जीत कर आए है। इनकी पार्टी को जो वोट मिले है मैं वे आकंड़े बताना चाहता हूं। लोकदल और भारतीय जनता पार्टी को कुल वोट 1171703 यानी 24 परसैट वोट मिलें है जबकि इनडिपैंडैंट इनके बराबर 979151 वोट लेकर जीतकर आए है। हमारी पार्टी को 1836501 वोट मिले है। अध्यक्ष महोदय फिर ये किस मुंह से कहते है कि हमारी पार्टी बहुत बड़ी पार्टी है। इनकी पार्टी के विधायकों के बराबर तो इनडिपैंडैंट विधायक वोट लेकर जीतकर आए है। अध्यक्ष महोदय, जो हमारे जनसंघ के भाई जिनकी पार्टी का नाम भारतीय जनता पार्टी है, हाउस में बैठे है मैंने इनको पिछले सै ान में कहा था कि आप देख लेना चुनावों के बाद आप में से मु कल से चार–पांच ही विधायक जीत कर आएंगे। (डा0 मंगल सैन की ओर से विघ्न) डा0 साहब मैं ज्यादा नहीं कहता। आप बड़ी मु कल

से 385 वोटों से जीतकर आए है वह भी हमारे उम्मीदवार की गलती से जीतकर आ गए। चुनाव वाले दिन भी आपकी गाड़ियां चली है। यदि हमारा उम्मीदवार उस दिन अपनी म ाीनरी चलाता तो आपकों कम से कम पांच हजार वोटों से हरा देता। फिर आप रिट पैटी ान करते फिरते। मैं अब भी दावे के साथ कह सकता हूं कि आप अपने हल्के से दोबारा चुनाव लड़ कर देख लें फिर पता लग जाएगा आपकों कितने वोट मिलते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी देवी लालः आप सब अस्तीफा दे दें, हम भी अस्तीफा दे देंगें और दोबारा चुनाव लड़ लेंगे इससे पता लग जाएगा किसको ज्यादा वोट मिलते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः आप कहते है कि आप भी अस्तीफा दे दें और हम भी दे देते है यह कर दें वह कर दें। मैं कहना नहीं चाहता। अध्यक्ष महोदय मेरा और चौधरी देवी लाल जी का जिला हिसार ही रहा है। सिरसा जिला बाद में बना है और भिवानी जिला भी बाद में बना है। पहले सिरसा, भिवानी और हिसार एक ही जिला हुआ करते थे। चौधरी देवी लाल जी ने 1972 में मेरे मुकाबले में चुनाव लड़ा था, उस समय मैंने इनकों 11000 वोटों से हराया था। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी देवी लालः आप आदमपुर हल्के से जीत कर आए है। आप वहां से अस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ लें फिर

पता लगा जाएगा आप कितने वोटों से जीतते है। (ाोर एवं विघ्न)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): आप आदमपुर हल्के की बात करते है आप रोड़ी हल्कें से मेरे मुकाबले में चुनाव लड़ कर देख लें। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः यह ठीक है आप रोड़ी हलके से चौधरी जगदी ा नेहरा के मुकाबले में चुनाव लड़ लें मैं चौधरी जगदी ा नेहरा से अस्तीफा दिला देता हूं और आप भी अस्तीफा दे दें। वह आपके जिले का हल्का भी है। आपको पता लगा जाएगा किसको ज्यादा वोट मिलते है। (ाोर)

श्री जगदी ा नेहराः ठीक है चौधरी देवी लाल जी रोड़ी हल्के से मेरे मुकाबले में चुनाव लड़ लें मैं इस चैलेंज का मंजूर करता हूं। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 1977 के चुनावों में मैं आदमपुर हल्के से 21 हजार वोटों से जीता था। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। सदन में बहुत महत्वपूर्ण बात आई है, मुख्य मंत्री जी ने काह है कि सारी विधान सभा को तोड़कर दोबारा चुनाव करवा लेते है। अगर मुख्य मंत्री जी यह चेलेंज करते है तो हम भी

चैलेंज करते है कि हम नए चुनावों के लिये तैयार है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि दोबारा चुनाव करवा देते है। मैंने तो यह कहा है कि चौधरी देवी लाल जी अस्तीफा देकर रोड़ी हल्कें से चौधरी जगदी ा नेहरा के मुकाबले में दोबारा चुनाव लड़ कर देख लें। मैं वहां से चौधरी जगदी ा नेहरा का अस्तीफा दिला देता हूं। वह हल्का इन दोनों के जिले का हल्का है फिर पता लग जाएगा कि किसकों कितने वोट मिलते है। (ाोर एवं विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः चौधरी भजन लाल जी, आपका जिला हिसार है और मेरा जिला भी हिसार है। मैं भी अस्तीफा दे देता हूं औरआप भी दे दें और भट्टू हल्के से दोबारा चुनाव लड़ लेते है फिर आपको पता लग जाएगा कि किसको ज्यादा वोट मिलते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः यदि मैं आपके हल्के में एक दिन भी चला जात तो आपके जीतने का सवाल ही नहीं होता। (ाोर एवं विघ्न)

श्रीमती चंद्रावतीः जवाब स्पीकर साहब, अगर पूरा हाउस अस्तीफा नहीं देता तो हम अपने लोकदल के एक मैम्बर से अस्तीफा दिला देते है और मुख्य मंत्री जी अस्तीफा दे दें। भट्टू

से दोबारा चुनाव लड़ लें। फिर पता लग जाएगा कौन कितने वोटों से जीतता है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि रोड़ी हल्कें से जहां से इनका बेटा चुनाव लड़ रहा था करीब बारह हजार वोटों से चुनाव हार गया। (ाोर) डबवाली जहां के ये रहने वाले है वहां से भी इनकी पार्टी का उम्मीदवार चुनाव हार गया।

चौधरी देवी लालः जिस समय हम वहां पर नोमीने ान पेपर भरने के लिए गए थे उस समय पांच हजार आदमी साथ थे। आप वहां से चुनाव हेरा फेरी से जीत कर आये है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मैं इनसे पूछता हूं कि यदि मैं इतना ही गंदा आदमी था तो मुझे हाथ जोड़कर कैबीनेट में क्यों लिया था?

चौधरी देवी लालः मुझे मोरार जी देसाई ने बुलाया था। मेरे साथ बलवंत राय तायल और मूल चंद जैन थे। देसाई जी ने कहा था कि आप सब मिलकर चलें। इसलिये मैंने इनको केबिनेट में लिया था। मैं तुम्हारे जैसे.....को कभी भी मंत्री नहीं बनाता । यह तो उन्हीं के कारण आपको मंत्री बनाया गया था।

चौधरी भजन लालः मुझे ये.....कहता है।... .....उसके बारे में कुछ नहीं कह

रहे।.....। (ाोर) ये कहते है कि वह मेरा बेटा ही नहीं। (ाोर)

श्री बीरेंद्र सिंहः वह तो बा–इज्जत बरी हो कर आया है। उसके खिलाफ झूठा मुकदमा बनाया गया था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मैं आपको यह बता देता हूं कि चौधरी देवी लाल राजनीति के मामले में चौधरी भजन लाल से तो आगे कभी नहीं जा सकता। (ाोर)

चौधरी देवी लालः आज आप जो कुछ भी कह रहे है ओर कर रहे है वह सब जोर–जबरदस्ती से कर रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं गुजारि ा करूंगा कि दोनों तरफ के सदस्य कोई चैलेंजबाजी न करें। (ाोर) यहां पर काफी सदस्य पुरान पार्लियामेंटेरियन है। जब आप लोग ही किसी बात का ख्याल नहीं रखेंगे तो जो नए सदस्य आए है, वे कैसे ख्याल रखेंगें और कैसे हाउस की कार्यवाही चलाने में काम सीखेंगे। कम से कम जिस समय मैं बोलने के लिए खड़ा होउ तो उस समय आपको बैठ जाना चाहिए। यहा ंपर बार–बार चेलेंजबाजी की बात आ रही है। मैं इस बात को जानबूझ कर इगनोर कर रहा हूं। इसलिए मेरी दोनों तरफ के सदस्यों से प्रार्थना है कि वे कोई चैलेंजबाजी न करें। (विघ्न)

डा0 मंगल सैनः असैम्बली को तुड़वा दो। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं असैम्बली को तो नहीं तुड़वा सकता। लेकिन जो काम मैं कर सकता हूं वही करूंगा। असैम्बली तुड़वाना मेरा काम नहीं हैं। सी0एम0 साहब से भी मेरी रिकवैस्ट है कि आप दो मिनट के अंदर अंदर अपना भाशण समाप्त करें।

चौधरी भजनलालः स्पीकर साहब, इन्होंने एक नारा और लगाया था कि हम किसानों के सभी कर्जे माफ कर देंगे। ये बाते चुनावों के दौरान इन्होंने कही थी। नारों में कहा कि जिन जिन लोगों ने ट्रैक्टरों का कर्जा लिया हुआ है उन सभी को माफ कर देंगे। इन्होंने चुनावों के दौरान लोगों के मन में गलतफहमी पैदा करने की पूरी पूरी कोि ा ा की। आप ही बताइये कि जिन प्राइवेट बैंकों से किसानों ने या दूसरे लोगों ने लोन ले रखा है, क्या कोई सरकार उस लोन को माफ कर देगी? आज की सरकार ने किसानों के लिए बहुत कुछ भलाई का काम किया है। सरकार ने किसानों को उनकी फसल का उचित भाव दिलवाया है।

पानी के बारे में भी मैं एक बात कहना चाहता हूं। जितना पानी किसानों को आज की सरकार ने दिया है उतना पानी कभी भी किसी सरकार ने किसान को नहीं दिया। एक बात और ये यहां पर कह रहे है कि असैम्बली भंग करवा दो। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जो इनके साथी चुनाव जीत कर आए है उनके दिल पर क्या बीतेगी? यह आप नहीं जानते। इन्होंने प्रांत के वातावरण को अधिक से अधिक खराब करने की कोि ा ा की है। मैं अनु ाासन बनाये रखने के कलए अपन अधिकारियों को

और खासकर चंडीगढ एडमिनिस्ट्रे ान के अधिकारियों को बधाई देता हूं कि जिस भाानदार ढंग से उन्होंने अनु ाासन बनाये रखा है और किसी प्रकार की गड़बड़ नहीं होन दीं। चंडीगढ के अधिकारियों ने सारे भाहर में अमन बनाये रखा और भाांति को भंग नहीं होने दिया। यदि अधिकारी इतने सतर्क न होते तो भाायद हालात खराब भी हो सकते थे। दसूरी बात इनकी तरफ से कही गई है कि इन को पावर का गरूर हो गया है। मैं आपकों बताना चाहता हसूं कि मुझे कोई गरूर नहीं है। मैं परमात्मा को मान कर चलता हूं। प्रातः पांच मिनट के लिए भगवान का नाम भी लेता हूं और हवन भी करता हूं। (ाोर) आप लोगों की तरह नास्तिक नहीं हूं। मैं भगवान में आस्था रखता हूं। इसके अतिरिक्त जो भगवान को मानते है उनकी भी इज्जत करता हूं। जो लोग भगवान के भक्त है उनकी प्रार्थना भी करता हूं और उनके पैरों में अपना सिर भी झुकाता हूं। भगवान का नाम लेने में कोई बुराई नहीं है। यहां पर एक बात और कही गई कि सारी बिजली कारखानें वालों को ही दे दी। हजारों लाखों लोगों को भूखा मार रहे है। हमने किसानों को भी बिजली दी है और कारखाने वालों को भी बिजली दी है। हम किसी के साि कोई भेदभाव नहीं कर रहे। आज हम जितनी बिजली पैदा कर रहे है उसका साठ प्राति ात भाग किसानों को दे रहे है। रावी ब्यास के पानी के ऊपर भी यदि मैं कुछ कहूंगा तो फिर झगड़ा भाुरू हो जायेगा। इसलिए मैं इस बात को छोड़ता हूं। जहां तक ओलावृश्टि का सवाल है हमने किसानों को उनका

उचित मुआवजा दिया है। ओलावृश्टि से हुई फसल का नुकसान 16 करोड़ रूपया देना है। दस करोड़ रूपया तो हम पहले ही दे चुके है। जो बाकी पैसा बचता है वह भी भीघ्र दे देंगे।

श्रीमती चंद्रावतीः मेरी आपसे एक प्रार्थना है कि जो पैसा आप देते है उस को ठीक ढंग से तकसीम कराया जाये। क्योंकि काफी पैसा अधिकारी और कर्मचारी लोग खा जाते है।

चौधरी भजन लालः इस बात का हम पूरा पूरा ख्याल रखेंगे। इस काम में आपको हमारा साथ देना होगा। यदि हमें यह पता चलता है कि फलां अधिकारी ने पैसे की गड़बड़ की है तो उसको माफ नहीं करेंगे। अखबारेां में भी बहुत सारी बातें आई है। मैं सारी प्रैस को बधाई देता हूं कि उन्होंने हालात को बनाये रखने में संयम से काम किया है। हो सकता है कि कुछ पत्रों की विचारधारा अलग हो लेकिन मैं फिर भी सारी प्रैस को संयम से काम लेने में बधाई देता हूं। प्रैस ने हालात को काबू रखने में अपना पूरा सहयोग दिया हैं। सागर राम गुप्ता जही ने कुछ सुझाव दिये है। उन पर भी ध्यान दिया जायेगा। आज हरियाणा में दिहाड़ीदार मजदूरों को जितनी मजदूरी मिल रही है उतनी और कहीं पर भी नहीं मिल रही। आज कारखानों के अंदर जो मजदूर काम कर रहे है और सड़कों पर जो मजदूर काम कर रहे है उनको और सुविधा देने की कोि ा ा करेंगें।

इसके अतिरिक्त अमर सिंह जी ने कहा कि हरिजनों के सैंकड़ों गांव ऐसे है जहां गलियों में बिजली नहीं है। अध्यक्ष महोदय ये उन गांवों का नाम लिख कर हमें भेज दें। वैसे तो कोई गांव बाकी नहीं होना चाहिए लेकिन अगर कहीं सचमुच बाकी है तो ये लिखकर हमें भेज दें। हर हालत में वहां बिजली लगाएंगें क्योंकि सरकार की ऐसी नीति है।

इन्होंने यह भी इलजाम लगाया कि एक सरकारी अधिकारी को फिजूल ही सस्पैंड कर दिया गया है। ये उसके बारे में भी हमें लिख कर भेज दें, हम उसको ऐग्जामिन कर लेंगे।

इन भाब्दों के साथ मैं सदन से प्रार्थना करूंगा कि राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है उसके लिए हमें उनको धन्यवाद देने के लिए सर्व–सम्मति से प्रस्ताव पास करना चाहिए।

श्री इंद्रजीत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने बताया कि जब वे अपने स्पोर्टर्ज के साथ गवर्नर साहब से मिलने गए थे तो कर्नल राम सिंह जी का उनके साथ कैसा बिहेवीयर था। इसके जवाब में कर्नल राम सिंह जी ने अपना पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देते हुए कहा कि चूंकि..... इसलिए उन्होंने गवर्नर साहब के यहां गुस्सा दिखाया। मेरी आपसे स्पीकर साहब यह गुजारि ा है कि कर्नल राम सिं हजी के ऊपर हमला हुआ या

इनकी ओर से इन्होंने या किसी और ने हमला किया इसकी पुलिस इंक्वायरी कर रही है। जब तक उस चीज का निर्णय न हो जाए, इस तरह की बातें प्रोसीडिंगज में नहीं रहनी चाहिए यानी उन्हें प्रोसीडिंगज में से निकाल देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री इंद्रजीत सिंहः दूसरी बात स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी ने अपना पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देते हुए बात सन् 1936 से भाुरू की। उस वक्त तो मैं पैदा भी नहीं हुआ था। इन्होंन कहा कि कभी इन्होंने भीम सैन सच्चर के विरूद्ध रिवोल्ट किया, कभी मेरे पिता जी के विरूद्ध रिवोल्ट किया और.....। इनके रिवोल्ट के बारे में तो मैं कुछ नहीं जानता क्योंकि ये बहुत पहले की बातें है लेकिन हमारे सामने की जो बातें है, उनमें इनको कितनी सफलता मिली है वह आप सबके सामने है। इस वक्त ये अपोजी ान के अंदर बैठे हुए है। (विघ्न) मेरे ख्याल से अगर इन्होंने रिवोल्ट के अंदर सफलता पाई होती तो ये आज न ो की चीजों के एडिक्ट न होते और इन्हें इस तरह से स्ट्रीटस के अंदर जाने की जरूरत न पड़ती।

श्री अध्यक्षः एक तो कर्नल साहब ने जो अपने ऊपर हमले की बात कही है उसे और दूसरे चौधरी देवी लाल ने जो

गर्दन सीधी करने वाली बात कही है उसे प्रोसीडिंगज में से निकाल दिया जाए।

Question is-

"That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 24th June, 1982."

After ascertaining the votes of the Members by voices, Mr. Speaker announced that "Ayes" have it. This opinion was challended and division was claimed. The bells were sounded. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Ayes' and thos eho were for 'NOes' respoectively to rise in their places and on a count having been taking declared that the Moation was carried.

The motion was carried.

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the sitting of the House be extended by 15 minutes?

Voices: Yes, Sir.

Mr. Speaker: The sitting of the House is extended by 15 miniutes.

वि ोशाधिकार के प्र न

(1) **24.5.82 को राज भवन में राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध**

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मैंने दो मो ान दिए थे। एक मो ान मैंने कल दिया था और एक आज सुबह दिया था। उनके ऊपर मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a question of breach of privilege from Shri Jagdish Nehra, Minister of State and several other congress (I) Legislators against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and manhandling the Governor in Raj Bhawan on 24th May, 1982, his keeping the M.L.As. in isolation from their families and laos inciting the public to molest those M.L.As. who had joined the ruling party. I give my consent and hold that the matter proposed to be discussed is in order and I call upon Shri Jagdish Nehra to rise and ask for leave to raise the Question of breach of privilege.

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra): Sir, i on behalf of the signatories fo the notice, given by various Members of the Haryana Vidhan Sabha, bring to the notice of this August Body a matter of recent occurrance when His Excellency, the Governor of Haryana, Shri G.D. Tapase, sworn in Shri Bhajan Lal as the new Chief Minister of the Haryana State on the 23rd May, 1982, in Raj Bhawan, Haryana, after the recent general elections in the State, in

exercise of his Constitutional Powers under Article 164(1) and administered oath of office and secrecy to him.

The Governor was fully within his constitutional rights to appoint Shri Bhajan Lal as Chief Minister and to administer him oath as he was of the opinion that Shri Bhajan Lal enjoyed or had the support of the single largest party in the Assembly to form a Government. But Shri Devi Lal, who led a delegation of his alleged supporters to0 the Government on the 24th May, 1982 not merely questioned his decision but actually insulted, abused and manhadled the Governor. The Governor is a constituent part of this Assembly.

Once the Governor had exercised his prorogative, Shri Devi Lal had no right to compel, to abuse, to give threat and to manhandle the Governor for discharging his official duties as Head of State and as a constituent part of this Assembly.

By this utterances and threats and by manhadling the Governor, Shri G.D. Tapase, who was discharging executive and legislative functions, Shri Devi Lal has committed a breach of privilege of the Governor, in his capacity as a constituent part of this Assembly and, hence, is gulty of the breach of privilege and contempt of this House. he is unfit to remain a Member of this August House.

A copy fo the Daily Tribune, dated the 25th May, 1982, is enclosed as Annexure I as proof to show as to how Shri G.D. Tapase the Governor, was manhandled, insulted and threatened. The despictable nature of the ugly drama masterminded and staged by Shri Devi Lal in the Haryana Raj

Bhavan on the 24th May, 1982, is apparent from the enclosed newspaper clipping (Shri Devi Lal's unbecoming and shameful conduct is obvious from the following two excerpts from the newspapers reports:-

"At one stage, Mr. Devi Lal violently pulled Mr. Tapase's chin to his side and asked him to" look him in the face and listen carefully".

"When Mr. Tapase muttered a feeble protest and said he would leave the room as he was being insulte, Mr. Devi Lal pulled him down and said the Governor was under a Gharao You cannot leave this room until you undo the mischef you committed.....the former Chief Minister shouted."

The Governor, Shri Tapase complained to the President of India against rowdy, insulting and uparliamentary behaviour of Shri Devi Lal and his alleged supporters towards him in the Haryana Raj Bhawan on the 24th May, 1982, as reported in the 'Indian Express' dated June 1, 1982. A clipping from the said paper is enclosed in original at AnnexureII. The following excerpts from this newspaper report are specially note-worthy:-

"Mr. Tapase has complained to the President that the behaviour of the Lok Dal legislators last Monday at the Raj Bhawan at Chandigarh was rowdy. They used physical force and offensive language which he had never experienced before".

"Mr. Tapase added:- "At this rowdism started with accusations of all sorts from all sides against me. Even Mr.

Devi Lal, supposed to be a seasoned politician and a senior legislator, angrily shook me. he caught me by the chin with one hand and my shoulder with the other. I resisted it but seemed that they were bent upon creatin nuisance."

"They became rude and spoke unparliamentary words. some of them even threatened me that there would be bloodshed and heavy distruction of public property. I was allowed to leave the lounge hall only on giving them assurance that I shall discuss the matter of summoning the Vidhan Sabha earlier with the Legal Remembrance and other constitutional experts."

All these happenings took place under the supervision and control of Shri. Devil Lal who had masterminded the plan and was a party to all these actions. he has committed a grave breach of privilege of the Governor, a constituent part of this House, and has lowered the image and prestige of the Governor and the House as a whole. If the Governor is insulted and manhandled like this then the Governor and the August House would be unable to perform the constitutional duties enjoined upon them. This also constitutes a grave breach of the privilege and contempt of the House.

Moreover, it is common knowledge among the votgers of Haryana as reported by all sections of the Press that Shri Devi Lal has restricted the free movement of their elected representatives by keeping them forcibly isolated from even their relations under armed guard consisting of hired hooligans and goondsa. Even the Governor in his report to the President as mentioned in the clipping at Annexure II from the

Indian Express dated June, 1, 1982, reported to the President that the wife of an independent M.L.A. had tolde him at Raj Bhawan that her husband had been taken away forcibly and that she was not being allowed to see him even in the Hotel at Parwanoo in Himachal Pradesh. The Governor is further reported to have infromed the President of India that "He (Shri Tapase) was also told that some armed Nihangs were preventing those who wanted to see them". The issue of the Daily 'Indian Express' dated May 24, 1982, carries on its front page a photograph with the following foot-note:-

"Mr. Devi Lal and his men rest in Shivalik Hotel Parwanoo on Sunday while outside the hotel (picture on top) sit armed men on guard including some Nihangs-Express photographs, by Swadesh Talwar."

The clipping from the 'Indian Express' dated 24th May, 1982, is enclosed at Annexure III. Shri Devi Lal has been openly preaching the cult of violence and threatening the dignity, property and the very life of the lawfully elected Members of this August House. he has been inciting the public to blacken the faces of those Members of this August House, who have refused to join his party and to subscribe to his approach of terrorism, to damage their property and to obstruct their movements. In short, by his derogatory, insulting and inciting utterances, attempts and actions Shri Devi Lal has been continuously trying over the last one month to obstruct the free movement and to impede the functioning of the Members of this August House as duly elected representatives in the discharge of their duties and responsibilities unto their constituents.

This whole matter constitutes a grave breach of privilege and contempt of the Governor, a constutuent part of the House and of this August House as a whole and of its honurable Members. The House has met for the first time since these happenings. We therefore, request that the whole question of breach of privilege against Shri Devi Lal may be referred to the Committee of Privilege for further determination and report to this August House before the first sitting of the next Session. This was the previous motion which I gave yesterday and I beg to seek the permission of the House to move the same. Today I have given a notice of another motion which I also want to read. (Interruptions)

Dr. Mangal Sein (Rohtak): That motion would be taken up separately. Mr. Speakerr Sir, I want to speak on this motion.

स्पीकर साहब, हमारे प्रस्तावक महोदय ने वि ोशाधिकार भंग करने का मामला उठाया है। इस प्रस्ताव को मैं अपेज करना चाहता हूं। मेरा अपोज करने का कारण यह है अगर मैम्बर्ज के प्रिविलेज और हाउस के प्रिविलेज ब्रीच होते है तो यह मामला आना चाहिए लेकिन यह जो सारा रोना रोया गया है यह जो सारी बात कही गई है गवर्नर साहब को कही गई हैं। यहां पर यह कहा गया कि राज्यपाल का अनादर किया गया है, अपमान किया गया है। वे उनके पास डेलीगे ान ले कर गये थे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब रूल्ज आफ प्रोसिजर में दिया है कि आप औब्जैक ान स्टेट–वे कर सकते है। आप स्पीच नहीं कर सकते। आप इतना लम्बा न बोलें। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने आब्जैक ान रेज किया है। मैं प्वायंट बिल्ड–अप कर रहा हूं। (ाोर) स्पीकर साहब मैं आपका ध्यान रूल्ज आफ प्रोसिजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 261 की ओर जिसके तहत मो ान मूव किया है, दिलाना चाहता हूं। मूव करने वाले साथी रूल 262 के बारे में भी कह रहे थे। उन्होंने यह कहा कि जब चौधरी देवी लाल राजभवन में गये थे तो उन्होंने डेलीगे ान को लीड किया। उन्होंने डेलीगे ान को नीड नहीं किया था बल्कि फैक्ट यह है कि गवर्नर साहब के बुलाने पर गये थे। गवर्नर साहब ने कहा था कि आप फिजिकल वैरीफिके ान दें लेकिन भजन लाल जी पतेबाजी करके चीफ मिनिस्टर बन गये। स्पीकर साहब आज इस बात की आड़ ले कर कि गवर्नर साहब का उन्होनें अपमान या अनादर किया या यह सरसार गलत बात है। यह मो ान मेलाफाइडी इंटैं ान से लायी जा रही है। इस हाउस में जो अपोजी ान के लीडर बैठे हुए है जिन्होंने वास्तव में चीफ मिनिस्टर बनना था उन की जगह भजन लाल जही ने हौर्स ट्रेडिंग करके सरकार बना ली। आज अखबार का ये हवाला देते है। आप हिंदुस्तान भर के अखबारों को पढ़िये। 23 और 24 तारीख के अखबार में क्या अलफाज लिखे है और उन्होंने क्या सर्टीफिकेट दिये है यह आप खुद ही पढ़

लीजिए। (व्यवधान व भाोर) सारे हिंदुस्तान भर के अखबारों को आप पढ़ लीजिये। स्पीकर साहब मेरी सख्त आपति है इसकी एकडमि ान नहीं होनी चाहिये।

(इस समय श्री अध्यक्ष खड़े हो गये)

स्पकीर साहब, अप तो खड़े हो गये। बैठकर मेरी बात तों पूरी सुन लें।

श्री अध्यक्षः आप जो कुछ कहना चाहते है वह मैं समझ गया हूं।

डा0 मंगल सैनः आप मेरे मन की बात कैसे समझ गये। आपके पास कौन सी ऐसी जादू की छड़ी है जो आप मेरी बात समझ गये।

श्री अध्यक्षः मैं आपकी बात समझ गया हूं कि आप आब्जैक ान रेज कर रहे है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं सब के सामने एक बात रखना चाहता हूं। मुझे अपनी बात तो कह लेने दीजिये। हो सकता है मेरी बात से कंवींस होकर वे अपना मो ान विद्रडा ही कर लें। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह एक गलत परम्परा डाल रहे है एक गलत प्रैसीडैंट डाल रहे है और एक गलत रिवायत डाली जा रही है। यह कहते है कि गवर्नर साहब का अपमान किया गया है। कोई अपमान नहीं किया गया है। अगर उनकी

बेइज्जती हुई है तो उन्होंने जो गलत काम किया है उसकी वजह से हुई है और उसके जिम्मेबवार वे खुद है। हमने उनकों कुछ नहीं कहा। हमने उनको यह कहा कि अपने हमें बुलाया था हम हाजिर हो गये। आप क्यों नहीं इनको ओथ दिलवाते। मैं आपसे यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि हाउस के बाहर किसी भी कार्यवाही पर एक ान नहीं लिया जा सकता। इन्होंने हाउस का कोई प्रिविलेज ब्रीच नहीं किया है। यह बे–बुनियाद है। अगर ये मर्द है तो इनको किसी और कानून में चालान करें। फिर देखेंगे कोर्ट क्या कहती है। तो मैं तो इतना ही कहते हुए अपको यह कहना चाहता हूं कि मैं इसका विरोध करता हू।

श्रीमती चंद्रावती(बाढ़डा): जनाव जैसे अभी डाक्टर मंगल सैन जी ने कहा, इस तरह से गलत प्रैसीडेंट बन जायेगा। गवर्नर साहब को कोई डेलीगे ान नहीं मिला। हम उन के बुलान पर गये है। अगर हम वहां पर जाकर अपनी बात कहते है तो वह हाउस पार्ट कैसे बन गयी है। हाउस की जुरिस्डिक ान कैसे बन गयी। मैं मुख्य मंत्री जी आपसे बड़ी नम्रता के साथ निवेदन करती हूं कि फिर तो हिंदुस्तान के जो सम्पादक आर्य है, वे भी प्रिविलेज का पार्ट बन जायेगे। आपको पता ही है कि जो कुद अखबारों में लिखते है वह प्रिविलेज का पार्ट नही बनता। कभी वह प्रिविलेज का पर्ट नही बन सकता जो कुछ अखबारों में लिखा होता है। ऐसा करने से बड़ा गलत प्रैसीडैंट कायम हो जायेगा। स्पीकर साहब मैं बड़े अदब के साथ अपसे यह कहना चाहती हूं

कि यह सब चीजें नहीं आनी चाहियें। यह जो चीजें इसमें लिखी गयी है यह निरर्थक है। इसलिये मैं आपसे दरख्वास्त करती हूं कि इन इररैलेवेंट बातों को (व्यवधान व भाोर)

एक आवाजः वह तो कमेटी देखेगी।

श्रीमती चंद्रावतीः कमेटी उनको कैसे देखेगी? यह तो एडमिट ही नहीं होना चाहिये। आपका भी पार्लियामैंट्री एक्सीपीरियैन्स रहा है। हमारा भी इतना लम्बा पार्लियामैंट का एक्सीपीरियैंस रहा है। हम जो उनके निवास स्थान पर प्राइवेटली मिले है, it is not a party of the House. It has nothing to do with the House Sir. It is my humble submission that this is awrong precedent. This is a wrong thing and it should not come to the House at all.

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, रूल 261 के तहत तो गवर्नर साहब आने ही नहीं है। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः कल 12 बजे यह मो ान मेरे पास आया था। मैं कल भााम से इसको स्टडी कर रहा हूं। रूल 261 को मैंने खूब पढ़ा है। मैंने सारे प्रैसीडैंटस भी देखे है।

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, मैं आपको रूल 261 पढ़ कर सुना देता हूं। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः इनको पढ़ने दीजिए।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं 10–15 दफा इसको पढ़ चुका हूं।

डा0 मंगल सैनः उनको पढ़ लेने दें। सारे हाउस को पता लग जायेगा।

श्री अध्यक्षः अच्छा पढ़ लें।

Shri Hira Nand Arya: Sir, Rule 261 reads-

"A member may, with the consent of the Speaker, raise a question involving a breach of privilege either of a member or of the House or of a Committee thereof."

गवर्नर साहब का तो इसमें कोई जिक्र ही नहीं है। Rule 262 reads-

"A member wishing to raise a question of privilege shall give notice in writing to the Secretary before the commencement of the sitting on the day the question is proposed to be raised. If the question raised is based on a document, the notice shall be accompanied by the document."

इसमें तो प्रोसीजर की बात है। इस रूल 261 में तो गवर्नर साहब आते ही नहीं है।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब आप तो एडवाकेट रहे है। आपने कांस्टीच्यु ान भी पढ़ा हुआ है। Is not the Governor part of the House?

श्री हीरा नंद आर्य: अध्यक्ष महोदय, वह पार्ट आफ दी हाउस नहीं है। तब डैलीगे ान उनके पास गया है जब उन्होंने बुलाया है। हाउस का तो प्रिविलेज नहीं बनता क्योंकि उन्होंने उनको बुलाया था। इसलिये कृपया इसकी इजाजत न दी जाये। मैं इसका विरोध करता हूं।

Mr. Speaker: Those who are in favour of the leave being granted, may please rise in their places.

(At this stage all the Members of the Treausry Benches rose in their places).

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, जो इसके खिलाफ है, उनको भी खड़ा करवा लें।

श्री अध्यक्ष: इसकी जरूरत नहीं है। इसके लिये सिर्फ 15 ही चाहिये।

श्रीमती चंद्रावती: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अगर एक चीज इररैलेवैंट है और वह हाउस का पार्ट ही नहीं है तो हम चाहे सारे हाउस के मैम्बर्ज ही बे ाक खड़ें क्यों न हो जायें उसको एडमिट नहीं करना चाहिए।

Mr. Speaker: According to rules, if objection to leave being granted is taken, I have to request those Members who are in favour of leave being granted and if not less than 15 Members rise accordingly, I am bound to grant the leave.

श्रीमती चंद्रावतीः लेकिन वह चीज इररैलेवैंट है। उसका हाउस से कोई संबंध नहीं है।

श्री अध्यक्षः मैं तो प्राईमा–फेसाई देख रहा हूं कि क्या कोई चीज बनती भी है या नहीं, डिसाईड तो मैं नहीं कर रहा।

श्री बीरेंद्र सिंहः फिर तो जाने दो।

डा0 मंगल सैनः फिर तो गवर्नर साहब को भी और कर्नल साहब को भी विटनैस बाक्स में आना होगा। सब लोग आयेंगे।

चौधरी भजन लालः चाहे कोई भी हो, सब आयेंगे। अगर राश्ट्रपति भी हों तो वह भी आयेंगे।

श्री बीरेंद्र सिंहः हम तो सब को बुलायेंगे।

श्री अध्यक्षः अपनी अपनी जिम्मेदारी पर लोग भाहादत देने के लिये आयेंगे।

As the number of Members who rose in favour of the motion exceeds fifteen, the leavce is granted. Shri Jagdish Nehra may please now move the motion.

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra): Sir, I beg to move-

That the matter against Ch. Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and manhandling the Governor in Raj Bhawan on 24th May, 1982 etc. be referred to the

Committee of Privilege to report to the House before the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the matter against Ch. Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and manhandling the Governor in Raj Bhawan on 24th May, 1982 etc. be referred to the Committee of Privilege to report to the House before the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the matter against Ch. Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and manhandling the Governor in Raj Bhawan on 24th May, 1982 etc. be referred to the Committee of Privilege to report to the House before the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय पंद्रह मिनट के लिये और बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: जी हां, बढ़ा लो।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय पंद्रह मिनट के लिये और बढ़ाया जाता है।

वि ोशाधिकार के प्र न (पुनराम्भ)

(2) चौधरी देवी लाल, एम0एल0ए0 के विरूद्ध सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के मौके पर उनके दुराचरण संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received another notice of question of breach of privilege from Shri Jagdish Nehra, Minister of State and several other Congress (I) Legislatiors against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. for his abusive, undesirable, insulting and derogatory speech and also inciting his colleagues to insult and disgrace the governor while he was addressing the House on 24th June, 1982 as also not allowing the Members to listen to the Governor's speech. I give my consent and hold that the matter proposed to be discussed is in order and I call upon Shri Jagdish Nehra to rise and ask for leave to raise the question of breach of privilege.

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra): Sir, I and some other Members give Notice under rule 262 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly of breach of privilege and contempt of the House on 24th June, 1982 when His Excellency, Governor of Haryana, in discharge of his constitutional duties under Article 176(1) of the Constitution, was specially addressing this august House:-

1 When His Excellency the Governor entered the Assembly Hall, none of the Opposition members, on the instigation of Shri Devi Lal, Leader of the Party, stood in respect of the Governor with a clear motive to insult anddisgrace His Excellency, the Governor when he was

discharging his Legislative duties vested in him under Article 176(1) of the Constitution.

Above uncalled act was further supported by his own speech (Shri Devi lal) when he said that they did not stand knowingly to insult the Governor as he (Governor) is not fit for this high office.

2 When His Excellency, the Governor started delivering His Address to this August house, then the Leader of the Party, Shri Devi Lal stood and started his abusive, undesirable, insulting and derogatory speech against all canons of parliamentary democray and etiquettes.

The purpose of the speech of the Leader of the Party, Shri Devi Lal was to insult and lower down the position of His Excellency, the Governor knowing it fully well that this act fo him was clearly a breach of privilege and contempt of this August House.

3 After this condemnable behaviour of the Leader of the Party, Shri Devi Lal did not stop here, he rather took a further step of bringing out a black flag from his pocket and waved by showing black flag to His Excellency, the Governor and also instigated his party followers to do the same and reszt of the Opposition members followed him (Shri Devi Lal) in doing this act, which is uncalled for in the parliamentary histroy of the country and doing so the Party Leader, Shri Devi Lal, was raising the slogans like 'Tapase chor hai, rishwat khor hai',, 'Tapase bika hua mal hai' (Tapase is a sold commodity), 'Besharam kaisa ho Tapase jaise ho' (A shameless man should be like Tapase). 'Dharishth governor wapas jao'

and these types of slogans were followed by the other Members of his party. In support of above slogans, the Indian Express, dated 25th June, 1982 as annexure I is attached herewith.

4 The act of all the Opposition Members, instigated by their Leader,Shri Devi Lal was going on by raising all types of slogans on top of their voices against His Excellency, the Governor, till His Excellency left the House, thereby debarred other Members of the Assembly to listen to His Excellency's Address carefully, which resulted in the impediments in discharge of his legislative duties, by the othe rMembers which is clearly a breach of privilege and contempt of this august House.

5 The derogatory acts of the Leader of the Party, Shri Devil Lal continuing from 24th May, 1982 when he insulted and manhandled His Excellency, the Governor, in the Raj Bhawan at Chandigarh. Copy of newpapers as annexure II is attached herewith.

6 The above said acts of Shri Devi Lal fully prove that he is unfit to be a Member of this august House and he be expelled from this august House.

7 The incidents of 24th June, 1982 and the recent occurrence require intervention of the Assembly.

8 The Hon'ble Speaker may refer the matter to the Privilege Committee for investigation and get Report from the Committee before the first sitting of the next Session.

9 The Hon'ble Speaker may get the relevant portions of th eutterances of Shri Devi Lal from the records of the

Assembly to prove above said contentions, as the said record of the Assembly is not available to the movers of this Motion.

Sir, I beg to seek the permission of the House to make this motion.

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, ऐसा लगता है कि रूलिंग पार्टी थोड़ी जो ा में आ गई है कि अब हमारी मैजोरिटी हो गई है इसयलिये अब अपोजी ान को रूथलैसली क ा कर दिया जाए और उनके लीडर को टारगैट बनाया जाए। स्पीकर साहब, यह बात ठीक ही कि तकरीर के दौरान हमने कहा कि डैमोक्रेटिक इंस्टीच्यु ान्ज में ऐसी बात नहीं होनी चाहिये। यह सब ऐसट्राओर्डीनरी हालात में बातें हुई है।। आप एक बहुत ही काबिल और तजुर्बेकार वकील रहे है। आप अदालत में मेरे वकील है मतलब यह कि मैं आपका मौक्किल हूं। अदालत में कोई जज यह कह दे कि आप सोमवार को सबूत के साथ हाजिर हो जाएं और अदालत भाानिवार को ही अपना फैसला दे दे तो आप क्या कहेंगे। डाइसैंट करना हमारा कांस्टीच्यू ानल राइट है। अगर डैमोक्रैसी में डाइसैंटिंग व्यू नहीं होगा और सारे चापलूस हो जाएंगे बिकने वाले हो जाएंगे तो डैमोक्रेसी जिंदा नहीं रह पाएगी। इसलिये हमने जो कुछ किया है वह हैवी हर्ट से किया है और हमने राज्यपाल महोदय के प्रति डिसरिस्पक्ट भाो नहीं की। उनका जो ऐक ान था उसका हमने विरोध किया है। वे आज ही नहीं आए पहले भी आते रहे है। हम तो आज भी यहां पर बैठे है। आप सारे हिंदुस्तान के अखबार उठाकर देख लो कि उनके इस

ऐक ान के बारे में उनके क्या विचार है? जब राश्ट्रपति महोदय से मैं चौधरी देवी लाल और एक हमारे साथी मि0 सैनी मिलने गए तो राश्ट्रपति ने कहा 'I am ashamed of what Mr. Tapase has done' स्पीकर साहब, यह बात हैड आफ दि कंटरी ने कही हैं। जो कुछ किया जा रहा है यह गल्त प्रैसीडैंट होगा। आग से खिलवाड़ करने वाली बात होगी अगर आप चौधरी देवी लाल को इस तरह की सजा देना चाहेंगे कि उनको जेल में भेज दिया जाए तो यह ठीक नहीं रहेगा। मैं कहना चाहता हूं कि यह मैथड गलत है इसके पीछे मैलाफाइड इंटैं ान है और इसका विरोध होना ही चाहिये। स्पीकर साहब, दो दिन का सै ान हो गया अब ये छः महीने तेल की मालि ा करे। अगर आज ये इस झगड़े में पड़ गए तो यह महंगा सौदा पड़ने वाला है। अगर इंदिरा गांधी जेल में रहकर दे ा की दुबारा प्रधान मंत्री बन सकते है तो चौधरी देवी लाल भी हफ्ते भर जेल में रह कर मुख्य मंत्री बन सकते है। यह मेरी नेक राय है। भजन लाल जी किसी की बात मान जाया करो। ज्यादा जिद्द नहीं किया करते। आज सारे प्रदे ा में आग लगी हुई है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पकीर साहब, आप जानते है कि जिस तरह का वातावरण कल हाउस में हुआ था उसको देखकर कोई भी नागरिक अच्छा नहीं कहेगा। गवर्नर की इस तरह से इंसल्ट करना कि ..... इस तरह के भद्दे भाब्द इस्तेमाल करना कोई अच्छी बात नहीं है।

प्रिविलेज कमेटी ने ही इस बात का फैसला करना है। हाउस तो इस समय कोई फैसला करने जा नही ंरहा है। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि इस तरह की बात कहने वाला क्या कोई आदमी सदन का मैम्बर रह सकता हैं यह गौर करने की बात है।

चौधरी देवी लाल (मेहम): मुझे इस बारे में कुछ कहना तो नहीं था। मैं तो सिर्फ एक बात कहना चाहता था कि गवर्नर ने जो एक महीने की मुहलत दी उसका मतलब सिर्फ यही था कि ..... गवर्नर के औफिस के खिलाफ हमने प्रोटैस्ट किया था। क्या यह गवर्नर को भाोभा देता है कि एक आदमी को टाईम दे दे कि फलां वक्त अपनी मैजोरिटी भाो करों और उस टाईम से पहले ही दूसरे को औथ दिलवा दें। मैंने..... .....का इल्जाम लगाया और उससे मैं इन्कार नहीं कर सकता।

चौधरी भजन लाल: मैं इस बात को चैलेंज करता हूं। चौधरी देवी लाल तो.....कभी ये कहते थे कि मेरे साथ 52 मैम्बर है और कभी कुछ कहते थे। मैं कहना चाहता हूं कि आदमी को बड़ी जिम्मेदारी से कोई बात कहनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी देवी लाल: यह जो कुछ किया जा रहा है इसका मतलब यह है कि अपोजी ान के.....मेरे सामने

मैम्बरि ाप कोई चीज नहीं है। लेकिन इसका नतीजा यह होगा कि आपके लिये यह सौदा महंगा पड़ेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो छः लाख रूपये वाली बात कही गई है और लीडर आफ दि हाउस ने चौधरी देवी लाल के बारे में जो बात कही है वे भाब्द एक्सपंज कर दिए जाए।

श्रीमती चंद्रावती (बाढ़हा): जनाब स्पीकर साहब, हमने जो कुछ बातें कहीं है और जैसे हमने गवर्नर महोदय के एक ान को कन्डैम किया है उसी प्रकार से हिंदुस्तान के सारें अखबारों के सम्पादकीय लेखों ने गवर्नर की बात को कन्डैम किया है। मैंने सारे अंग्रेजी, हिंदी, प्रांतीय भाशाओं के सम्पादकीय पढ़े है, आप बे ाक उनको यहां पर मंगवा कर देख सकते है और फिर उसके बाद इस बात का फैसला कर सकते है।

चौधरी भजन लालः आप उन अखबारों को डिफैं ा में पे ा कर देना। (ाोर एवं व्यवधान)

Shri Verender Singh: Why is he interfering, Sir?

श्रीमती चंद्रावतीः जनाब ट्रिब्यून अखबार के एडीटोरियल में गवर्नर साहब के लिये गवर्नर साहब के एक ान के लिये जो डिसग्रेसफुल के भाब्द इस्तेमाल किये है, उससे बढ़कर अंग्रेजी भाशा में कोई लफज नहीं है। इसलिये मैं आपके द्वारा सी0एम0 साहब से गुजारि ा करूंगी कि वे मो ान्ज को वापिस ले लें क्योंकि इससे हमे ाा के लिये गलत रिवायात होगी। आपको

लौंगरन में इसका नुकसान होगा और हाउस को भी नुकसान पहुंचेगा। हमकों सभी इलैक्टिड बाडीज ने स्पोर्ट किया है। जो इलैक्टिड बाडीज होती है वे प्रजातंत्र का ढांचा होती है। इसलिये अगर ऐसा किया गया तो यह एक गलत रिवायात होगी क्योंकि दे ा के सारे इंटलैकचुअलच ने हमें स्पोर्ट किया है। हम तो केवल स्पीकर साहब, एक डेलीगे ान के रूप में वहां परगये थे और इनकी बातों को सारे अखबारों ने लिखा है कि गलत बात हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उस वक्त आपने नहीं कहा जबकि चौधरी चरणसिंह को राश्ट्रपति जी ने बुलाया था (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चंद्रावतीः उनकी यहां पर कोई बात नहीं है।

चौधरी भजन लालः क्या वह कानून नहीं है। राश्ट्रपति जी ने एक रास्ता दिखाया और उसी रास्तें पर गवर्नर साहब ने फैसला किया। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। इन्होंने यहां पर यह कहा कि चौधरी चरण सिंह जी को राश्ट्रपति जी ने ओथ दिलाई थी पर इनको यह नहीं ता कि उस समय संजीव रेड्डी जी ने बाबू जगजीवन राम जी को कहा था कि अपने एम0पीज0 ले कर के आओं और फिजिकल

वैरीफिके ान करवाओं। उन्होंने ऐसी बेईमानी नहीं की थी। He should not equate with that situation.

Mr. Speaker: Those who are in favour of leave being granted may please rise in their places.

(At this stage all the members of the Treasury Benches rose in their places.)

Mr. Speaker: The leave is granted. Now Shri Jagdish Nehra may please move for referring the matter to the Committee of Privileges with a direction to report to the House before the first sitting of the next Session.

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra): I beg to move-

That the matter against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. regarding his misconduct on the eve of Governor's Address to the House be referred to the Committee of Privileges to report to the House before the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the matter against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. regarding his misconduct on the eve of Governor's Address to the House be referred to the Committee of Privileges to report to the House before the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the matter against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. regarding his misconduct on the eve of Governor's Address to

the House be referred to the Committee of Privileges to report to the House before the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

Shri Verender Singh: Let there be division, Sir. Division is necessary. सर यह मसला बड़ा ही अहम है। डिवीजन होनी ही चाहिए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः क्या बैठक का समय और पंद्रह मिनट के लिये बढ़ा दिया जाए?

आवाजें: ठीक है जी। बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय पंद्रह मिनट के लिये बढ़ाया जाता है।

वि ोशाधिकार के प्र न (पुनराम्भ)

श्री बीरेंद्र सिंहः स्पीकर सहाब, एक गलत प्रैसीडंट अडाप्ट किया जा रहा है जो भी मैम्बर इस हाउस में आएगा उसके सिर के ऊपर इस किस्म की एक बड़ी भारी तलवार लटकाई जा रही है ताकि वह आजादी से अवने विचारों को पूरी तरह से यहां हाउस में न कह सकेगा। ऐसी गलत प्रथा कायम की जा रही है स्पीकर साहब ताकि हरेक मैम्बर को दबा कर रखा जा सके और उनको इस तरह बहका कर यह कहा जा सकता है कि आपको इस

तरह से हाउस से डिसक्वालीफाई किया जा सकता है। इसलिये हम इस पर डिविजन चाहते है स्पीकर साहब, ताकि इस में सभी भागीदार बनें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, क्या आपका फैसला आने के बाद ये डिवीजन मांग सकते है? (ाोर एवं व्यवधान)

Shri Jagdish Nehra: You, first, kindly read Rule 264(2) of the Rules of Procedure and Conduct fo Business then demand division. It says:

"If objection to leave being granted is taken, the Speaker shall request those members, who are in favour of leave being granted to rise in their places and if not less than fifteen members rise accordingly the Speaker shall intimate that leave is granted. If less than fifteen members rise the Speaker shall inform the member that he has not the leave of the House."

Shri Verender Singh: Leave has already been granted to you.

श्री अध्यक्ष: देखिए साहेबान आप जानते है कि मेरी भी ड्यूटी काफी डिफीकल्ट है और अनप्लेजैंट भी है। आपकों पता ही है कि जो रूल्ज है उनसे बाहर मैं नहीं जा सकता। जो स्पीकर या जज होता है उसका फैसला एक पार्टी के खिलाफ तो जाएगा। मैंने कल दोपहर से लेकर सारा दिन लगाकर इसको स्टडी करने की पूरी कोि ा ा की है। जब मैंने अपना फैसला

एक बार कर दिया तो मैं उसको रिव्यू नहीं कर सकता। फैसला देने के बाद मुझे रिव्यू करने का कोई अखतयार नहीं है (विघ्न) यह आपकी बात कहना गलत है कि मैं आपके साथ सहमत नहीं हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहरब, आप अपने फैसले को रिव्यू कर सकते है।

Mr. Speaker: When I have announced my decision, it does not looknice to review it now (noises).

Now, the Minister for Parliamentary Affairs may please move his motion.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Minister for Irrigation and Power (Chaudhri Shamsher Singh): Sir, I beg to move-

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

The motion was carried.

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग

24.6.1982 को सदन में रक्षा एवं पहरा अमले द्वारा कुर्सी पर बैठने संबंधी डा0 मंगल सैन द्वारा उठाये गये औचित्य प्र न संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, yesterday Dr. Mangal Sein, M.L.A. had raised a point of order whether any official of the Watch & Ward staff etc. could sit on a chair in the House? I have gone into the matter carefully and also verified the facts from the office. I have been informed that no Watch & Ward official occupied a seat meant for the Hon'ble Members in the House. However, as per past practive, I am convinced that there is no bar to any official of the Vidhan Sabha Secretariat taking a chair in a corner or towards the wall of the House. As such I feel there has been no illegality by any official of the staff.

Attention is laos invited to the following paragraph contained in the book titled "Practive and Procedure of Parliament" by Kaul and

Shakdher, 3rd Edition:-

"Admission of strangers to the various galleries is regulated in accordance with the rules made in this behalf under direction of the Speaker and any matter not provided for in these rules is regulated by the Speaker at his discretion."

As no such direction exists whereby the Watch & Ward staff posted in the Hall is prohibited to occupy the chairs placed in the corner or close to the wall meant for them. they may occupy those seats when they feel tired or are indisposed of. As observed above. none of the members of the Watch & Ward staff committed any irregularity.

Mr. Speaker: The House stands adjourned sine die.

(*1.33 P.M.)

(The Sabha then adjourned *sine die)